शुभ लाभ

शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

शहर का पेयजल संकट से जूझना चिंताजनक व दु:खद : निर्मला सीतारमण @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 07 अप्रैल, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।*। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-97

राजधानी दिल्ली में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई

नवजात बच्चे चुरा कर बेचने वाला गिरोह पकड़ा गया

- गिरोह की पांच महिलाओं समेत सात लोग गिरफ्तार
- दो नवजात बच्चे बरामद, कई और की तलाश जारी

नई दिल्ली, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में मासूमों की सौदेबाजी को लेकर सीबीआई ने एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। चंद पैसों के लिए नवजातों की खरीद-फरोख्त को अंजाम दिया जा रहा था। इस काम में अस्तपतालों में काम करने वाले भी अपनी भूमिका निभा रहे थे। इनके तरीके के बारे में जानकर हर कोई हैरान है।

सीबीआई ने शनिवार को दिल्ली में एक बड़े बच्चा चोर गैंग का पर्दाफाश किया है। इस मामले में संलिप्त सात लोगों को सीबीआई की टीम ने गिरफ्तार किया है। यह गैंग चोरी किए गए बच्चों को सोशल मीडिया पर विज्ञापन के माध्यम से निःसंतान माता-पिता को बेचता था। सुराग के आधार पर सीबीआई टीम ने हरियाणा और दिल्ली के सात ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन चलाया। इस ऑपरेशन में सीबीआई ने दो नवजात बच्चे बरामद किए। इनमें एक बच्चा महज दो दिन का था तो दूसरा 15 दिन का। इन बच्चों को बेचने की सौदेबाजी चल रही थी।

जिन सात आरोपियों को सीबीआई ने गिरफ्तार किया है उनमें सोनीपत का नीरज, दिल्ली के पश्चिम विहार की इंदु, पटेल नगर का अस्लम, कन्हैया नगर की पूजा कश्यप, मालवीय नगर की अंजली, कविता और रितू के तौर पर हुई है। पकड़े गए आरोपियों से शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि यह लोग बच्चों को बेचने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया करते थे। आमतौर पर ये फेसबुक पेज, व्हाट्सएप ग्रुप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विज्ञापन देकर गोद लेने वाले इच्छुक निःसंतान दंपत्तियों से संपर्क किया करते थे।

यूपी के सहारनपुर में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

मोदी सरकार मिशन पर चलती है, विपक्षी कमीशन पर

सहारनपुर, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सहारनपुर की धरती से चुनावी शंखनाद किया। प्रधानमंत्री की रैली दिल्ली रोड स्थित राधा स्वामी सत्संग मैदान में आयोजित की गई। जनसभा स्थल के मंच से पीएम मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत राम-राम से की और मां शाकंभरी देवी को नमन किया।

पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया भर में देश का डंका बज रहा है। हमारा स्थान मां शक्ति का स्थान है। विपक्षी गठबंधन के लोग खुलेआम चुनौती दे रहे हैं कि उनकी लड़ाई शक्ति के खिलाफ है। क्या कोई शक्ति को खत्म कर सकता है? जिन-जिन लोगों ने शक्ति को खत्म करने का काम किया है, वह इतिहास में दर्ज है। पीएम ने कहा कि याद कीजिए 2014 के वो दिन, उस समय देश घोर संकट के दौर से गुजर रहा था। मैंने उस समय गारंटी दी थी कि देश झुकने नहीं दूंगा, हर स्थिति को बदलूंगा। निराशा को आशा और आशा को विश्वास में बदलूंगा। आपने अपने आशीर्वाद में कोई कमी नहीं रखी। याद कीजिए तब हमारा भारत 11वें नंबर की ताकत था। अब मोदी ने 5वें नंबर की ताकत बना दिया है। आज भारत की तस्वीर विकसित देश की बना दी है। पूरे विश्व में देश का डंका बज रहा है।

- हमारा मिशन है भ्रष्टाचार हटाओ, उनका टशन है भ्रष्टाचारी बचाओ
- दो लड़कों की फिल्म पहले ही फ्लॉप हो चुकी है, फिर पिटने आ रहे

पीएम मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन कमीशन और मोदी सरकार मिशन के लिए है। कहा कि आपने गलत जवाब दे दिया, ये मोदी का डंका नहीं, आप लोगों का है। हिंदुस्तान के हर कोने से एक ही आवाज आ रही है, फिर एक बार मोदी सरकार। आज भाजपा का स्थापना दिवस है। बहुत कम समय में भाजपा के साथ रिकॉर्ड लोग जुड़े हैं। भाजपा ने लोगों का दिल जीता है। इसका सबसे बड़ा कारण है भाजपा राजनीति नहीं राष्ट्रनीति पर चलती है। पीएम ने कहा कि राष्ट्र प्रथम हमारे संकल्प में है। देशहित से बड़ा कुछ भी नहीं हो सकता। भाजपा से लोग एक निशान के लिए जुड़ते हैं। गरीब कल्याण हमारे लिए मिशन रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, भाजपा ने गरीब के जीवन से अंधेरा दूर किया। आने वाले पांच वर्ष मुफ्त राशन की गारंटी दी है। 10 वर्ष में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकल पाए हैं, जो लोग कई दशक में नहीं कर पाए, वो भाजपा ने 10 वर्ष में कर दिया। पहले जितनी भी सरकारें रही कमीशन खाने को प्राथमिकता दी। अयोध्या मे रामलला का मंदिर चुनावी घोषणा नहीं, मेरा मिशन रहा है। जम्मू कश्मीर से 370 हटाना हमारा मिशन रहा है। कश्मीर में जो पत्थर फेंके गए, उनसे कश्मीर का निर्माण कराया। विकसित भारत का निर्माण किया जा रहा है। भाजपा सरकार ने 10 वर्ष पूरी ताकत के साथ काम किया है। 70 प्रतिशत योजना लागू हो, ऐसा प्रयास है। सबका साथ और सबका विकास और सबका विश्वास ही हमारा मंत्र है। तीन तलाक कानून को खत्म कर पूरे मुस्लिम परिवार को बचा लिया है। मुस्लिम बेटियां मोदी को आशीर्वाद देती रहेंगी।

प्रधानमंत्री ने कहा, सहारनपुर की जो नक्काशी है, वह दूर-दूर तक प्रसिद्ध है।

विपक्ष की बौखलाहट का तमिलनाडु में दिखा भद्दा चेहरा

पीएम का रोड-देखने पर बच्चों पर ठोक दिया मुकदमा

- स्कूल पर एफआईआर दर्ज कर शुरू कर दी थी कार्रवाई
- हाईकोर्ट ने पुलिस को फटकारा, कारण बताने को कहा

चेन्नई, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की तरह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन का भी दिमागी संतुलन बिगड़ गया है। हालांकि कमोबेश विपक्षी गठबंधन में शामिल नेताओं की बौखलाहट और बेचैनी का यही हाल है। उनकी बेचैनी सामान्य नागरिकों पर भारी पड़ रही है। बौखलाए नेता बच्चों को भी अपनी बौखलाहट का शिकार बना रहे हैं। तमिलनाडु के कोयम्बटूर में पिछले दिनों यही हुआ। कोयम्बटूर में पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोड-शो देखने स्कूली बच्चे चले गए तो तमिलनाडु पुलिस ने बच्चों और उनके स्कूल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी और गिरफ्तारी की कार्रवाई पर उतर आई। सत्ता गलियारे के जानकारों का कहना है कि शासन के इशारे के बगैर पुलिस ऐसा दुस्साहस नहीं कर सकती। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि मामला मद्रास हाईकोर्ट पहुंच गया।

मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु पुलिस को एक स्कूल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने पर कड़ी फटकार लगाई है। स्कूल के 32 बच्चे अपनी यूनिफॉर्म में पिछले महीने की 18 तारीख को पीएम नरेंद्र मोदी के कोयम्बटूर में हुए रोड शो में शामिल हुए थे। इस मामले में पुलिस की एफआईआर के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस जी जयचंद्रन की पीठ ने कहा कि वे खुद बचपन में बड़े नेताओं या प्रसिद्ध हस्तियों को देखने ऐसे रोड शो में जाया करते थे।

दुष्प्रचार में लगे मीडिया संस्थानों से रक्षा मंत्री ने साफ-साफ कहा

पाकिस्तान भागने वाले आतंकियों को वहां घुसकर मारेंगे

नई दिल्ली, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साफ-साफ कहा है कि भारत में अपराध करने के बाद सीमा पार शरण लेने वाले किसी भी आतंकवादी को भारत पाकिस्तान में घुसकर मारेगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध चाहता है, लेकिन अगर कोई भारत को चुनौती देता है और आतंकवादी कृत्य करता है, तो उसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

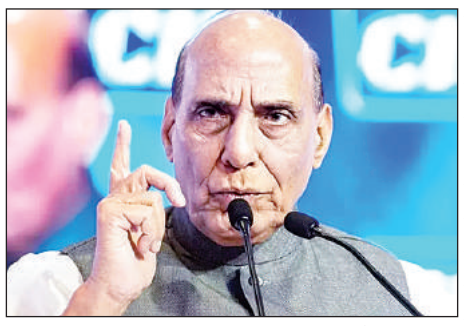

भारत की जमीन का इस्तेमाल आतंक के लिए नहीं होने देंगे

ब्रिटेन स्थित द गार्जियन अखबार ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी कि भारत सरकार ने पाकिस्तान में 20 लोगों की हत्या का आदेश दिया था और भारत केजीबी और मोसाद जैसी एजेंसियों से प्रभावित है। राजनाथ सिंह ने गार्जियन की रिपोर्ट पर अपनी तीखी प्रतिक्रिया इस बेलौस जवाब से दी। रक्षा मंत्री ने कहा, भारत की जमीन का इस्तेमाल आतंक के लिए नहीं होने देंगे।

राजनाथ सिंह ने भारत के खिलाफ दुष्प्रचार में लगे मीडिया संस्थानों से साफ-साफ कहा, आपने बताया कि हमने 20 आतंकवादियों को मार गिराया। अगर पाकिस्तान का कोई भी आतंकवादी भारत को परेशान करने की कोशिश करेगा या यहां आतंकवादी वारदात करेगा तो हम उसका मुंहतोड़ जवाब देंगे। अगर वह पाकिस्तान भागेगा तो हम वहां जाकर उसे मार डालेंगे।

उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा था कि नया भारत घर में घुस कर मारता है। इस ओर राजनाथ सिंह का ध्यान दिलाए जाने पर उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने जो कहा है, बिल्कुल सच और सटीक कहा है। यह ताकत है आज के भारत की, पाकिस्तान भी इसे समझने लगा है। पाकिस्तान के साथ रिश्तों पर राजनाथ सिंह ने कहा, भारत अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहता है। पिछला इतिहास देखें तो हम कभी भी आक्रामक नहीं रहे, कभी दूसरे देश की एक इंच जमीन पर भी कब्जा करने की कोशिश नहीं की। यह भारत का चरित्र रहा है। लेकिन अगर कोई बार-बार भारत को ललकारेगा, यहां आकर आतंकी वारदात करेगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। राजनाथ सिंह ने पीओके को लेकर बड़ा बयान दिया।

लालू प्रसाद यादव के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

26 साल पहले खरीदे थे अवैध हथियार

ग्वालियर, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। लालू प्रसाद यादव के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी हुआ है। यह मामला दो दशक से भी ज्यादा पुराना है। लालू यादव के नाम पर अवैध हथियार खरीदे गए और उन हथियारों को अलग-अलग जगहों पर सप्लाई किया गया। उनके खिलाफ मध्य प्रदेश के ग्वालियर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने वारंट जारी किया है। इस मामले 23 आरोपियों पर केस दर्ज किया गया था। लालू यादव के पेश न होने के कारण अदालत ने एक्शन लेते हुए उनके खिलाफ स्थाई गिरफ्तारी वारंट जारी किया है।अवैध हथियारों की खरीद-बिक्री 23 अगस्त 1995 से लेकर 15 मई 1997 के बीच की गई थी।

माइक्रोसॉफ्ट ने दी खतरनाक चेतावनी

लोकसभा चुनाव हैक करने की फिराक में है चीन

छवि बिगाड़ने और आवाज क्लोन करने का हो सकता है बेजा इस्तेमाल

नई दिल्ली, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने चेतावनी दी है कि चीन के हैकर्स एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) टूल्स का इस्तेमाल कर लोकसभा चुनाव में वोटर्स को प्रभावित कर सकते हैं। चीन अपने फायदे के लिए एआई जेनरेटेड कंटेंट और टूल्स का इस्तेमाल कर वोटर्स को प्रभावित कर सकता है।

वैसे वोटर्स को प्रभावित करने की चीन द्वारा चाल चलना कोई नई बात नहीं है। इससे पहले भी चीन ऐसी कोशिशें कर चुका है।

भारत में इस महीने लोकसभा चुनाव 2024 शुरू हो रहे हैं, जो 19 अप्रैल से शुरू होकर 1 जून तक चलेंगे। इससे पहले सरकार को चेतावनी मिली है कि पड़ोसी देश चीन के हैकर्स एआई टूल्स के जरिए चुनाव को प्रभावित करना चाहते हैं। माइक्रोसॉफ्ट कंपनी ने कहा है कि एआई टूल्स हैकर्स की वजह से किसी भी हथियार जितने खतरनाक हो गए हैं। क्योंकि जेनरेटिव एआई टूल्स के उपयोग से डीपफेक और एडिटेड वीडियोज बनाना तो आसान है ही इसके साथ ही अब एआई टूल्स से लोकप्रिय नेताओं की आवाज तक को क्लोन किया जा सकता है। ऐसे में इन्हीं का उपयोग कर हैकर्स फेक अकाउंट्स आसानी से ऑपरेट कर सकते हैं।भारत और अमेरिकी सरकार के साथ चीन का टकराव बीते साल 2020 में अमेरिका की ओर से लगाए गए व्यापारिक ट्रेड बैन के बाद से लगातार देखने को मिल रहा है।

केरल में भीषण नफरती-अत्याचार

प्रवासी मजदूर को पीट-पीट कर मार डाला

तिरुवनंतपुरम, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल के मुवातुपुझा में एक मॉब लिंचिंग का एक कथित सनसनीखेज मामला सामने आया है। बताया गया है कि यहां दो दिन पहले भीड़ ने एक प्रवासी मजदूर की पीट-पीटकर हत्या कर दी है। पुलिस ने इस मामले में 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान अशोक दास (24) के तौर पर की गई है। वह अरुणाचल प्रदेश का रहने वाला बताया गया है। अशोक दास नौकरी के लिए केरल आया था और मुवातुपुझा के करीब वलकम में एक किराए के घर में रह रहा था। दास को एक खंभे में बांधकर बर्बर तरीके से तब तक पीटा गया, जब तक उसने दम नहीं तोड़ दिया। वह इलाके में ही एक मित्र से मिलने गया था।

केंद्र की उपेक्षा से आजिज लद्दाखी निकालेंगे पश्मीना-मार्च

लद्दाख से दुष्प्रयोग केंद्र को भारी पड़ने वाला है

- चीन हथियाता जा रहा है लद्दाखियों के चारागाह
- लद्दाख की समस्या पर भारत सरकार लापरवाह

लेह, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। 2020 में पूर्वी लद्दाख के गलवान में चीनी और भारतीय सैनिकों के बीच हुई खूनी झड़प के बाद से केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख चर्चा में है। 3500 मीटर की ऊंचाई पर बसा ठंडे रेगिस्तान के नाम से मशहूर लद्दाख में सर्दियों में तापमान माइनस में पहुंच जाता है। वहीं बेहद शांत रहने वाले लद्दाखी इन दिनों बेहद गुस्से में हैं। इसकी वजह है उनकी केंद्र सरकार से उनकी नाराजगी। उनकी नाराजगी की दो वजह हैं, पहली लद्दाख को छठवीं अनुसूची में शामिल किया जाए, वहीं दूसरी मांग है कि लद्दाख को दो लोकसभा सीटें (करगिल और लेह) देने के साथ पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाए।

इन्हीं मांगों को लेकर थ्री इंडियट्स फिल्म से मशहूर हुए फुनसुख वांगडू यानी प्रसिद्ध पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक 21 दिन के अनशन पर भी बैठे थे, जिसे उन्होंने क्लाइमेट फास्ट नाम दिया था। लेकिन केंद्र की तरफ से उनकी मांगों और अनशन तोड़ने को लेकर कोई पहल नहीं की गई। जिसके बाद क्लाइमेट एक्टविस्ट और मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित सोनम वांगचुक ने लेह में सात मार्च को चीन सीमा (एलएसी) से लगे इलाकों में पश्मीना मार्च निकालने का ऐलान कर दिया। उनके मार्च को हर लद्दाखी का जनसमर्थन मिल रहा है, जिसके बाद वहां प्रशासन ने लेह में धारा 144 लागू करते हुए इंटरनेट बैन का आदेश भी जारी कर दिया। उनकी इस मुहिम को बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्गों और महिलाओं तक का समर्थन मिल रहा है।

सोनम वांगचुक के निकट सहयोगी और अपेक्स बॉडी लेह के कोऑर्डिनेटर जिगमत पलजोर ने को बताया कि रात में जब तापमान शून्य से 12 डिग्री सेल्सियस तक नीचे चला जाता है, उस समय भी लगभग 300-400 लोग विरोध स्थल पर बैठे थे। अभी भी यहां पुलिस घेरे में 500 लोग मौजूद हैं।

शेयर मार्केट

बीएसई : 74,248.22
+20.59 +0.03% ↑
एनएसई :22,513.70
-0.95 (0%) ↑

कार्टून कॉर्नर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)
सोना : 73,810/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 82,975/-
(प्रति किलोग्राम)

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिंदी दैनिक समाचार पत्र

शहर का पेयजल संकट से जूझना चिंताजनक व दु:खद : निर्मला सीतारमण

▪ कांग्रेस पर साधा निशाना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि यह चिंताजनक और दुखद है कि वैश्विक शहर बेंगलूरु पेयजल संकट से पीड़ित है।

उन्होंने शहर में भाजपा मीडिया कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा अधिक चिंता की बात यह है कि शहर में हैजा का भी प्रकोप होता दिख रहा है। जब पेयजल संकट होता है तो लोगों तक दूषित पानी पहुंचने की संभावना भी अधिक रहती है। हम अक्सर सोचते हैं कि हमने कुछ बीमारियों को खत्म कर दिया है।

लेकिन बेंगलूरु जैसे वैश्विक शहर को इससे पीड़ित देखना दुखद है। उन्होंने 2023 में सत्ता में आने पर कांग्रेस सरकार द्वारा कई सिंचाई और पेयजल पहलों को रोक दिए जाने को जिम्मेदार ठहराया। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने राज्य में पानी और सिंचाई कार्यों सहित 20,000 करोड़ के काम रोक दिए। यहां तक कि हर घर में पीने का पानी पहुंचाने वाले जल जीवन मिशन के काम भी ठप हो गए हैं।

निर्मला सीतारमण ने कहा कि अगर बेंगलूरुवासी मेरा टैक्स मेरा अधिकार है कहकर बेंगलूरु के विकास के लिए टैक्स का पैसा वापस मांगने लगेंगे तो कल्याणकारी कर्नाटक का क्या होगा? भाजपा राज्य चुनाव मीडिया सेंटर में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों के सवालों के जवाब दिये।

उन्होंने कहा यह याद रखना चाहिए कि हम देशहित में टैक्स देते हैं। उन्होंने विश्लेषण किया कि अगर मेरा टैक्स मेरा अधिकार की बात गलत अर्थों में की जाती है तो यह देश हित में नहीं हो सकता।

उन्होंने इस सवाल का जवाब दिया कि हमारे देश पर विदेशी कर्ज जीडीपी की तुलना में कम है। सूखे से जुड़ा मामला कृषि विभाग के अंतर्गत आता है। कर्नाटक, आंध्र, महाराष्ट्र के सूखे की स्थिति और विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं के संबंध में एक उच्च स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की जानी चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि इसके लिए चुनाव आयोग की अनुमति जरूरी है। 223 तालुकों में सूखा है।

जब उनसे पूछा गया कि पैसे का भुगतान जल्दी क्यों नहीं किया गया तो उन्होंने कहा कि जानबूझ कर कोई देरी नहीं की गई। राज्य सरकार को तुरंत सूखा राहत देनी चाहिए थी।

एनडीआरएफ मुआवजा, विशेष मुआवजा, अंतरिम मुआवजा की अनुमति नहीं है। मुआवजे के लिए एसडीआरएफ के पास पैसा होगा। उन्होंने बताया कि एसडीआरएफ का 697 करोड़ रुपये केंद्र को अनुदान के रूप में दिया गया है और यह अग्रिम दिया गया है। केंद्रीय टीम ने आने के बाद सर्वे कर रिपोर्ट दी।

मोदी ने कर्नाटक के हर अनुरोध को माफ कर दिया है। गारंटी के लिए 60 हजार करोड़ रुपये की जरूरत है। उन्होंने पूछा कि पैसा कहां से आएगा। उन्होंने उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की उस बात को याद किया जिसमें उन्होंने कहा था कि कोई विकास कार्य नहीं हुआ है।

मुख्यमंत्री के सलाहकार बसवराज रायरेड्डी ने कहा था कि गारंटियों पर 58 हजार करोड़ खर्च हो गए हैं और विकास कार्य ठप हो गए हैं। कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश और अन्य जगहों पर गारंटी का वादा किया था। हिमाचल प्रदेश में ओपीएस-एनपीएस पर संवाद के दौरान उन्होंने कहा कि ओपीएस लागू किया जाएगा। हालाँकि, उन्होंने आलोचना की कि यह पूरा नहीं हुआ। उन्होंने पूछा कि क्या उन्होंने बिना पूर्व तैयारी के ऐसी घोषणा की है। उन्होंने विश्लेषण किया कि कांग्रेस पार्टी के घोषणापत्र में दिये गये वादे पूरे नहीं किये जा सके। इससे पहले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेन्द्र ने निर्मला सीतारमण का स्वागत किया।

नि:शुल्क मधुमेह एवं रक्तचाप जांच शिविर आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम द्वारा राजाजीनगर में स्थित केथमरनहल्ली पार्क में नि:शुल्क मधुमेह जांच एवं रक्तचाप शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर की शुरुआत नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई। नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच के अंतर्गत रैंडम ब्लड शुगर एवं रक्तचाप की जांच की गई। लगभग 2 घंटे तक चले इस शिविर में कुल 66 सदस्य लाभान्वित हुए। तेयुप सदस्यों ने स्थानीय लोगों से वार्तालाप करते हुए एटीडीसी द्वारा आगामी कैंप एवं प्रदत्त विभिन्न सेवाओं एवं डॉक्टरों की उपलब्धता से अवगत करवाया। स्थानीय सदस्यों ने परिषद परिवार के प्रति मंगलकामना संप्रेषित करते हुए सेन्टर द्वारा प्रदत्त सेवाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। इस शिविर को सुव्यवस्थित आयोजन करने में एटीडीसी स्टाफ दीपा एवं स्मिता का सम्पूर्ण सहयोग रहा। तेयुप से राजेश देरासरिया, जयंतीलाल गांधी, हरीश पोरवाड़ एवं मोहन चौरड़िया ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

निशुल्क फिजियोथैरेपी कैंप का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर द्वारा शुक्रवार को आचार्य महाश्रमण फिजियोथैरेपी सेंटर की पहली वर्षगांठ पर फ्री फिजियोथैरेपी कैंप का आयोजन एटीडीसी श्रीरामपुरम में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र से हुई। अध्यक्षा उषा चौधरी ने आए हुए मेहमानों एवं केसरिया परिधान में पधारी सभी बहनों का स्वागत किया। फिजियोथैरेपिस्ट गुरुप्रसाद ने बताया कि फिजियोथैरेपी न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी लाभ पहुंचा सकती है। किसी को अपने सेहत को प्राथमिकता देने में संकोच नहीं करना चाहिए। कार्यक्रम में राजाजीनगर तेरापंथ सभा के उपाद्यक्ष अशोक चौधरी, सह मंत्री चंद्रेश मांडोत, तेरापंथ युवक परिषद के उपाध्यक्ष राजेश देरासरिया और उनकी टीम भी उपस्थित थी। निवर्तमान अध्यक्षा चेतना वेदमूथा, कैबिनेट एवं कार्यकारिणी बहने उपस्थित थी। सभी ने महिला मंडल के इस कैंप की प्रशंसा की और आगे के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का संचालन मंत्री लता नवलखा ने किया। कार्यक्रम की संयोजिका चंदा मेहता ने आभार ज्ञापन किया।

भाजपा ने स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडुराव की आलोचना की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा ने स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडुराव की आलोचना की है, जिन्होंने ट्विटर पर उस खबर का जिक्र करते हुए पोस्ट किया था कि तीर्थहल्ली के एक व्यक्ति को राष्ट्रीय जांच दल ने रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में गिरफ्तार किया है।

पार्टी ने कहा कि गुंडुराव मानसिक रूप से बीमार हैं। कांग्रेस आईटी सेल फर्जी खबरों को सच बताने की कोशिश कर रही है। आप स्वास्थ्य मंत्री हैं या झूठ बोलने वाले मंत्री? यह दुखद है कि मंत्री पदों पर ऐसे बेवकूफ बैठे हैं जिन्हें गवाह के मुकदमे और आरोपी के मुकदमे के बारे में पता नहीं है। पार्टी ने प्रदेश की जनता से तुरंत माफी मांगने और गरिमा बनाए रखने का अनुरोध किया। रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट मामले में तीर्थहल्ली बीजेपी नेता साईप्रसाद को राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने हिरासत में ले लिया है। गुंडूराव ने कहा था कि एनआईए द्वारा भाजपा नेता को हिरासत में लेने के बाद क्या इसका मतलब यह नहीं है कि रामेश्वरम कैफे विस्फोट में भाजपा का हाथ है? क्या आपको इससे अधिक कोई सबूत चाहिए कि भाजपा राज्य में धर्मरक्षा के नाम पर जो भगवा आतंकवाद चला रही है, वह गंभीर समस्याएँ पैदा कर रहा है? देश पर आरएसएस की विचारधारा थोप रही केंद्रीय बीजेपी का इस पर क्या कहना है?

डीके शिवकुमार के सिंचाई मंत्री बनने के बाद राज्य के सभी बांध खाली: आर अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने मांग की है कि सूखे के प्रबंधन में पूरी तरह विफल रहे मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि राज्य के सभी तालुकों में बारिश के बिना सूखे की स्थिति बनी हुई है। लोग पीने के पानी और मवेशियों के चारे के बिना मर रहे हैं। यह सरकार जनता के लिए मर चुकी है। इसलिए उन्होंने मांग की कि सीएम को नैतिक जिम्मेदारी के तौर पर इस्तीफा दे देना चाहिए।

ब्रांड बेंगलूरु अब खराब बेंगलूरु है। डीके शिवकुमार के सिंचाई मंत्री बनने के बाद राज्य के सभी बांध खाली हैं। लोगों को नहीं पता कि लोक निर्माण मंत्री कौन है। एक किमी सड़क का डामरीकरण नहीं हुआ है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि वे अपनी जिम्मेदारी भूल रहे हैं और केंद्र सरकार पर उल्लू बैठाने का काम कर रहे हैं। इससे पहले जब सिद्धरामैया मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने 11 महीने बाद सूखा राहत राशि जारी की थी। पिछली यूपीए सरकार की तुलना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने दोगुना अनुदान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्र की ओर से अनुदान के मामले में कोई भेदभाव नहीं किया जा रहा है। जुलाई माह में ही कम वर्षा हुई। इसके बाद साढ़े तीन महीने बाद सूखा आ गया। कीचड़ सूख गया और जलाशय खाली हैं। वर्षा की कमी के कारण जलाशय खाली हो गये हैं। वर्षा कम होने के कारण 508 झील में पानी की एक बूंद भी नहीं है। वे सोशल मीडिया पर कहते हैं, चुनौती पर चर्चा करने आएं, मुझे नहीं पता कि मुझे यह कहना चाहिए या नहीं। क्या कांग्रेस संसद में मर गई? उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, क्या राष्ट्रीय कांग्रेस मर गई है? सूखा राहत के लिए प्रत्येक किसान को 25 से 50 हजार रुपये दिये जाने थे। लेकिन जो दिया गया वो सिर्फ 2 हजार रुपये था। मानसून की फसल सर्दी की फसल से अलग होती है। सिद्धरामैया आपने सूखे पर पर्दा क्यों डाला? अभी तो केवल मानसून की घोषणा हुई है। अब तक 900 किसान आत्महत्या कर चुके हैं। आपको जितनी जरूरत हो उतनी गारंटी दें। चाहो तो 50 की गारंटी दे दो। लेकिन किसानों को मुआवजा दो। किसान आत्महत्या कर रहे हैं, आपको कोई दर्द नहीं होता। उन्होंने सवाल किया कि दस माह में क्या विकास कार्य किये गये। क्या आपने कोई जलाशय बनाया है? क्या आपके पास कोई शैक्षणिक संस्थान है? उन्हें सत्ता में आए एक साल हो गया है। अस्पताल, स्कूल, बांध बनाना हमारा कर्तव्य है। कुछ भी बंधा हुआ नहीं है। उन्होंने इस बात पर आक्रोश जताया कि वे किस काम को लेकर चुनाव में जा रहे हैं।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *नागरबावी क्षेत्र में आयोजित लक्ष्मी उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां की विशेष पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कुछ ही दिनों बाद लोकतंत्र का उत्सव लोकसभा चुनाव आने वाला है। हमारा एक वोट भी निर्णायक हो सकता है, उस दिन पब्लिक छुट्टी है, लेकिन यह ना भूले की वह मतदान दिवस है। प्रत्येक मतदाता उस दिन भारत के उज्जवल भविष्य के लिए राष्ट्रहित में अवश्य मतदान करें।*

एक प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेज की एक छात्रा हैजा से संक्रमित

▪ 47 छात्राएं अचानक हुई थी बीमार

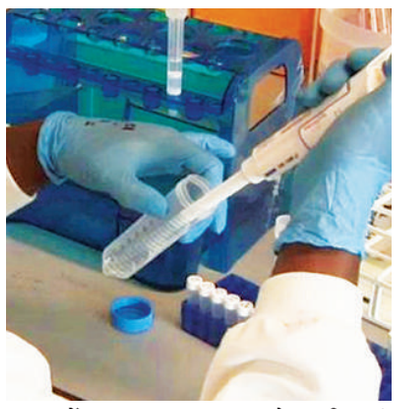

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के एक प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेज की 47 छात्राएं जो अचानक बीमार पड़ गईं और उन्हें विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, उनमें से एक छात्रा को हैजा हो गया है। 47 छात्राओं में से 26 वर्षीय प्रफुल्ला का रक्त नमूना सकारात्मक था, इसलिए यह पुष्टि हो गई कि वह हैजा से संक्रमित है। बाकी 46 छात्रों की ब्लड टेस्ट रिपोर्ट जल्द आएगी। शुक्रवार रात कॉलेज हॉस्टल में एक-एक कर छात्राओं को उल्टियां हुईं और उन्हें तुरंत विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, इनमें से 28 छात्राओं का इलाज ट्रॉमा केयर सेंटर में, अन्य का इलाज एच ब्लॉक में और चार का इलाज आईसीयू में चल रहा है। बीएमसीआरआइ के प्रमुख एवं निदेशक डॉ. रमेश कृष्णा ने बताया कि विक्टोरिया अस्पताल में इलाजरत सभी छात्राओं का स्वास्थ्य अच्छा है। अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि छात्राएं किस वजह से बीमार पड़ीं। बेंगलूरु में बढ़ते तापमान के बीच हैजा का आतंक शुरू हो गया है। इसे लेकर स्वास्थ्य विभाग चिंतित है। ऐसे में सभी छात्रों के सैंपल कल्चर लैबोरेट्री में भेज दिए गए हैं और रिपोर्ट का इंतजार है। मामले के बाद मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने हॉस्टल के पानी की जांच करने का निर्देश दिया है। विक्टोरिया अस्पताल के आईसीयू में भर्ती छात्राओं को छोड़कर बाकी को शनिवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। छात्राओं के छात्रावास में हैजा के स्पष्ट प्रकोप के कारण किसी को भी छात्रावास के अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। लोगों को सतर्क रहने और एहतियाती कदम उठाने की सलाह दी गई है क्योंकि शहर के कुछ हिस्सों में उल्टी और दस्त के मामले पहले ही बढ़ गए हैं और महामारी फैलने का डर है। डॉक्टरों ने अनुरोध किया है कि ऐसे समय में हाथ साफ करने के बाद ही खाना खाना चाहिए। साफ पीने का पानी इस्तेमाल करना चाहिए, नाली का पानी या पीने के पानी की पाइप बंद नहीं होनी चाहिए और बाहर का स्ट्रीट फूड खाने से बचना चाहिए। बीबीएमपी ने पहले ही स्वास्थ्य अधिकारियों को होटलों में ग्राहकों को उबला हुआ पानी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है ताकि उन्हें हैजा से बचाया जा सके।

नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनते देखने के दिन दूर नहीं: विजयेंद्र

▪ मोदी की लोकप्रियता को वोट में बदलना चाहिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि राज्य में हर जगह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पक्ष में लहर चल रही है, अगर यह वोटों में तब्दील हो जाए तो हम 28 में से 28 लोकसभा सीटें आसानी से जीत सकते हैं।

भारतीय जनता पार्टी के 44वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर उन्होंने भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में कहा कि अगर हम थोड़ी मेहनत करें तो हम सभी 28 लोकसभा क्षेत्रों को जीतकर एक कीर्तिमान लिख सकते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से इसके लिए तैयार रहने का आह्वान किया। मोदी की लोकप्रियता को वोट में बदलना चाहिए। आइए हम नरेंद्र मोदी को सशक्त बनाने के लिए काम करें। देशभर में लघु दान अभियान चल रहा है। प्रत्येक कार्यकर्ता को नमो ऐप के माध्यम से भाग लेना चाहिए। उन्होंने किसी भी राशि का दान करने का अनुरोध किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत ही नहीं, विश्व को नेतृत्व दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग हैं जिन्होंने बिना ब्रेक लिए दस साल तक प्रधानमंत्री के रूप में काम किया है, वह अकेले नरेंद्र मोदी हैं। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही तीन तलाक को रद्द किया था, क्योंकि जिस तरह हिन्दू महिलाओं को सम्मान मिलना चाहिए, उसी तरह अल्पसंख्यक महिलाओं को भी सम्मान मिलना चाहिए। इस लोकसभा चुनाव को गंभीरता से लेना चाहिए और घर-घर जाकर नरेंद्र मोदी के कार्यक्रमों की जानकारी देनी चाहिए। हमें योद्धाओं की तरह मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनते देखने के दिन दूर नहीं हैं। लाखों कार्यकर्ताओं के प्रयास से 18 करोड़ से अधिक सदस्यों के साथ यह सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। उन्होंने कहा कि पार्टी चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हो जाए, हमारी पार्टी की विचारधारा में कहीं कोई समझौता नहीं है और हम सिद्धांतों पर कायम हैं। बी.एस. येदियुरप्पा के संघर्ष ने बीजेपी को गांवों में खड़ा कर दिया है। येदियुरप्पा ने पैदल, लड़ाई और साइकिल चलाकर पार्टी का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने देश का नेतृत्व किया है और नरेंद्र मोदी जैसे धर्मनिष्ठ प्रधानमंत्री ने देश में भ्रष्टाचार नहीं होने दिया। इस मौके पर लोकसभा चुनाव प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल, प्रदेश संगठन महासचिव राजेश जी.वी., विधान परिषद सदस्य चलवाडी नारायणस्वामी समेत अन्य प्रमुख लोग मौजूद थे।

कांग्रेस ने देश को कभी न्याय नहीं दिया

12 लाख करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार किया: जोशी

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय संसदीय कार्य, कोयला और खान मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शनिवार को कांग्रेस के न्याय घोषणापत्र को लेकर उसकी आलोचना करते हुए कहा कि पार्टी ने कभी भी देश को न्याय नहीं दिया है। राहुल गांधी ने न्याय चुनाव घोषणापत्र की घोषणा की। यह अच्छी तरह से जानते हुए कि वे सत्ता में नहीं आएंगे, पार्टी मनमर्जी से घोषणाएं करने में लगी हुई है।

कांग्रेस ने गरीबी हटाओ (गरीबी उन्मूलन) और रोटी, कपड़ा और मकान (भोजन, कपड़ा और मकान) जैसे नारे गढ़े थे। क्या वे सफल हुए हैं? 2004 में कांग्रेस ने एक और नारा दिया कांग्रेस का हाथ गरीब लोगों के साथ, लेकिन आखिरकार उन्होंने क्या किया? उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान उन्होंने 12 लाख करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार किया। उन्होंने गरीबों को कुछ नहीं दिया। उन्होंने देश के साथ न्याय भी नहीं किया। जोशी ने कहा न्याय नारे की उनकी घोषणा हास्यास्पद है। उन्होंने कहा कि अगर वे 'न्याय' नारे या यात्राएं निकालेंगे तो भी लोग उन पर विश्वास नहीं करेंगे।

जोशी कर्नाटक की धारवाड़ संसदीय सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। इससे पहले केंद्रीय संसदीय कार्य, कोयला और खान मंत्री प्रह्लाद जोशी ने चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) द्वारा लद्दाख में घुसपैठ को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अफीम से प्रेरित नींद वाले तंज के लिए एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की आलोचना की है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी प्रमुख पर हमला करने के लिए परोक्ष रूप से देश के पहले प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू का नाम घसीटा। जोशी ने लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित और सबसे लोकप्रिय प्रधान मंत्री के प्रति भाषा के उपयोग पर खड़गे को चेतावनी दी, और पलटवार किया कि कांग्रेस प्रमुख को जल्दबाजी में किसी की आलोचना करते समय भाषा पर ध्यान देना चाहिए। वह भी देश के प्रधान मंत्री के बारे में बोलते समय। खड़गे की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी नेता ने कहा मैं एआईसीसी प्रमुख के प्रति ऐसी गंदी भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहता। चूंकि मोदी निर्वाचित हैं और देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री हैं, इसलिए उन्हें (खड़गे) समझना चाहिए कि वह किस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, क्योंकि वह तथाकथित ग्रैंड ओल्ड पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। कांग्रेस पर सवाल उठाने के लिए परोक्ष रूप से नेहरू का नाम लाते हुए जोशी ने कहा मैं पूछूंगा कि 1962 में जब चीन ने 34,000 वर्ग किलोमीटर जमीन हड़प ली थी, तब किसने अफीम खाई थी।

भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी

आगे मोदी सरकार की कार्रवाई का बचाव करते हुए मंत्री ने कहा हम पूरे विश्वास के साथ कह रहे हैं कि हमारी सरकार ने चीन को भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी है। एक इंच भी जमीन किसी ने नहीं हड़पी है। उन्होंने कहा कि कड़ी कार्रवाई के बावजूद प्रधानमंत्री के खिलाफ ऐसी गंदी भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो बेहद निंदनीय है और वह इसका कड़ा विरोध करते हैं। वरिष्ठ कांग्रेसी चिदंबरम की इस टिप्पणी का उपहास उड़ाते हुए कि भाजपा क्षेत्रीय दलों को नष्ट कर रही है, जोशी ने कहा कि वे किसी क्षेत्रीय दल को नष्ट नहीं कर रहे हैं, बल्कि भाजपा को मजबूत कर रहे हैं। भाजपा की जिम्मेदारी को मजबूत करना प्रत्येक पार्टी का कर्तव्य है।

लोकसभा चुनाव के लिए दो पुलिस पर्यवेक्षकों की नियुक्ति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर दो पुलिस पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। इसके तहत आईपीएस अधिकारी डॉ. सीएम त्रिविक्रम वर्मा को बेंगलूरु सेंट्रल और बेंगलूरु साउथ लोकसभा क्षेत्रों के लिए पुलिस पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। जबकि आईपीएस अधिकारी हेमंत कुटियाल को बेंगलूरु उत्तर और बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्रों के लिए नियुक्त किया गया है। पुलिस विभाग ने घोषणा की है कि पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतें जनता द्वारा पुलिस निरीक्षक को सौंपी जा सकती हैं। डॉ. सीएन त्रिविक्रम वर्मा से 8904612192 और हेमंत कुटियाल से 8296579912 पर संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

शिवमोग्गा में मोदी के फोटो को लेकर विवाद, बागी ईश्वरप्पा ने दायर की याचिका

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

शिवमोग्गा निर्वाचन क्षेत्र में बागी भाजपा उम्मीदवार के रूप में पूर्व मंत्री केएस ईश्वरप्पा के प्रवेश ने राज्य का ध्यान आकर्षित किया है। इस बीच चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर का इस्तेमाल करने का मामला शुरू हो गया है और अब यह मामला कोर्ट तक पहुंच गया है। ईश्वरप्पा ने मोदी की तस्वीर के इस्तेमाल को लेकर शिवमोग्गा कोर्ट में याचिका दायर की है। भाजपा उम्मीदवार बीवाई राघवेंद्र ने चुनाव प्रचार के दौरान ईश्वरप्पा द्वारा मोदी की तस्वीर का इस्तेमाल करने पर व्यंग्य किया था। राघवेंद्र से बदला लेने वाले ईश्वरप्पा ने पलटवार करते हुए कहा कि मोदी उनकी संपत्ति नहीं हैं। अब मोदी के फोटो के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। लोकसभा चुनाव में बागी उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे ईश्वरप्पा को मनाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हाल ही में जब बेंगलूरु आए थे तो

उन्होंने उन्हें फोन किया था। उन्होंने ईश्वरप्पा से दिल्ली आने को कहा था। तद्नुसार, ईश्वरप्पा, जो दिल्ली गए थे, बिना मिले वापस लौट आए।

बाद में उन्होंने प्रदेश बीजेपी नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि हो सकता है कि आलाकमान नेताओं ने उन्हें बागी उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने की मंजूरी दे दी हो। वे इसे गहराई से महसूस कर सकते हैं, भले ही खुले तौर पर नहीं। उन्होंने कहा कि राज्य में पार्टी को पिता-पुत्र के नियंत्रण से बाहर लाने की मेरी कोशिश में उनकी दिलचस्पी हो सकती है।

चुनाव प्रचार के दौरान मोदी की तस्वीर के इस्तेमाल को लेकर राज्य विधानसभा चुनाव के दौरान भी ऐसा ही मामला सामने आया था। दक्षिण कन्नड़ जिले के पुत्तूर में विद्रोही उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने वाले अरुण कुमार पुथिला ने न केवल मोदी के चित्र का इस्तेमाल किया, बल्कि मोदी के नाम का उपयोग करके प्रचार भी किया। स्थानीय बीजेपी नेताओं के विरोध के बावजूद उन्होंने न सिर्फ कैंपेन में मोदी का नाम उछाला, बल्कि चुनाव में बेहतरीन प्रदर्शन कर आलाकमान का ध्यान भी खींचा। हाल ही में उन्हें पार्टी में शामिल किया गया है।

थर्मल प्लांटों ने तोड़े रिकॉर्ड : कर्नाटक गर्मियों में बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने के लिए तैयार: केजे जॉर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के ऊर्जा मंत्री के.जे. जॉर्ज ने कहा कि राज्य के ताप विद्युत संयंत्रों ने रिकॉर्ड तोड़ दिया है और गर्मियों के दौरान बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए राज्य का आत्मविश्वास बढ़ाया है। राज्य थर्मल पावर प्लांटों का यह प्रभावशाली प्रदर्शन ऊर्जा विभाग के कार्यबल के समर्पण और विशेषज्ञता पर जोर देता है। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए सक्रिय उपाय किए गए हैं। सुविधा की सात इकाइयों ने सामूहिक रूप से उत्पादित कुल बिजली में 85 प्रतिशत से अधिक का योगदान दिया है, जो दर्शाता है कई तकनीकी बाधाओं के बावजूद विश्वसनीयता का यह उल्लेखनीय उपलब्धि क्षेत्रीय बिजली आवश्यकताओं को पूरा करने में उनके महत्व को रेखांकित करती है। अतिरिक्त मुख्य सचिव, ऊर्जा, गौरव गुप्ता ने कहा थर्मल पावर प्लांटों द्वारा उत्पादित अधिशेष बिजली ने न केवल मांग को पूरा किया है, बल्कि संचालन की देखरेख करने वाले अधिकारियों के बीच विश्वास भी पैदा किया है। मंत्री ने कहा, 4 अप्रैल

को, 210 मेगावाट की क्षमता वाली तीन इकाइयों में से प्रत्येक ने सामूहिक रूप से 216 मेगावाट बिजली पैदा की, जो उनके बुनियादी ढांचे और परिचालन क्षमताओं की मजबूती का प्रदर्शन करती है। रायचूर थर्मल पावर स्टेशन (आरटीपीएस) ने बिजली उत्पादन में अपेक्षाओं को पार कर लिया है, इसकी इकाइयों ने 4 अप्रैल को सामूहिक रूप से उल्लेखनीय अधिशेष उत्पादन किया है। विभिन्न तकनीकी चुनौतियों के बावजूद, बिजली उत्पादन सुविधा लचीलेपन और परिचालन दक्षता का प्रदर्शन करते हुए प्रत्याशित उत्पादन स्तर को पार करने में कामयाब रही। आरटीपीएस की सफलता की कुंजी कोयले की प्रचुर उपलब्धता है, जो निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कई खदानों से प्राप्त किया जाता है। जॉर्ज ने कहा कि महाराष्ट्र और सिंगरेनी कोयला खदानों सहित तीन अलग-अलग खदानों से कोयले की रेक आरटीपीएस में ईंधन स्टॉक बनाए रखने में सहायक रही हैं। रायचूर जिले के यरमरस गांव में स्थित कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांट, यरमरस थर्मल पावर स्टेशन ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 6,229.240 एमयू उत्पादन किया है। यह अपनी स्थापना के बाद से अधिकतम पीढ़ी है। बेल्लारी के कुदातिनी गांव में स्थित बेल्लारी थर्मल पावर स्टेशन (बीटीपीएस) ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 8,208.476 एमयू का उत्पादन किया, जो इसके चालू होने के बाद से हासिल किया गया उच्चतम रिकॉर्ड है। इस बीच, अपर्याप्त जल आपूर्ति के कारण बिजली उत्पादन में होने वाली बाधाओं से सुरक्षा के लिए, गुरजापुर बैराज में जल भंडार संग्रहीत किया गया है। उन्होंने कहा, चूंकि संयंत्र अपेक्षाओं से अधिक अपनी क्षमता प्रदर्शित करना जारी रखते हैं, हितधारक विश्वसनीय और टिकाऊ बिजली उत्पादन के प्रति आश्वस्त रह सकते हैं, जो क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि और विकास में सकारात्मक योगदान देगा।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में पार्टी का 44वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारतीय जनता पार्टी के 44वें स्थापना दिवस के तहत भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में ध्वज-ारोहण किया। इस अवसर पर लोकसभा चुनाव प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल, प्रदेश संगठन महासचिव राजेश जीवी, विधान परिषद सदस्य चलवाडी नारायणस्वामी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। बाद में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर दिया गया भाषण भी देखा और सुना गया। इससे पहले विजयेंद्र ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस 40 सीटें भी पार नहीं कर पाएगी। पत्रकारों से बात करते हुए, विजयेंद्र ने कहा मैं आपको लिखित रूप में दूंगा। राज्य में अतिशयोक्ति कर रहे कांग्रेस नेताओं को याद रखना चाहिए कि कांग्रेस लोकसभा चुनाव में 40 सीटों को पार नहीं करेगी, क्योंकि कांग्रेस इतनी दयनीय स्थिति में है। इस समय, केंद्र सरकार के खिलाफ कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का बयान उनके लिए कोई गरिमा नहीं लाता है। विजयेंद्र ने आगे कहा कि राज्य में मतदाता झूठे वादों के प्रलोभन में नहीं आएंगे। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक और कार्यकाल देने के बारे में उनके पास स्पष्टता है। मैं सीएम सिद्धरामैया से पूछना चाहता हूं कि कांग्रेस में प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार कौन है? उन्होंने कहा क्या आप भारत में एक भी ऐसा चेहरा दिखा सकते हैं जो उम्मीदवारी के मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बराबरी कर सके? कांग्रेस केंद्र में सरकार बनाने का दिवास्वप्न देख रही है।

कांग्रेस का आधिकारिक अभियान शुरू

बीजेपी झूठ पर प्रचार करती है तो कांग्रेस सच बोलकर लोगों का दिल जीतने की कर रही कोशिश: सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस पार्टी ने शनिवार से आधिकारिक तौर पर प्रचार अभियान शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार ने कोलार जिले के मुलबागिलु तालुक के कुरुदुमले में स्थित गणेश मंदिर में विशेष पूजा करके प्रजाध्वनि यात्रा-2 का शुभारंभ किया। ऐसा माना जाता है कि अगर अभियान कुरुदुमाले मंदिर से शुरू होता है तो यह पार्टी के लिए अच्छा होगा। कांग्रेस पार्टी को शुरू से ही विश्वास था कि वह अधिक सीटें जीत सकती है। याद दिला दें कि पहले भी कई चुनावों में प्रचार की शुरुआत यहीं से हुई थी। पिछले विधानसभा चुनाव में यहां से प्रचार अभियान शुरू करने और 135 सीटें जीतने के बाद कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में भी ऐसी ही सफलता की उम्मीद है। प्रजाध्वनि यात्रा-2 का शुभारंभ 29 मार्च को होना था। लेकिन कोलार लोकसभा सीट पर टिकट बंटवारे को लेकर राजनीतिक गुटों के बीच खींचतान तेज हो गई। असंतुष्ट गुट कांग्रेस का अभियान न रोक दे इसलिए कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया। कांग्रेस नेताओं ने मंदिर में पूजा-अर्चना

के बाद खुली बैठक में हिस्सा लिया। उन्होंने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा द्वारा लोगों का ध्यान भटका कर राजनीतिक लाभ उठाया जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, जो केपीसीसी के अध्यक्ष भी हैं, ने विश्वास व्यक्त किया कि पंचखत्री परियोजनाएं और कांग्रेस कार्यक्रम हमारी पार्टी के लिए अधिक सीटें जीतेंगे। कोलार जिले में कांग्रेस की प्रजाध्वनि यात्रा - 2 के उद्घाटन के दौरान, जिले की गुटीय राजनीति साफ तौर पर देखा गया। पार्टी के नेता चाहे कुछ भी कहें, लेकिन मंत्री केएच मुनियप्पा और पूर्व मंत्री रमेश कुमार गुट के बीच स्पष्ट सहमति बनती नहीं दिख रही थी। प्रजाध्वनि यात्रा-2 के लिए विशेष बस से पहुंचे कांग्रेस नेताओं का कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। जगह-जगह कार्यकर्ताओं ने झंडे लहराये और नारे लगाये।

कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का उत्साह देखने को मिला। कांग्रेस नेता शुरू होने वाले अभियान के पहले चरण में राज्य के सभी 14 निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा करेंगे जहां चुनाव होंगे। डीके शिवकुमार और सिद्धरामैया कुछ जगहों पर अलग-अलग दौरा करेंगे और कुछ जगहों पर संयुक्त अभियान में हिस्सा लेंगे। इस उद्देश्य के लिए अलग से विशेष बसों की व्यवस्था की गई है। चूंकि राज्य में कांग्रेस की सरकार है, इसलिए ज्यादा सीटें जीतना प्रतिष्ठा का सवाल है। कांग्रेस पार्टी ने पहले ही प्रचार शुरू कर दिया है और आधिकारिक प्रजाध्वनि यात्रा-2 के जरिए और शोर मचा रही है। इससे पहले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बेंगलूरु में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि कांग्रेस ने चार दिन पहले ही प्रचार अभियान शुरू कर दिया था। हम आज आधिकारिक तौर पर लॉन्च कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी झूठ पर प्रचार करती है तो कांग्रेस सच बोलकर लोगों का दिल जीतने की कोशिश कर रही है।

बेंगलूरु में 38 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ साल का सबसे गर्म दिन हुआ रिकॉर्ड

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु में शुक्रवार को साल का अब तक का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अधिकतम तापमान 38.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 14 प्रतिशत की सापेक्ष आर्द्रता के साथ, हवाई अड्डे पर न्यूनतम तापमान 22.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बेंगलूरु शहर और एचएएल हवाई अड्डे दोनों पर अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि बेंगलूरु शहर का न्यूनतम तापमान 18 प्रतिशत की सापेक्ष आर्द्रता के साथ 24 डिग्री सेल्सियस था, एचएएल हवाई अड्डे का पारा स्तर 24 प्रतिशत की सापेक्ष आर्द्रता के साथ 22.5 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। बेंगलूरु में अगले 36 घंटों में तापमान 38 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक बारिश की उम्मीद दूर-दूर तक नहीं है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 13 अप्रैल से बेंगलूरु में हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की है और महीने के अंत तक रहने की संभावना है। आईएमडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया उगादी के त्योहार के दिन से बारिश की उम्मीद की जा सकती है, त्योहारी सप्ताह के दूसरे भाग के दौरान अलग-अलग इलाकों में हल्की बारिश के कुछ दौर धीरे-धीरे मध्यम बारिश में बदल जाएंगे।

गाजियाबाद में पीएम मोदी के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

- अबकी बार 400 पार और जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा पूरा रूट
- पीएम ने खुले वाहन में सीएम योगी के साथ लोगों का किया अभिवादन

गाजियाबाद, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गाजियाबाद में रोड शो किया। आंबेडकर रोड पर मालीवाड़ा चौक से चौधरी मोड़ तक 1.4 किलोमीटर लंबे रूट पर हुए रोड शो में जबरदस्त भीड़ उमड़ी और पूरा रूट अबकी बार 400 पार व मोदी जी को जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा। प्रधानमंत्री ने खुले वाहन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ लोगों का अभिवादन किया। रोड शो में पहुंचे लोगों ने 36 स्थानों पर फूलों की वर्षा कर उनका स्वागत किया। पारंपरिक परिधानों में सजकर पहुंचीं महिलाएं खुशी में झूम उठीं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शाम 5:40 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे और रोड शो शुरू हुआ, उनकी एक झलक पाने के लिए लोग 36 डिग्री सेल्सियस तापमान के बावजूद दोपहर दो बजे से ही अंबेडकर रोड पर पहुंचने शुरू हो गए थे, ताकि वह सबसे आगे खड़े होकर प्रधानमंत्री का दीदार कर सकें। जैसे ही प्रधानमंत्री मालीवाड़ा चौक के पास खुली गाड़ी में सवार हुए तो पूरा क्षेत्र मोदी-मोदी, जय श्रीराम, अबकी बार 400 पार और मैं हूं मोदी का परिवार के नारों से गूंज उठा। लोगों में कई घंटे इंतजार की थकान मोदी की एक झलक पाते ही दूर हो गई और लोगों में जोश भर गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाथ में कमल के फूल का मॉडल लेकर लोगों का अभिवादन करने के साथ-साथ प्रत्याशी को जिताने की भी अपील की। प्रधानमंत्री के साथ गाजियाबाद लोकसभा सीट के प्रत्याशी अतुल गर्ग, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और स्थानीय सांसद वीके सिंह मौजूद रहे। प्रधानमंत्री के रोड शो के रूट पर राम मंदिर का भव्य मॉडल और राम व सीता के रूप में सजे दिल्ली के कलाकार मौजूद रहे। शाम करीब साढ़े छह बजे रोड शो का चौधरी मोड़ पर समापन हुआ। राम मंदिर के भव्य उद्घाटन के बाद यह पहला मौका था जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गाजियाबाद में आए थे। राम मंदिर का तोहफा मिलने से खुश महिलाएं अपने बच्चों के साथ उन्हें देखने रोड शो में पहुंची थीं। मालीवाड़ा चौक पर मोदी को देख करीब 60 साल की एक महिला भावुक होकर रोने लगी। बच्चे भी मोदी की एक झलक पाने के लिए अभिभावकों के साथ रोड शो में पहुंचे थे। अभिभावक अपने कंधों पर बैठाकर उन्हें कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे।

टक्कर के बाद वाहन में आग लगने से एसीपी और गनमैन जिंदा जले

लुधियाना, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। लुधियाना में समराला के गांव दयालपुरा के पास चंडीगढ़ रोड मैन हाईवे पर शुक्रवार देर रात करीब एक बजे स्कॉर्पियो गाड़ी की टक्कर में बेकाबू हुई फॉर्च्यूनर में आग लग गई। इसमें लुधियाना पूर्वी से एसीपी संदीप सिंह और उनके गनमैन प्रभजोत सिंह जिंदा ही जल गए। गाड़ी का ड्राइवर गंभीर रूप से जख्मी है जिसे निजी अस्पताल में दाखिल करवाया गया है।

सूचना मिलने के बाद समराला पुलिस के उच्च अधिकारी और थाना समराला के पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेजा। पुलिस स्कॉर्पियो कर चालक का भी पता लगाने में जुट गई है। लुधियाना के पूर्वी सबडिवीजन में तैनात एसीपी संदीप सिंह अपने सरकारी गनमैन प्रभजोत सिंह और ड्राइवर के साथ फॉर्च्यूनर कार में चंडीगढ़ जा रहे थे। जब उनकी गाड़ी समराला के गांव दयालपुरा के पास हाईवे पर पहुंची तो एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उनकी गाड़ी को ओवरटेक किया। इससे फॉर्च्यूनर बेकाबू हो गई और कार में आग लग गई। कार में सवार एसीपी और उनके गनमैन दरवाजा खोलने की कोशिश में जुटे रहे, मगर कार का दरवाजा नहीं खुला। जिस कारण दोनों ही जिंदा जल गए।

कानून के उल्लंघन पर खुद मुख्यमंत्री उतारू

एनआईए टीम पर हमला उचित : ममता

- लोगों ने वही किया, जो उन्हें करना चाहिए था

कोलकाता, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। बंगाल में ईडी के बाद एनआईए टीम पर हमले को लेकर राज्य की टीएमसी सरकार और सीएम ममता बनर्जी विपक्षियों के निशाने पर हैं। अपने ऊपर हो रहे हमलों को लेकर अब ममता बनर्जी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। दक्षिण दिनाजपुर में एक चुनावी सभा से इतर ममता बनर्जी ने एनआईए पर हमले की घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए पूछा कि उन्होंने (एनआईए) आधी रात में छापेमारी क्यों की? क्या उन्होंने पुलिस से इसकी इजाजत ली? स्थानीय लोगों ने वही किया, जो किसी अजनबी के उनकी जगह पर आने पर उन्हें करना चाहिए था। वे (एनआईए) चुनाव से ठीक पहले लोगों को गिरफ्तार क्यों कर रहे हैं?

ममता बनर्जी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा को क्या लगता है कि वे हर बूथ एजेंट को गिरफ्तार कर लेंगे? एनआईए को क्या अधिकार है? ये सब भाजपा के समर्थन के लिए हो रहा है। हम पूरी दुनिया को भाजपा की गंदी राजनीति के बारे में बताएंगे। ममता बनर्जी ने दावा किया कि साल 2022 में पटाखे फोड़ने के मामले में जांच के लिए एनआईए की टीम सुबह-सुबह पहुंच गई थी। भूपतिनगर की महिलाओं ने हमला नहीं किया था, बल्कि एनआईए की टीम द्वारा हमला किया गया था। अगर महिलाओं पर हमला होगा तो क्या वो चुप रहेंगी? ममता बनर्जी ने कहा कि वह सिर्फ

एनआईए के कुछ घरों में छापेमारी का विरोध कर रहीं थी।

ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार चुनाव जीतने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि चुनाव आयोग निष्पक्ष होकर काम करे और भाजपा द्वारा संचालित आयोग न बने। राज्य के पुलिस अधिकारियों के तबादले पर ममता बनर्जी ने सवाल उठाया कि ईडी, सीबीआई और आईटी विभाग के अधिकारियों के तबादले क्यों नहीं किए जा रहे हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि एनआईए, सीबीआई भाजपा के भाई हैं और ईडी और आयकर विभाग, भाजपा के फंडिंग बक्से हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि चुनाव में सभी को बराबर का मौका मिलना चाहिए।

टीएमसी नेता शशि पांजा ने कहा कि भाजपा के पास महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर कहने के लिए कुछ नहीं है। जिस इंसान के नौकरी नहीं है, वह कैसे अमृतकाल के बारे में सोच सकता है? भाजपा सिर्फ भविष्य की बात करती है। बंगाल में विश्वविद्यालयों को कथित गलत इस्तेमाल पर राज्यपाल द्वारा न्यायिक जांच के आदेश पर टीएमसी नेता ने कहा कि अभी देश में चुनाव आचार संहिता लागू है।

बंगाल में अपराधियों को सीएम और टीएमसी का संरक्षण

कोलकाता, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में ईडी के बाद अब एनआईए टीम पर भी हमले की घटना सामने आई है। जिसे लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। भाजपा नेता अमित मालवीय ने राज्य की टीएमसी सरकार पर अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया है। साथ ही राज्य में कानून व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े किए।

अमित मालवीय ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के कुशासन में अराजकता की स्थिति जारी है। ईडी पर हमले के बाद अब एक और केंद्रीय एजेंसी पर हमला हुआ है। एनआईए अधिकारियों की एक टीम पर पूर्वी मेदिनीपुर के भूपतिनगर में हमला हुआ। एनआईए टीम टीएमसी के दो नेताओं को गिरफ्तार करने पहुंची थी। 100-150 ग्रामीणों ने न सिर्फ एनआईए टीम को आरोपियों को गिरफ्तार करने से रोका, बल्कि एनआईए के वाहनों पर पथराव भी किया। यह स्थानीय पुलिस की मिलीभगत के संभव नहीं है। बंगाल के सभी अपराधियों शाहजहां शेख से लेकर अनुब्रत मंडल तक, सभी को टीएमसी का संरक्षण प्राप्त है।

बंगाल में भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने भी एनआई टीम पर हमले के लिए राज्य की टीएमसी सरकार को निशाने पर लिया। सिन्हा ने कहा कि इस हमले से साफ हो गया है कि राज्य में कानून व्यवस्था जैसी कोई स्थिति नहीं है। शासन के नाम पर ममता बनर्जी तानाशाही कर रही हैं, उन्होंने राज्य का भविष्य कट्टरपंथियों के हाथों में दे दिया है। हम मांग करते हैं कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। भाजपा नेता अर्जुन सिंह ने एनआईए टीम पर हमले को लेकर कहा कि राज्य पुलिस ये सब कर रही है। वे अपराधियों को इकट्ठा करते हैं और फिर उन्हें सुरक्षित रास्ते से निकाल लेते हैं।

एनआईए टीम पर बंगाल में हुए हमले पर भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि यह देखना दुखद है कि ममता बनर्जी की सरकार में टीएमसी आतंक, माफिया और भ्रष्ट हो गई है। टीएमसी सरकार में बंगाल में कानून व्यवस्था लगातार बिगड़ रही है। राज्य में डर का माहौल है कि केंद्रीय एजेंसियां भी सुरक्षित नहीं हैं। ऐसे में मां, माटी और मानुष कैसे सुरक्षित होंगे। आज हम संदेशखाली 2.0 के गवाह बने।

केजरीवाल की अर्जी पर नहीं बढ़ेंगे जेल में मुलाकात के फेरे

नई दिल्ली, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। अरविंद केजरीवाल की जेल में वकीलों से हफ्ते में पांच बार मुलाकात करने देने की मांग का विरोध करते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा कि सिर्फ इसलिए कि केजरीवाल जेल से सरकार चलाना चाहते हैं, उन्हें खास विशेषाधिकार नहीं दिए जा सकते।

ईडी की दलील सुनने के बाद अदालत ने केजरीवाल की अर्जी पर आदेश सुरक्षित रख लिया। केजरीवाल ने तर्क रखा कि चूंकि वह विभिन्न राज्यों में कई एफआईआर का सामना कर रहे हैं, बहुत सारे कानूनी काम होते हैं। इसलिए बैठकों की संख्या बढ़ाई जाए।

राउज एवेन्यू कोर्ट स्थित विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने दलीलों पर गौर करते हुए मामले में आदेश पारित करने की तारीख 9 अप्रैल तय की। ईडी के वकील जोहेब हुसैन ने कहा कि आवेदक सप्ताह में पांच बार कानूनी बैठक की मांग कर रहे हैं, जो स्पष्ट रूप से जेल मैनुअल के खिलाफ है।

मैनुअल के अनुसार सप्ताह में सिर्फ एक कानूनी मुलाकात की अनुमति है और विशेष परिस्थितियों में दो बार उन्हें मिलने दिया जा सकता है। वहीं आवेदक को पहले से ही दो मुलाकातें मिल रही हैं। अगर कोई जेल से सरकार चलाने का विकल्प चुनता है, तो उनके साथ असाधारण व्यवहार नहीं किया जा सकता है। एक अप्रैल को अदालत ने आबकारी नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री को 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेजा था। आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया था।

खुफिया एजेंसी में एसपी के 53 पद खाली

- सीबीआई को भी 54 एसपी की प्रतीक्षा

नई दिल्ली, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। देश की शीर्ष खुफिया एजेंसी इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) में काम करने के लिए युवा आईपीएस मन नहीं बना पा रहे हैं। नतीजतन आईपीएस अफसरों का तय कोटा भर नहीं पा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट बताती है कि इस वर्ष एक मार्च की स्थिति के अनुसार, खुफिया एजेंसी में आईपीएस एसपी के 83 पद स्वीकृत हैं, लेकिन इनमें से 53 पद रिक्त पड़े हैं। केंद्र सरकार द्वारा हर साल आईपीएस को प्रतिनियुक्ति पर भेजने के लिए राज्य एवं केंद्रशासित प्रदेशों से आग्रह किया जाता है, लेकिन युवा आईपीएस, आईबी में बतौर एसपी ज्वाइन करने के लिए राजी नहीं होते। यही हाल देश की शीर्ष केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई का है। यहां पर भी आईपीएस एसपी के लिए स्वीकृत 73 पदों में से 54 पद खाली पड़े हैं। आईपीएस के सभी रैंकों को मिलाकर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए 683 पद स्वीकृत किए गए हैं। वर्तमान में उक्त संख्या में से 239 पद खाली पड़े हैं।

आईबी में केवल आईपीएस एसपी के ही पद खाली नहीं पड़े हैं, बल्कि डीआईजी के पद भरने की स्थिति भी अच्छी नहीं है। खुफिया एजेंसी में आईपीएस डीआईजी के 63 पद स्वीकृत किए गए हैं। हैरानी की बात है कि इनमें से 29 पद खाली पड़े हैं।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए में भी आईपीएस एसपी के 36 पद स्वीकृत हैं, लेकिन इनमें से 13 पद खाली हैं। एनपीए में भी आईपीएस एसपी के करीब पचास फीसदी पद रिक्त हैं। 14 स्वीकृत पदों के मुकाबले एनपीए में आठ पद खाली हैं। बीपीआरएंडी में भी आईपीएस एसपी के चार पद रिक्त हैं, जबकि कुल पद 13 हैं।

बीएसएफ में डीआईजी स्तर पर आईपीएस के लिए स्वीकृत 26 पदों में से नौ पद खाली पड़े हैं। सीआईएसएफ में डीआईजी स्तर पर आईपीएस के लिए स्वीकृत 20 पदों में से 12 पद खाली पड़े हैं। आईटीबीपी में डीआईजी स्तर पर आईपीएस के लिए स्वीकृत 11 पदों में से सात पद खाली पड़े हैं। एसएसबी में डीआईजी स्तर पर आईपीएस के लिए स्वीकृत 24 पदों में से तीन पद खाली पड़े हैं।

सीआरपीएफ में डीआईजी स्तर पर आईपीएस के लिए स्वीकृत 38 पदों में से छह पद रिक्त हैं। सीबीआई में आईजी स्तर पर भी आईपीएस के लिए स्वीकृत सभी पद नहीं भरे जा सके हैं। 18 पदों में से चार पद खाली पड़े हैं। आईबी में आईजी स्तर पर आईपीएस के लिए स्वीकृत 37 पदों में से सात पद खाली पड़े हैं।

लंबे समय से विशेषकर आईपीएस डीआईजी और एसपी, केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर आने का मन नहीं बना पा रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय की एक कमेटी ने दो वर्ष पूर्व यह सुझाव दिया था कि डीआईजी के लिए पैनल प्रक्रिया को समाप्त कर दिया जाए। इसके पूरा होने में काफी समय लगता है। सरकार के इस कदम का मकसद, केंद्र में डीआईजी-रैंक के अधिकारियों की भारी कमी को दूर करना था। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने उक्त प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे दी थी। इसके बाद यह उम्मीद जगी थी कि आईपीएस डीआईजी-रैंक के अधिकारियों के लिए पैनल सिस्टम को खत्म करने से अब प्रतिनियुक्ति पर अधिक अफसर केंद्र में आ सकेंगे। पहले मनोनयन प्रक्रिया पूरी होने में करीब एक साल लगता था। इतना ही नहीं, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यह भी कहा था कि जो भी आईपीएस एसपी या डीआईजी, केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर नहीं आएंगे, उन्हें बाकी सेवा के दौरान केंद्रीय नियुक्ति से प्रतिबंधित किया जा सकता है। इससे पहले केंद्र ने अखिल भारतीय सेवा नियमों में संशोधन भी किया था। उसमें कहा गया था कि केंद्र सरकार, आईएएस व आईपीएस अधिकारी को राज्य की अनुमति या बिना अनुमति के भी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर बुला सकती है।

जानकारों का कहना है कि राज्य पुलिस से ज्यादातर आईपीएस बतौर डीआईजी या एसपी, केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर आने के लिए तैयार नहीं होते। इसकी एक बड़ी वजह यह रही है कि उन्हें यहां पर पोस्टिंग में च्वाइस नहीं मिलती। जब मन मुताबिक पोस्टिंग नहीं मिलती, तो वे क्यों आएंगे। युवा आईपीएस को जिले में पुलिस कप्तान बनने का क्रेज रहता है। ऐसे में वे प्रतिनियुक्ति से गुरेज करते हैं। आईबी और सीबीआई में भी इसी वजह से आईपीएस एसपी के ज्यादातर पद खाली पड़े रहते हैं। मौजूदा समय में स्टेट पुलिस में डीआईजी का ज्यादा रोल नहीं बचा है।

अब तो कई राज्यों में आईएएस के पदों पर भी आईपीएस लगाए जाने लगे हैं। पहले तो सबसे खराब स्थिति सीएपीएफ में रही है। यहां तो डीआईजी के अधिकांश पद रिक्त ही पड़े रहते थे। मजबूरन, आईपीएस डीआईजी के खाली पदों को कैडर अफसरों से भरा जाता था। सीएपीएफ में डीआईजी की सख्त पोस्टिंग होती है, इसलिए वे प्रतिनियुक्ति पर नहीं आते थे। सरकार की सख्ती के चलते अब इन बलों में डीआईजी के पद पर आईपीएस आने लगे हैं।

अपराधग्रस्त शहरों में दिल्ली, एनसीआर और हैदराबाद भी शामिल

नई दिल्ली, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला का कराकस दुनिया का सबसे अधिक अपराध ग्रस्त शहर है। भारतीय शहरों की रैंकिंग में नई दिल्ली में आपराधिक वारदातें सबसे अधिक पाई गईं। यह दावा है नुम्बेओ की नई अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग का। रैंकिंग के अनुसार, दुनिया का दूसरा सबसे अपराध ग्रस्त शहर दक्षिण अफ्रीका की राजधानी प्रिटोरिया है। रैंकिंग में अफ्रीका के चार और देश हैं, जिस वजह से दक्षिण अफ्रीका एकमात्र ऐसा देश बन गया, जिसके पांच शहर शीर्ष 20 में शामिल हैं। इसके अलावा, डरबन सूची में तीसरे स्थान पर है। जोहान्सबर्ग चौथे स्थान पर है। पोर्ट एलिजाबेथ आठवें तो केप टाउन 18वें स्थान पर रहा। विश्लेषकों के मुताबिक यह आंकड़ा दक्षिण अफ्रीका के पुलिस मंत्री भीकी सेले द्वारा समय-समय पर जारी किए जाने वाले अपराध आंकड़ों के अनुरूप है।

सूची में भारत के भी 11 शहर शामिल हैं। सूची में दिल्ली 70वें, नोएडा 87वें और गुड़गांव 95वें स्थान पर है। वहीं, बंगलूरू 102वें, इंदौर 136वें, कोलकाता 159वें, मुंबई 169वें, हैदराबाद 174वें, चंडीगढ़ 177वें और पुणे 184वें स्थान पर हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 के आखिरी तिमाही में 7700 हत्याएं हुईं हैं। रिपोर्ट में लिंग आधारित हिंसा का भी खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, 7340 हत्याओं में से 1116 हत्याएं तर्क, उकसावे और गलतफहमी के कारण हुईं हैं। वहीं, 431 हत्याएं मोब लिंचिंग (भीड़ की हिंसा) के कारण हुईं हैं। महिलाओं से जुड़े अपराधों पर विशेषज्ञों ने चिंता जाहिर की है। फिरौती के लिए अपहरण दक्षिण अफ्रीका में संगठित अपराध बन गया है। एसएपीएस (दक्षिण अफ्रीका पुलिस सेवा) अपहरण से जुड़े समूहों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने में जुटी है।

एक प्रमुख अपराध विज्ञानी प्रोफेसर खोलोफेलो रकुबू का कहना है कि दक्षिण अफ्रीका में हिंसा या हिंसक अपराध के उच्च स्तर की व्याख्या करने वाला कोई एक कारक नहीं है। दक्षिण अफ्रीका में हिंसक अपराध विभिन्न कारकों का परिणाम है। दक्षिण अफ्रीका में आग्नेयास्त्र से संबंधित अपराध लंबे समय से वहां व्याप्त हैं। आग्नेयास्त्रों की आसान उपलब्धता के कारण देश में हिंसक अपराध बढ़ रहा है।

उमेश पाल हत्याकांड

इस बार नहीं मार पाए तो मुंह मत दिखाना

प्रयागराज, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। माफिया अतीक अहमद के बेटे अली अहमद के खिलाफ उमेश पाल हत्याकांड मामले में पुलिस को अहम साक्ष्य मिले हैं। फिलहाल नैनी जेल में बंद अली अहमद को हत्याकांड की पूरी जानकारी थी। गुलाम हसन सहित अन्य शूटर उससे मिलने के लिए कई बार जेल में गए थे। दो बार प्लान फेल हो जाने पर अली काफी नाराज था।

उमेश पाल और उनके दो गनर की हत्या के मामले में दो दिन पहले आरोपी बनाए गए अतीक अहमद के बेटों उमर और अली के खिलाफ विवेचना में पुलिस को अहम साक्ष्य मिले हैं। पूर्व में जेल भेजे गए अभियुक्तों ने बयान में बताया है कि अतीक से फेसटाइम पर होने वाली हर मीटिंग के बाद एक-एक बात की जानकारी जेल जाकर अली को दी जाती थी। पूर्व में दो बार प्लानिंग फेल होने के चलते एक बार गुलाम समेत अन्य शूटरों को उसने यह कहते हुए उकसाया भी था कि इस बार उमेश पाल को नहीं मार पाए तो दोबारा मुंह मत दिखाना।

▪ माफिया अतीक के बेटे अली ने शूटरों से कहा था

हत्याकांड से पहले शूटर गुलाम, गुड्डू मुस्लिम व अरमान ने नैनी जेल में जाकर अली से पांच बार मुलाकात की थी। इस दौरान उनके साथ सदाकत भी था। सदाकत ने पूछताछ में पुलिस को जो बयान दिया है, उससे अली की संलिप्तता के पर्याप्त साक्ष्य मिलते हैं। उसने पुलिस को बताया कि शूटर गुलाम, गुड्डू मुस्लिम व अरमान, असद की मौजूदगी में फेसटाइम से अतीक से मीटिंग करते थे। ऐसी ही एक मीटिंग मुस्लिम हॉस्टल के कमरा नंबर 36 में भी हुई थी जिसमें वह शामिल था।

इस मीटिंग के बाद भी गुलाम व अन्य शूटर उसे लेकर नैनी जेल में अली से मिलने पहुंचे थे और उसे एक-एक बात की जानकारी दी थी। इसके अलावा शाइस्ता के चकिया कसारी मसारी स्थित कमरे में होने वाली मीटिंग के बाद भी गुलाम व अन्य नैनी जेल में अली से मिलने गए थे। हत्याकांड से पहले आखिरी बार जेल में हुई मुलाकात में अली ने गुलाम व अन्य को उकसाया भी था। उसने इस बार कोई चूक होने पर दोबारा शक्ल न दिखाने की बात कही थी।

इस बात को लेकर गुलाम बहुत आक्रोशित था और जेल से लौटते वक्त उसने यह भी कहा था कि इस बार किसी भी हालत में वह काम पूरा करके रहेगा।

उमर और अली ने जेल से अपने भाई असद व शूटरों को दिशा-निर्देश भी दिए थे। अभियुक्तों के बयान के साथ ही नैनी व लखनऊ जेल के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज, जेल मुलाकाती रजिस्टर में की गई प्रविष्टि आदि ऐसे ही साक्ष्य हैं। फिलहाल इस मामले में अगली कार्रवाई दोनों अभियुक्तों का बयान दर्ज किया जाना है।

विवेचक इस मामले में कोर्ट से अनुमति लेकर दोनों का बयान दर्ज करने नैनी व लखनऊ जेल में जाएंगे। माना जा रहा है कि बयान दर्ज किए जाने के बाद उनके खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया जा सकता है।

वायरल वीडियो से शिवपाल मुसीबत में

वोटरों को धमका रहे थे शिवपाल

लखनऊ, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। बदायूं लोकसभा सीट से सपा के उम्मीदवार शिवपाल सिंह यादव पेरशानी में पड़ सकते हैं। शिवपाल सिंह यादव का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें उन्हें यह कहते सुना जा सकता है, हम सबसे वोट मांगेंगे, वोट दोगे तो ठीक, नहीं तो बाद में हिसाब होगा।

सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव ने बयान को आधा-अधूरा बताया है। वायरल वीडियो में शिवपाल सिंह यादव के साथ उनकी पार्टी के सहसवान से सपा विधायक ब्रजेश यादव और शिवपाल के बेटे आदित्य यादव भी नजर आ रहे हैं। हालांकि वीडियो से यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि उन्होंने यह बयान कहां और कब दिया। शिवपाल यादव के साथ मंच पर नजर आ रहे ब्रजेश यादव ने कहा, वीडियो को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। यह वीडियो 15 मार्च का है

और यह तब का है जब शिवपाल यादव गुन्नौर की ओर जा रहे थे। उन्होंने यह बयान बदायूं के बिल्सी विधानसभा क्षेत्र में दिया था।

शिवपाल यादव ने कहा, देखिए वो जो वीडियो है, 20-25 सेकंड का दिखाया जा रहा है, जबकि उसमें आगे भी भाषण में कहा, पीछे भी भाषण में कहा वो कुछ दिखाया नहीं जा रहा है। उसमें मैंने जो बातें कही हैं, मैंने तो केवल ये कहा था कि सपा से चुनाव लड़कर जीते हैं विधायक बने, वो लोग दूसरे दल में जाकर वोट किया। उनके लिए हमने कहा था कि आगे आने वाले चुनाव में जनता उनसे हिसाब-किताब करेगी। इस पर भाजपा सांसद बृजलाल ने कहा, सपा का मूल चरित्र ही धमकाना और धौंसियाना है। शिवपाल यादव जी का बदायूं में वोट न देने पर हिसाब-किताब कर धमकाने की बात करना सपाई असलियत को उजागर करता है। उन्होंने वायरल वीडियो का हवाला देते हुए कहा कि इससे यह बात तो बिलकुल साफ है कि अपराधी, माफिया और दंगाई सपा के घर जमाई। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है कि समाजवादी नेता ऐसा बोल रहे हैं, इनकी हरकतों को जनता ने देखा और झेला है। उन्होंने कहा कि 2022 के विधानसभा चुनाव में हर जिले में इनका कम से कम एक उम्मीदवार अपराधी या इलाके का प्रसिद्ध गुंडा रहा है।

एक करोड़ के नकली स्टाम्प के साथ 84 साल का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

गोरखपुर, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। पुलिस ने नकली स्टाम्प बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 84 वर्षीय मोहम्मद कमरुद्दीन समेत सात शातिरों को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक करोड़ 52 हजार 30 रुपए के नकली स्टाम्प के अलावा छपाई मशीन, यूपी व बिहार के गैर-न्यायिक स्टाम्प, एक लैपटॉप, सौ पैकेट इंक, पेपर कटर मशीन और सादे कागज बरामद हुए हैं।

पुलिस के मुताबिक, कमरुद्दीन ही गिरोह का मास्टरमाइंड है और बीते 40 साल से इस धंधे में लिप्त है। इसमें उसका नाती साहेबजादे भी लिप्त है। बिहार के सिवान में फर्जी स्टाम्प छापकर गोरखपुर,

देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज के अलावा यूपी के दूसरे हिस्सों में बेचे जा रहे थे। गिरोह में ऐसे वेंडर शामिल पाए गए, जो ट्रेजरी की ओर से स्टाम्प बेचने के लिए अधिकृत हैं। आरोपियों को शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। आरोपियों में कुशीनगर के रामलखन जायसवाल, ऐश मोहम्मद, रविंद्र दीक्षित, देवरिया के संतोष गुप्ता और नंदू उर्फ भी नंदलाल शामिल हैं।

एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया, गोरखपुर कोर्ट में इस्तेमाल नकली स्टाम्प का मामला सामने आने के बाद केस दर्ज किया था। एसआईटी की तीन महीने की जांच के आधार पर ये गिरफ्तारियां हुई हैं। कुशीनगर के एक वेंडर की गिरफ्तारी के बाद सिवान के कमरुद्दीन का नाम सामने आया था। उसकी गिरफ्तारी से ही पूरा मामला खुला। कमरुद्दीन को बिहार पुलिस ने 1986 में जेल भी भिजवाया था, पर वह कोर्ट से बरी हो गया था। एसएसपी ने बताया, गिरोह में शामिल कई और लोगों के नाम भी सामने आए हैं, जिनकी तलाश की जा रही है।

पोस्टर ने बताया: बदायूं का यह गांव बिकाऊ है

पलायन के अलावा कोई विकल्प नहीं

बदायूं, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। बदायूं का गांव कपरोल बिकाऊ है। बदायूं जिले में रास्ता बंद होने पर गांव कपरोल के लोगों ने पूरे गांव में इस तरह के पोस्टर चस्पा कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब घर से बाहर आना-जाना ही मुश्किल है तो यहां से पलायन के अलावा और कोई विकल्प नहीं। कई बार अधिकारियों से मार्ग खुलवाने की मांग की, लेकिन गंगा एक्सप्रेस-वे का निर्माण करा रहे अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया। शासन में भी शिकायत की, लेकिन वहां से भी कोई राहत नहीं मिली।

कपरोल, ब्लॉक इस्लामनगर क्षेत्र की ग्राम पंचायत चंदोई का

मजरा है। ग्राम सचिवालय से लेकर अस्पताल आदि सभी संस्थाएं चंदौसी में हैं। चंदौसी आदि स्थानों को जाने के लिए चंदोई से ही बस की सुविधा मिलती है। कपरोल से चंदोई की दूरी एक किलोमीटर है। दोनों गांव के बीच से गंगा एक्सप्रेस-वे निकाला जा रहा है।

इन दिनों एक्सप्रेस-वे का तेजी से निर्माण चल रहा है। ऐसे में दोनों गांवों के बीच का रास्ता बंद हो गया है। इसकी वजह से कपरोल के लोगों को चंदोई जाने के लिए अब पहले नगला वराहा जाना होता है। वहां से सिठौली होते हुए चंदोई जाते हैं। यानी उन्हें एक किलोमीटर की दूरी की जगह करीब छह किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ रही है। पांच किलोमीटर के इस अतिरिक्त फेर ने ग्रामीणों को मुसीबत में डाल रखा है।

इसे लेकर ग्रामीणों ने कई बार गंगा एक्सप्रेस-वे के अधिकारियों से रास्ता दिलाने की मांग की, लेकिन उन्होंने अनसुना कर दिया। उसके बाद ग्रामीणों ने प्रधान अनुपमा सिंह के माध्यम से शासन से पत्राचार किया, पर वहां से भी कोई जवाब नहीं आया। मजबूरी ने ग्रामीणों ने गांव बिकाऊ है के पोस्टर चस्पा कर अपना विरोध जताया है।

प्रधान अनुपमा सिंह ने बताया कि रास्ता खुलवाने को लेकर कई बार प्रयास किया गया। स्थानीय स्तर पर अधिकारियों से बात की, राहत नहीं मिलने पर शासन स्तर पर पत्राचार किया, लेकिन आज तक कोई राहत नहीं मिल सकी। इसकी वजह से ग्रामीणों ने यह कदम उठाया है। एसडीएम बिसौली कल्पना जायसवाल ने कहा कि पोस्टर चस्पा होने की जानकारी नहीं है। ऐसा है तो इसे दिखवाएंगे। आखिर ग्रामीणों को क्या दिक्कत आ रही है, इसे लेकर उनसे वार्ता की जाएगी और समस्या का समाधान कराया जाएगा।

यूपी में चुनाव आयोग की सख्ती

प्रदेश में 113 करोड़ की शराब और नकदी जब्त, 3910 शस्त्र लाइसेंस किए गए निरस्त

लखनऊ, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में अवैध शराब और नकदी की जब्ती संबंधी आयोग के निर्देशों का कढ़ाई से पालन हो रहा है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि आबकारी, आयकर, पुलिस, नार्कोटिक्स विभाग और अन्य प्रवर्तन एजेंसियों ने 1 मार्च से 5 अप्रैल तक कुल 113.26 करोड़ रुपये कीमत की शराब, ड्रग, बहुमूल्य धातुएं, मुफ्त उपहार और नकदी जब्त की।

इसमें 20.87 करोड़ रुपये

नकद धनराशि, 28.92 करोड़ रुपये कीमत की 851755.96 लीटर शराब, 44.32 करोड़ रुपये कीमत की ड्रग्स, 17.78 करोड़ रुपये कीमत की बहुमूल्य धातुएं और 1.37 करोड़ रुपये कीमत की अन्य सामग्री जब्त की गई। 5 अप्रैल को हरदोई में 17.33 लाख रुपये मूल्य की 1400 ग्राम ड्रग पकड़ी गई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सघन जांच के लिए 513 अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट और 1843 चेक पोस्ट राज्य के भीतर संचालित हैं। 16 मार्च से 5 अप्रैल तक पुलिस विभाग ने अपराधिक व्यक्तियों के 478 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किए। 3910 लाइसेंसी शस्त्र निरस्त कर जमा कराए गए।

प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रदेश में आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद पुलिस, आयकर, आबकारी, नार्कोटिक्स एवं अन्य विभागों द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। 16 मार्च से अबतक अपराधिक व्यक्तियों के 478 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किए गए और 3910 लाइसेंसी शस्त्र निरस्त कर जमा कराए गए।

उन्होंने बताया कि 18,83,558 लोगों को पाबन्द करने के नोटिस भेजे गए हैं। इसमें से 11,59,360 लोगों को पाबन्द किया जा चुका है। पुलिस द्वारा 4206 बिना लाइसेंस के अवैध शस्त्र, 4467 कारतूस, 2066.5 किलोग्राम विस्फोटक व 227 बम बरामद कर सीज किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि सघन जांच के लिए 513 अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट और 1843 चेक पोस्ट राज्य के भीतर संचालित हैं।

बाराबंकी में बड़ा हादसा: एक ही परिवार के पांच लोग नदी में डूबे

दो के शव मिले, तीन अभी भी लापता, रेस्क्यू जारी

लखनऊ, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। बाराबंकी जिले के टिकैतनगर थाना क्षेत्र के चिर्रा गांव के पास शनिवार दोपहर सरयू नदी में एक युवक और चार बच्चों समेत पांच लोग डूब गए। डूबने वालों में दो सगे भाई हैं।

युवक इन बच्चों को बचाने में डूबा। कड़ी मशक्कत के बाद नदी से दो शव बरामद हुए हैं। गोताखोर तीन अन्य लोगों की तलाश नदी में कर रहे हैं। नदी के किनारे कई गांव की भीड़ इकट्ठा है और परिजनों में कोहराम मचा है।

पुलिस के अनुसार, टिकैतनगर थाना क्षेत्र के चिर्रा गांव निवासी मोहम्मद शकील के दो पुत्र अहमद रजा (15) और हमजा (12) के साथ परिवार के ही महमूद आलम का पुत्र शाफ अहमद और शाफ का मौसेरा भाई अयोध्या जिले के रुदौली थाना क्षेत्र के एथर गांव निवासी अयान (10) शनिवार की दोपहर गांव से करीब 300 मीटर दूर सरयू नदी किनारे पहुंचे थे। यहीं पर नदी से कुछ दूरी पर स्थित खेतों के पास महमूद आलम का छोटा भाई नूर आलम (26) थ्रेसर से गेहूं की मड़ाई कर रहा था।

भ्रष्टाचार के आरोप में अपनी सरकार में जेल गए कांग्रेस नेता: ब्रजेश पाठक

अमरोहा , 06 अप्रैल (एजेंसियां)। सपा सरकार में लोग खुद को असुरक्षित समझते थे। महिलाएं सुरक्षित नहीं थी। लेकिन, नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश की दशा और दिशा दोनों बदल चुकी है। कल्याणकारी योजनाओं से गरीबों का कल्याण हुआ है।

शनिवार को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक जोया रोड स्थित एक बैंक्वेट हॉल में बूथ सम्मेलन में शामिल हुए। दोपहर पौने एक बजे वह बूथ सम्मेलन में पहुंचे। यहां कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इस चुनाव में विपक्ष पूरी तरह लड़ाई से बाहर है।

पिछले लोकसभा चुनाव में अमरोहा से चुनाव जीतने वाले दानिश अली पूरे पांच साल गायब रहे। जनता भली भांति जानती है। उन्होंने कांग्रेस सियासी तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार में दिल्ली में कॉमनवेल्थ खेल हुए थे। जिसमें कांग्रेस के नेताओं और मंत्रियों ने भ्रष्टाचार किया।

टूजी स्पेक्ट्रम, कोयला घोटाला कांग्रेस की सरकार में ही हुआ। कांग्रेस ने भारत की छवि को पूरे विश्व में गिराने का काम किया। देश में गरीबी और अमीरी में खाई थी। गरीब और गरीब हुआ। 2014 में मोदी प्रधानमंत्री बने तो देश सशक्त बनने लगा।

सैकड़ों गरीब कल्याण योजनाएं शुरू हुईं तो लोगों का विकास हुआ। गरीबों को पक्का मकान मिला तो महिलाओं की इज्जत के लिए शौचालय बनाए गए। हर छोटे गांव मजरे में नल से जल पहुंचाया। पहले बड़े गांवों व शहरों को ही बिजली मिलती थी, लेकिन नरेंद्र मोदी ने सौभाग्य योजना से हर जगह बिजली पहुंचाई।

हार्ड कोर नक्सलियों से जुड़ा मामला बलिया में एनआईए की छापेमारी

बलिया, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। बलिया में नक्सल से जुड़े मुखौटा गैंग की तलाश में राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी (एनआईए) लखनऊ की टीम ने जिले के मनियर, रसड़ा, पकड़ी व खेजूरी थाना क्षेत्र के संभावित ठिकाने पर छापेमारी कर संदिग्ध लोगों से पूछताछ की। साथ ही नोटिस जारी किया। जानकारी के मुताबिक टीम दो दिन शुक्रवार से जिले में मौजूद रही।

पूर्वांचल के वाराणसी, प्रयागराज, देवरिया, चंदौली, आजमगढ़ और बलिया समेत कई जिलों में नक्सली नेटवर्क फैला हुआ है।

यूपी एटीएस ने बलिया में 16 अगस्त 2023 को हथियारों के साथ गोपनीय बैठक कर रहे पांच नक्सलियों तारा देवी, लल्लू राम, सत्य प्रकाश, राममूरत और विनोद साहनी को गिरफ्तार किया था। जांच में यह सभी हार्ड कोर के नक्सली निकले।

एटीएस की जांच में सामने आया था कि सीपीआई (माओवादी) नक्सली संगठन की केंद्रीय कमेटी के प्रमोद मिश्रा उर्फ बुढ़ऊ उर्फ बन बिहारी उर्फ डॉक्टर साहब ने पूर्वांचल में एडहॉक कमेटी बनाई थी।

संगठन के सचिव बलिया निवासी संतोष वर्मा उर्फ मंतोष के जरिये लगातार पूर्वांचल के कई जिलों में महिलाओं और पुरुषों की भर्ती की जा रही थी। सरकार विरोधी आंदोलन को चुनकर उसको सशस्त्र आंदोलन में बदलने की साजिश रची जा रही थी। एनआईए ने उक्त मुकदमें को टेकओवर कर अपने स्तर से जांच पड़ताल शुरू कर दी।

इस बाबत पुलिस विभाग के आला अधिकारी कुछ भी बताने से कतरा रहे हैं।

वहीं, जिन गांवों में टीम पहुंची वहां के ग्रामीणों ने बताया कि चार-पांच लोग आए थे, उन्होंने पूछताछ कर नोटिस देकर लखनऊ स्थित गोमती नगर थाने में बुलाया है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिंदी दैनिक समाचार पत्र

आंखों की रोशनी तेज करने में बढ़े काम आएंगे ये नुस्खे

आजकल लोग मोबाइल,कंप्यूटर का इस्तेमाल 7-8 घंटे लगातार करते हैं। इसस आंखों पर बहुत बुरा असर पड़ता है। जिससे चश्मे का नंबर भी बढ़ना शुरू हो जाता है। बिना चश्मे या लैंस के देखना मुश्किल होने लगता है। चश्मा पर्सनैलिटी को भी कम करता है। इससे छुटकारा पाने के लिए घरेलू उपायों को उआंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए घरेलू तरीके अपना कर चश्में से राहत पाई जा सकती है।

1. रोजाना सुबह आंखों को ठंड़े पानी से धोएं। ठंड़े पानी के छींटे मारने से आंखें सारा दिन फ्रैश रहती हैं।

2. आंखो की थकावट को दूर करने के लिए अपने हाथों की हथेलियों को आपस में रगड़ें। जब हथेली गर्म हो जाए तो इसे आंखों पर रखें।

3. आंवले के पानी से आंखे धोने से यह स्वस्थ रहती हैं। ज्यादा थकावट होने पर गुलाव जल भी आंखो में डाल सकते हैं।

4. रात को पानी में बादाम भिगो कर सुबह दूध के साथ खाने से आंखों की रोशनी बढ़ने लगती है।

5. गाय के देसी घी से कनपटी की मलिश करने से आंखो की रोशनी बढ़ने लगती है।

6. रोजाना खाली पेट तांबे के बर्तन में रखा पानी पिएं।

7. सौंफ,मिश्री और बादाम का मिश्रण रात को दूध के साथ पिएं। ध्यान रखें कि इसके बाद पानी नहीं पीना है।

8. आंवला सेहत और बालों के लिए बहुत अच्छा होता है। दिन में 2 बार आंवले का मुरेबा खाने से आंखों की रोशनी तेज होनी शुरू हो जाती है।

9. आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए अखरोट बहुत असरदार है। आंखों के आसपास अखरोट के तेल की मालिश करें। रोजाना इस उपाय के करने से चश्मा उतर जाएगा।

10.सुबह उठने के बाद बिना कुल्ला किए मुंह की पहली लार अपनी आंखों में काजल की तरह लगाएं। लगातार 4-6 महीने तक यह उपाय करने से आंखों की रोशनी तेज हो जाती है।

हेल्थ अलर्ट

शरीर की सभी नाड़ियों की सफाई करता है नाड़ीशोधन प्राणायाम

लाइफ गुरु डॉटर सुरक्षित गोस्वामी के अनुसार, नाड़ीशोधन प्राणायाम शरीर की सभी 72 हजार नाड़ियों में प्राण का संचार कराने में सहायक है, जो नर्वस सिस्टम को ताकत देकर उसकी कमजोरी से होने वाले रोगों में लाभ पहुंचाता है।

लाइफ गुरु आगे कहते हैं, नाड़ीशोधन प्राणायाम से हृदय, फेफड़ें व मस्तिष्क के स्नायु को बल मिलता है, जिससे वो स्वस्थ बने रहते हैं। साथ ही यह मन को शांत और एकाग्र करने वाला है। इसके अेयास से तनाव, क्रोध, चिंता, चिड़चिड़ापन, बेचैनी, हाई लड प्रेशर, माइग्रेन, नींद न आना, अंगों में केपन, मल्टिपल सिरॉसिस आदि मन-मस्तिष्क के विकारों में लाभ पहुंचता है। यह हमारे भीतर शान्ति व धैर्य को बढ़ाकर संकल्प शक्ति, निर्णय शक्ति, और संतुलन शक्ति का विकास करता है।

विधि

नाड़ीशोधन प्राणायाम के लिए सुखासन या पद्मासन में कमर, गर्दन सीधी करके आराम से बैठ जाएं, आंखें बंदकर लें। सीधे हाथ की प्राणायाम मुद्रा बनाए। प्राणायाम मुद्रा के लिए तर्जनी और मध्यमा अंगुलियों को माथे पर रख लें और अंगूठे से दाएं नासारंध्र (नास्ट्रिल) को बंद करें, अब बाएं नासारंध्र से धीरे-धीरे पूरा सांस बाहर निकाल दें, फिर बाएं नासारंध्र से ही धीरे-धीरे अधिक से अधिक सांस भरें व तीनों बन्धों का प्रयोग करते हुए यथाशक्ति सांस को रोक लें। फिर सांस निकालने लिए बाएं नासिका रंध्र को बंद कर, दाए नासिका रंध्र से सांस को धीरे-धीरे बाहर निकाल दें । अब दाएं नासिकारंध्र से ही धीरे-धीरे सांस भरें, यथाशक्ति बंधों के माध्यम से सांस रोकें व बाएं नासिकारंध्र से निकाल दें। यह एक चक्र नाड़ीशोधन प्राणायाम कहलाता है। इस प्रकार कम से कम 11 चक्र या यथाशक्ति इसका अेयास कर लें । अंत में बाई नासिका से सांस बाहर निकालकर हाथ नीचे लाएं व शांत भाव से बैठे रहें।

सावधानी

सांस इतना धीमी गति से भरें और निकालें कि यदि नाक के पास रुई रखी हो तो वह भी न हिले।

ऐसा करने पर परिवार में कलह नहीं प्यार बढ़ेगा

आपाधापी भरी जिंदगी में सबके पास अपने तनाव हैं। यह बात परिवार में भी लागू होती है। हमारा लाइफस्टाइल ही ऐसा हो गया है कि किसी की भावनाएं समझने के लिए हम वक्त नहीं दे पाते। बातें स्ट्रेटफॉरवर्ड होती हैं। ऐसा करते वक्त हम यह भी भूल जाते हैं कि जाने-अनजाने हम अपने ही लोगों को आहत कर रहे हैं। जिसका परिणाम पारिवारिक कलह के रूप में सामने आता है। इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखेंगे तो कलह परिवार से कोसों दूर रहेगी...

छोटे-छोटे त्याग

त्याग बहुत बड़ा और गहरा शेद है, लेकिन परिवार के सदस्यों के साथ छोटी-छोटी को लेकर किया गया अजस्टमेंट हमारे जीवन में बड़े सुख का कारक बन सकता है।

अपनी बात थोपने से बचें

जब हम परिवार के बड़े होते हैं तो हमें अेसर लगता है कि हम जो कह रहे हैं, वही सही है। या जो निर्णय हम परिवार या परिवार के किसी सदस्य को लेकर कर रहे हैं, उससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। दरअसल यह सोच सही नहीं है। जब हम ऐसा व्यवहार करने लगते हैं, तो हमारे अपने लोग हमसे दूसर होने लगते हैं। रिश्तों में दूरियां न आएं, इसके लिए जरूरी है कि परिवार से संबंधित कोई भी डिसिजन लेने से पहले फैमिली के छोटे-बड़े सभी मेंबर्स बैठकर सलाह करें।

इतनी जिद अच्छी नहीं

जब हम परिवार में छोटे होते हैं तो आमतौर पर हमें कई बातों में प्रिवलेज मिलती है। हमारी छोटी-सी जिद और जरूरत को पूरा करने में हमारी फैमिली जुट जाती है। लेकिन उनके प्यार का यह मतलब नहीं कि हम इसका गलत फायदा उठाने लगें। मसलन, अगर परिवार के सदस्य आपकी किसी डिमांड से सहमत नहीं हैं, तो जिद पर अड़ने के बजाय उनकी ना की वजह समझने की कोशिश करें। आखिर परिवार में हमसे बड़े लोगों का जिंदगी से जुड़ा तजुर्बा हमसे कहीं अधिक है।

अधिकार ही नहीं जिम्मेदारी भी जानें

खासतौर पर पारिवारिक रिश्तों में यंग जनरेशन का यह रवैया हो गया है कि वह केवल अपने अधिकारों की बात करने लगे हैं। जबकि ऐसा करते वक्त हम भूल जाते हैं कि अधिकारों की मांग वही उठा सकता है, जिसने अपनी जिम्मेदारियां निभाई हों। इसलिए अधिकार और जिम्मेदारी दोनों को समझें। यह परिवार के साथ तालमेल बैठाने में मददगार रहेगा।

युवा जगत

वॉर्डरोब कलैक्शन खोलती हैं आपके बारे में कई राज

हर किसी को कोई न कोई कलर बेहद पसंद होता है। अपनी पसंद के कलर के हिसाब से ही लोग अपनी वॉडरोब में कपड़े, फुटवियर या फिर बैंग्स की कलैक्शन रखते हैं। आपके पसंदीदा कलर भी आपकी पर्सनैलिटी के बारे में बहुत कुछ बताता है। आज हम आपको बताते हैं कि आपके मनपसंद कलर के पीछे का राज।

1. लाल

लाल रंग पसंद करने वालों को दूसरों के साथ बातचीत करना बहुत पसंद होता है। अगर आपका फेवरेट कलर भी रेड हैं तो आप हमेशा अपनी लाइफ को दिलचस्प बनाने की कोशिश करते है।

2. हरा

अगर आपको हरा रंग पसंद है तो आप सिर्फ एक चीज चाहते हैं कि कि लोग आपके शुक्रगुज़ार हों। इन लोगों को प्यार देना और पाना पसंद होता है।

3. पीला

जिन लोगों को पीला रंग पसंद होता हैं वह हमेशा अपने आसपास की चीजों को परफैट रखना पसंद करते हैं। फैशन के मामले में उनका ड्रैसिंग स्टाइल सिंपल होता है।

4. नीला

अगर आपको नीला रंग पसंद है तो आप अपनी जिंदगी अपने सेत उसूलों के हिसाब से जीते है। ऐसे लोग बिना मेहनत किए लोगों को खुश करना जानते है।

5. ब्लैक

लड़कियों को लैक कलर बहुत पसंद होता हैं। इन लोगों को अकेला रहना और अंधेरा पसंद होता है। जिन लोगों को लैक कलर पसंद होता है वो अपनी भावनाओं को दूसरों के सामने प्रकट नहीं करते।

6. व्हाइट

अगर आपको व्हाइट कलर पसंद हैं तो इसका मतलब आप खुद को लड़ाई-झगड़े और टकराव से दूर रखना चाहती है। ऐसे लोग किसी के प्रति अधिक देर तक नाराजगी नहीं रखते।

ये 6 तरह के अचार, खाने के टेस्ट को कर देंगे दोगुना

खाने के साथ अगर अचार मिल जाए, तो इसका स्वाद दोगुना हो जाता है. भारत में शादी हो, पार्टी हो या अन्य कोई आयोजन, जब तक खाने के साथ अचार न दिया जाए, यहां के लोगों को मजा ही नहीं आता. यहां पर कोई भी खाना अचार के बिना पूरा नहीं होता. भारत अत्यधिक विविधता का देश है और यहां असेंय जायकों के दावे किए जाते हैं. आइए आपको बताते हैं कुछ ऐसे अचारों के बारे में जो भारत में काफी पसंद किए जाते हैं.

कमलककड़ी का आचार : यह अचार सरसों के तेल और मसालों के साथ कमल के पके हुए दानों से बनता है. यह सिंधी और पंजाबी परिवरों में काफी पसंद किया जाता है. इसे आप पराठे के साथ भी खा सकते हैं.

बैंगन का अचार : आपने बैंगन का भरता तो जरूर खाया होगा, पर`या कभी आपने सोचा है कि बैंगन का अचार कैसा होता होगा. यह मसालेदार और टेंगी अचार मिर्च, लहसुन, अदरक, सिरके और बैंगन के मिश्रण से तैयार किया जाता है.

मिस्ती कुलर अचार : अगर आप बंगाली हैं तो इस अचार के बारे में आपने जरूर सुना होगा. मिस्त्री कुलर अचार को तोपा बेरी से तैयार किया जाता है और इसे अे?सर सर्दियों में खाया जाता है.

मुर्घ अचार : अगर आपको चिकन से बहुत प्यार है तो यह अचार आपके लिए ही बना है. इसमें रसदार चिकन में मसाले, जड़ी बूटी और अदरक और लहसुन का पेस्ट मिलाया जाता है.

करेले का अचार : आपको लग रहा होगा करेले का अचार बहुत कड़वा होता होगा. लेकिन यह अचार आपको कड़वा नहीं लगेगा. इसका हल्का स्मोकी स्वाद काफी अनूठा होता है. सरसों के बीज, करी पौ और मिर्च के साथ पकाया गया यह अचार किसी भी डिश के साथ खाया जा सकता है.

ड्रमस्टिक अचार : यह दो महीने तक चलने वाला सुपर टेंगी अचार है. यह बीज रहित ड्रमस्टिक के साथ बहुत आसानी से तैयार किया जा सकता है.

उसकी खुशी के लिए खुद से करें यह वादा

पति-पत्नी के रिश्तों में तालमेल बहुत जरूरी है। यह एक ऐसा रिश्ता है जिसमें नोकझोंक होना आम बात है। ध्यान रखें, यह नोकझोंक बड़े विवाद का रूप न ले। यहां जानिए, कुछ ऐसी जरूरी बातें जिनसे पति-पत्नी के बीच प्रेम और शांति बनी रहती है...

प्यार से जताएं असहमति

शादीशुदा जिंदगी में तर्क-वितर्क होना आम बात है। ऐसे में अगर आप अपने पार्टनर की किसी बात से सहमत नहीं हैं तो नाराज होने के बजाय प्यार से असहमति जता दें। पति-पत्नी द्वारा किसी एक विषय पर अलग-अलग तर्क या नजरिया रखना अपराध नहीं है। ऐसे साथी की बात ध्यान से सुने और प्यार से उस मुद्दे पर अपनी असहमति जता दें। ऐसा करते वक्त सहजता बनाए रखें।

गुस्से पर रखें कंट्रोल

हमने अेसर अपने घरों में देखा है, मेमी-पापा या दादी-दादाजी के बीच कभी किसी बात पर छोटी-मोटी बहस होती है, तो दोनों में से कोई एक शांत हो जाता है। दरअसल यही सुखद वैवाहिक जीवन का राज है। हम सभी इंसान हैं और सभी का गुस्सा कभी न कभी आउट ऑफ कंट्रोल हो जाता है। ऐसे में साथी से उलझने से बेहतर है कि आप चुप रहें और जब पार्टनर का गुस्सा शांत हो जाए, तब उससे बात करें।

यह वादा करें खुद से

आप दोनों अपने आप से और एक-दूसरे से यह वादा कीजिए कि बेडरूम में जाने से पहले किसी भी तरह का मनमुटाव आप सुलझा लेगें। बेड पर किसी तरह की नाराजगी लेकर नहीं जाएंगे। इससे आपके रिश्ते में हमेशा मिठास बनी रहेगी।

एक ही बात न करें बार-बार

गलतियां सभी से होती हैं। अगर आपके पार्टनर से पूर्व में किसी तरह की कोई भी गलती हो गई है, तो उसे भुलाकर आगे बढ़ें। बात-बात पर या हर बार मूड खराब होने पर उसे उस पुरानी गलती को लेकर कमेंट न करें। इससे रिश्तों में ताजगी नहीं रह पाती।

बेडरूम में हो सिर्फ अपनी बात

घर के झगड़े, ऑफिस की टेंशन और बच्चों की फिक्र ऐसी किसी भी बात को बेडरूप में बाहर ही रखें। एक बार बिस्तर पर पहुंचने के बाद आप दोनों केवल अपनी बातें करें। एक दूसरे को कॉमप्लिमेंट दें। इस खास वक्त में किसी और की बात भूलकर भी न छेड़ें।

वास्तु के हिसाब से सजाएं बच्चों का कमरा

बच्चों का कमरा सजाना कोई आसान काम नहीं है। इसमें भी बहुत-सी बातों को ध्यान में रख कर चलना पड़ता है। जैसे कि बैड कहां लगाएं, स्टडी टैबल कहां लगाएं और भी बहुत कुछ। अगर आप भी अपने बच्चों का कमरा सजाने जा रहे हैं और आप कन्फयूजन में हैं कि कौन-सी चीज कहां रखें तो इस काम में हम आपकी मदद कर सकते हैं। जी हां, बिल्कुल आज हम आपको कुछ ऐसे वास्तु टिप्स बताएंगे जिन्हें फॉलो करके आप अपन बच्चों का कमरा बड़ी आसानी से सजा सकते हैं।

1. बैडरूम : कमरे में बच्चों का बैड ऊेर-पूर्व दिशा की ओर रखें। ऊेर-पूर्व दिशा का संबंध बल, बुद्धि और शौर्य से होता है। इस दिशा में बैड रखने से बच्चों का मन पढ़ाई में लगा रहता है।

2. स्टडी टेबल : बच्चों के कमरे में स्टडी टेबल ऐसी जगह रखें, जहां बच्चों का मुंह ऊेर या पूर्व दिशा की तरफ हो। इस दिशा में बैठने से बच्चे अपना लक्ष्य जल्दी प्राप्त करते हैं।

3. फोटो फ्रेम : बच्चों के कमरे में फोटोफ्रेम पश्चिम दिशा की ओर लगाएं। इस दिशा में बच्चों की तस्वीर लगाना अति ऊेम माना जाता है।

4. ग्लोब : अपने बच्चों को पढ़ाई में होशियार बनाने के लिए घर की ऊेर-पूर्व दिशा में ग्लोब रखें। इस दिशा में पृथ्वी की प्रतिमा रखने से शिक्षा एवं ज्ञान का संचार होता है।

5. एज्युकेशन टावर : वास्तु के अनुसार एज्युकेशन टावर घर में रखने से बच्चे मन लगाकर प?ाई करते हैं और अच्छे नंबर से पास होते हैं।

रेसिपी

मसाला मशरूम

सामग्री

1 कटा टमाटर, 1 कटी प्याज,1 टुकड़ा दालचीनी, 2 छोटे चम्मच अदरक लहसुन का पेस्ट, 6-7 लौंग,6-7 छोटी इलायची, 2 छोटे चम्मच तेल,1 छोटा चम्मच पिसी लाल मिर्च, नमक स्वादानुसार, 250 ग्राम कटा मशरूम, 1 कटोरी हरा धनिया।

विधि

इस को बनाने के लिए सबसे पहले मिक्सर में टमाटर, प्याज, दालचीनी और अदरक-लहसुन का पेस्ट, लौंग, इलायची और थोड़ा पानी डालकर पीस लें। अब एक पैन में तेल गर्म होने के बाद इस पेस्ट को डालकर कुछ देर भूनें फिर उसमें पिसी लाल मिर्च और नमक मिलाएं। सब चीजों को अच्छी तरह से मिला लेने के बाद उसमें मशरूम डालें। फिर से सब सामग्रियों के साथ मशरूम को मिलायें और अब 5—7 मिनट तक ढक कर पकाएं। अब उसको सर्विंग बाउल में ढालकर धनिया पत्ता से गार्निश करें और गरमागरम सर्व करें।

चॉकलेट लावा केक

सामग्री

200 ग्राम चॉकलेट
110 ग्राम मक्खन
3 अंड़े
60 ग्राम चीनी
1 टीस्पून वैनिला एक्सट्रेक्ट
30 ग्राम मैदा

विधि

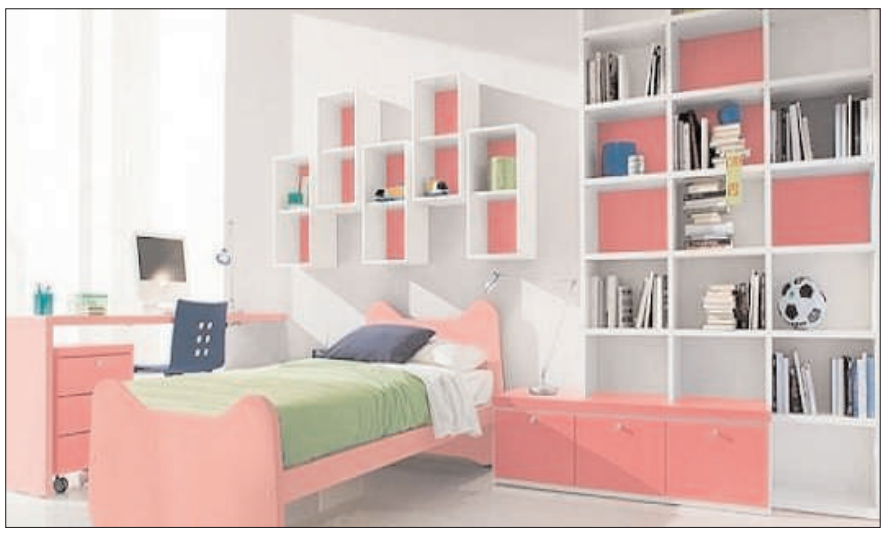

एक पैन लेकर उसमें पानी डाल दें और इसमें चॉकलेट डालकर गर्म करें। इसमें मक्खन डालकर अच्छे से मिलाएं ताकि यह पिघल जाए। एक अलग बाऊल लेकर उसमें 2 अंड़े और1अंड़े का पीला भाग मिलाकर फैट लें। इसमें अब वनीला एसैंस और चीनी डालकर मिक्स कर लें। इसमें मैदा डालकर मिला लें। इसके बाद इसमें पिघली हुई चॉकलेट और मक्खन का मिक्सचर डालकर मिला लें। ध्यान रखें इसमें गांठ न पड़े। अब कप केक के पेपर सांचों पर मक्खन लगाएं ताकि केक इस पर चिपके न और इस पर थोड़ा मैदा छिड़क दें। इसमें अब केक का मिक्सचर डाल दें। ओवन को 350एस्र/180एष्ट पर प्री हीट करें और इसमें 5-10 मिनट के लिए कप केक को रखें। बेकिंग के बाद केक को सांचे से निकाल कर प्लेट में रखें और इसे चॉकलेट सिरप से गार्निश करें। वनिला आइसक्रीम के साथ इसे सर्व करें।

दिमाग की बत्ती

मिर्च तीखी होती है, क्यों?

हरे रंग की मिर्चों में कैप्सिसीन नाम का एक तीक्ष्ण रसायन होता है, जिसकी मात्रा मिर्चों की विभिन्न किस्मों में कम या ज्यादा होती है। यही कैप्सिसीन त्वचा, नाक और आंख के संपर्क में आने पर हल्की सूजन के साथ तेज जलन पैदा करता है। इसलिए इसका उपयोग आजकल कई दर्द निवारक दवाओं में किया जाता है। खून को तरल रखने में भी कैप्सिसीन मदद करता है।

क्या आप जानते हैं?

- पैंग्विन एकमात्र ऐसा पक्षी है, जो तैर सकता है, पर उड़ नहीं सकता।
- चींटियां जब सुबह सोकर उठती हैं, तो वे अंगड़ाई लेती हैं।
- दो घंटे की उड़ान के बाद 20 फीसदी विमान यात्रियों को जुकाम की शिकायत हो जाती है।
- जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती है, आपकी आंखों का रंग हल्का होता जाता है।
- सोते वक्त दिमाग टीवी देखने की तुलना में ज्यादा सक्रिय होता है।
- कैचप को 1830 के दौरान दवा के रूप में बेचा जाता था।
- अमेरिका का पहला स्टॉक एक्सचेंज सन् 1791 में फिल्डेल्फिया में स्थापित हुआ था।

आओ खेलें शतरंज

शतरंज यानी चैस। राजा-महाराजाओं का खेल। एक ऐसा शाही खेल, जिसमें बिसात पर पूरा जंग का मैदान तैयार किया जाता है और शुरू होती हैं कूटनीतिक चालें। क्या है यह खेल और कहां व कबसे शुरू हुआ, आइए जानें...

खेलों की दुनिया में जब शतरंज या चैस का नाम आता है, तो हो सकता है कुछ बच्चों को यह खेल अच्छा न लगता हो। शायद वह समझते हों कि बस कूदने-फांदने वाले खेल ही खेल होते हैं। मगर ऐसा नहीं है। सदियों से लोगों का मनोरंजन करने वाला यह खेल अगर समझ में आ जाए, तो बहुत मनोरंजक, मजेदार और अच्छा लगने लगता है। आइए आज इस खेल के बारे में थोड़ा विस्तार से जानतें हैं-

इस खेल को शाही खेल के नाम से जाना जाता है। दरअसल पुराने जमाने में राजा लोग इस खेल को ख़ूब पसंद करते थे। आपने टीवी पर आने वाले ऐतिहासिक व मिथिहासिक धारावाहिकों में राजामहाराजाओं को यह खेल खेलते जरूर देखा होगा। यह खेल मनोरंजक होने के साथसाथ सोचने, रणनीति बनाने में भी कुशलता बनाता है और बुद्धि को विकसित करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। यानी यह केवल मनोरंजन के लिए ही नहीं, यह जीवन की कई सच्चाइयों की भी सीख देता है। बाहर से देखने पर भले ही यह लगे कि दो लोग इस खेल को बड़े आराम से खेल रहे हैं, मगर उनका दिमाग़ तेज़ी से चल रहा होता है। आप जानते ही होंगे कि विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद दुनिया के शतरंज के खिलाड़ियों में शुमार है।

क्या है खेल

शतरंज (चैस) दो खिलाड़ियों के बीच खेला जाने वाला एक बौद्धिक एवं मनोरंजक खेल है। इसकी चोपाट पर कुल 64 खाने होते है, जिसमें 32 चौरस काले या अन्य रंग ओर 32 चौरस सफेद या अन्य रंग के होते है। खेलने वाले दोनों खिलाड़ी भी सामान्यत: काला और सफेद कहलाते हैं। प्रत्येक खिलाड़ी के पास एक राजा, वजीर, दो ऊंट, दो घोडे, दो हाथी और आठ सैनिक होते हैं। बीच में राजा व वजीर रहता है। बाजु में ऊंट, उसके बाजु में घोड़े ओर अंतिम कतार में दोदो हाथी रहते है। उनकी अगली रेखा में आठ पैदल या सैनिक रहते हैं।

कब शुरू हुआ

यह खेल कब शुरू हुआ, इस संबंध में पक्की तरह कुछ नहीं कहा जा सकता। हां, कुछ प्रमाणों के आधार पर इस खेल को पांच हजार साल पुराना खेल माना जाता है। अब तक के मिलते इतिहास में जगह-जगह इस खेल का जिक्र आता है। यह भी कहा जाता है कि दुनिया से इससे पुराना कोई खेल नहीं है।

कहां से शुरू

सवाल यह उठता है कि इसका विकास किसने किया होगा? शतरंज फारसी के शब्द 'शाह' से बना है, जिसका अर्थ राजा है। हम यह भी जानते हैं कि चैकमेट फारसी के शह-मात से बना है, जिसके मायने हैं- राजा मर गया। लेकिन क्या पारसियों ने इसका विकास किया? जैसा कि कुछ लोग कहते हैं। नहीं, यकीन से कुछ भी नहीं कहा जा सकता। दरअसल, अलग-अलग समय पर इसके लिए अलग-अलग लोगों को जिम्मेदार माना गया- यूनानी, रोमन, बेबीलोनियन, मिस्री, पारसी, हिंदू, अरबी वगैरह-वगैरह। एक थ्योरी यह है कि इसे भारत में बौद्धों ने विकसित किया। बौद्ध मत के अनुसार युद्ध और किसी भी अन्य कारण से साथी लोगों की हत्या अपराध है।

इसलिए उन्होंने शतरंज का विकास जंग के विकल्प में किया। इस पूरे खेल में राजा अपनी रानी, वजीर और फौज के साथ होता है। पूरी बिसात एक जंग का मैदान-सी होती है, जिसमें राजा को अपने आप को बचाने के साथ-साथ प्रतिद्वंदी राजा को हराना होता है। ज्यादातर विशेषज्ञ यही मानते हैं कि शतरंज का विकास भारत में हुआ और फारस, अरब से होता हुआ पश्चिमी यूरोप पहुंचा। वैसे शतरंज के लम्बे इतिहास में परिवर्तन तो खूब आए हैं।

एक समय था जब इस खेल में राजा को भी मारा जा सकता था, लेकिन आज के शतरंज में यह असंभव है। कास्लिंग का किला बनाने का विचार लगभग 400 वर्ष पुराना है। क्वीन का इतिहास भी बहुत ही दिलचस्प है। एक समय में इसे वजीर कहा जाता था। आज शतरंज में अगर रानी मर जाए, तो लगता है कि सबसे शक्तिशाली मोहरा पिट गया, लेकिन प्राचीन समय में रानी सिर्फ एक आड़ा खाना चलती थी और इसलिए बिसात पर सबसे कमजोर मोहरा थी। लगभग 500 वर्ष पहले ही इसे अपनी मौजूदा ताकत मिली।

रुख और घोड़े सदियों से ऐसे ही रहे हैं। रुख भी फारसी के शब्द से बना है और इसे हाथी भी कहते हैं। बहरहाल, आज तो शतरंज दुनिया भर में खेला जाता है और इसके अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट लाखों लोग उत्सुकता से फॉलो करते हैं।

कैसे खेलें

चोपाट रखते समय यह ध्यान दिया जाता है कि दोनों खिलाड़ियों के दाएं तरफ का खाना सफेद होना चाहिए तथा वजिर के स्थान पर काला वजीर काले चौरस में व सफेद वजीर सफेद चौरस में होना चाहिए। खेल की शुरुआत सफेद खिलाड़ी से की जाती है। सामान्यत: वह वजीर या राजा के आगे रखे गया पैदल या सैनिक को दो चोरस आगे चलता है। हालांकि कोई भी सैनिक दो चौरस चल सकता है अथवा एक एक चौरस।

राजा- राजा सदा के लिए एक ही चौरस चल सकता है। अगर राजा को चलने को बाध्य किया और चल नहीं सकता, तो मान लीजिए कि खेल समाप्त हो गया। नहीं चल सकने वाले राजा को खिलाड़ी हाथ में लेकर बोलता है- 'मैं हार स्वीकार करता हूं।' हां कुछ शर्तों पर वह केसलींग करते समय दो चाल करता है।

वजीर- वजीर किसी भी दिशा में और कहीं तक भी चल सकता है। मान लिजिए पैदल सैनिक का एक अंक है, तो वजीर का 9 अंक है।

ऊंट- केवल अपने रंग वाले चोरस में चल सकता है। यानी काला ऊंट काले चौरस में ओर सफेद ऊंट सफेद खाने में। सैनिक के हिसाब से इसका तीन अंक है।

घोड़ा- गजब का है। अटपटा चलता है। यानी अगर घोड़ा सफेद चौरस पर होगा, तो चाल समाप्त होते रंग बदलता है। कहीं लोग इसे ढाई चाल भी कहते हैं। सैनिक के हिसाब से इसका तीन अंक है।

हाथी- वजीर कैसा भी चलता है, पर हाथी की चाल ऐसी नहीं है। वह सिर्फ सीधे या आड़े ही चल सकता है। उसका सैनिक के हिसाब से पांच अंक है।

नई खोज

ब्रिटेन के पुरातत्व विशेषज्ञों के एक दल ने कुछ ऐसे प्रमाण खोजें हैं, जिनसे साबित होता है कि यूरोप के निवासी छठी शताब्दी से ही शतरंज खेलना जानते थे। दक्षिणी अल्बानिया स्थित बायजेनटाईन महल में हुई खुदाई में हाथी दांत से बना शतरंज का एक मोहरा मिला है, जो अब तक शतरंज के इतिहास में मिले सभी प्रमाणों के इतिहास से पांच सौ साल पुराना है। अब तक यह माना जाता था कि यूरोप में बारहवीं सदी के दौरान ही यह खेल आया, यानी चीन, भारत और प्राचीन फारस में खेल की शुरुआत होने के सात सौ साल बाद।

जिज्ञासा

क्यों पकाते हैं खाना

मनुष्य भोजन पकाकर क्यों खाता है, जबकि प्रकृति में दूसरा कोई जानवर पकाकर भोजन नहीं खाता। आखिर मानव ने भोजन पकाकर खाना कब शुरू किया?

वैज्ञानिकों का कहना है कि कच्चे भोजन में विषैले और सूक्ष्म जीव होते हैं, जो शरीर में पहुंचकर पांचक शक्ति को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए भोजन पकाकर खाया जाता है। मगर आदिमानव ने इन कारणों से भोजन पकाना शुरू नहीं किया होगा, बल्कि भोजन को पकाकर खाना इसलिए शुरू किया, क्योंकि इससे भोजन कुछ नरम हो जाता था और उसे खाने में आसानी होती थी। इसके साथ ही खाने का स्वाद भी पकाने से बढ़ जाता था। जानवर भोजन पकाकर नहीं खाते, परंतु उनमें भोजन को पचाने के लिए दूसरी क्रियाएं पाई जाती हैं। जैसे गाय और भैंस भोजन को पचाने के लिए जुगाली करते रहते हैं। भोजन पकाना एक कला है, वरना ज्यादा पकाने पर उसमें मौजूद पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं।

ऐसे हुई लिखने की शुरुआत

बच्चों, ग्रंथ लिखने के लिए जिन ताड़पत्रों का उपयोग होता था, उन्हें पहले सुखा देते थे। फिर उन्हें कुछ घंटों तक पानी में उबालकर या भिगोए रखकर पुन: सुखाया जाता था। शंख, कौड़ी या चिकने पत्थर से उन्हें घोटते थे। फिर उन्हें इच्छित आकार में काटकर लोहे की कलम (शलाका) से उन पर अक्षर कुरेदे जाते थे।

फिर पत्रों पर कज्जल पोत देने से अक्षर काले हो जाते थे। दक्षिण भारत में अधिकतर इसी तरह ताड़पत्र की पोथियां तैयार की जाती थीं। उत्तर भारत में ताड़पत्रों पर प्राय: स्याही से लेखनी द्वारा लिखा जाता था। संस्कृत में लिख् और धातु का अर्थ है कुरेदना, संस्कृत में लिप धातु का अर्थ है लीपना।

लगता है की ताड़पत्र पर कुरेदने (लिखी) से लेखन या लिखना शब्द बने और स्याही लेपन (लिपि) शब्द का प्रयोग शुरू हुआ। ताड़पत्र की जो सबसे प्राचीन हस्तलिपि मिली है, वह ईसा की दूसरी सदी के एक नाटक की खंडित प्रति है। यह ताड़पत्रों पर स्याही से लिखी गई है। जापान के होर्युजी मंदिर में उष्णीशविजयधारणी नामक लगभग 600 ईस्वी की एक ताड़पत्र पोथी सुरक्षित है। जैसलमेर के ग्रंथ-भंडार में ताड़पत्रों की कुछ प्राचीन हस्तलिपियां मिली हैं। महापण्डित राहुल सांकृत्यायन ताड़पत्रों की कई पोथियां तिब्बत से भारत लाए थे।

अक्लमंद हंस की नसीहत

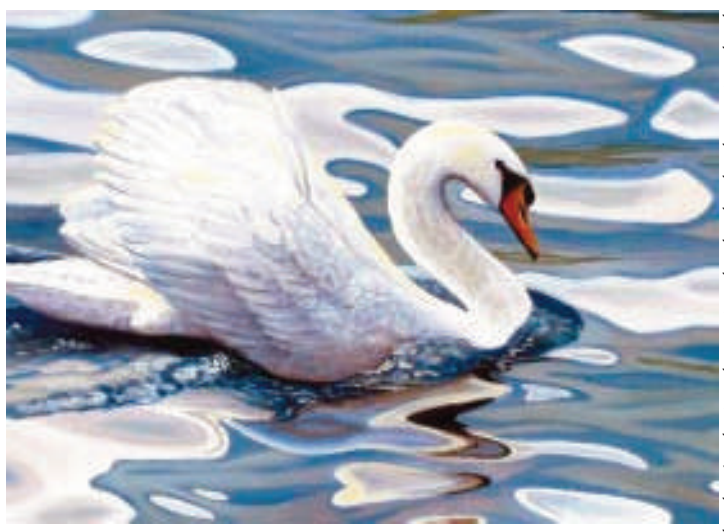

बाल कहानी...

एक बहुत बड़ा विशाल पेड़ था। उस पर बीसीयों हंस रहते थे। उनमें एक बहुत स्याना हंस था, बुद्धिमान और बहुत दूरदर्शी। सब उसका आदर करते 'ताऊ' कहकर बुलाते थे। एक दिन उसने एक नन्ही-सी बेल को पेड़ के तने पर बहुत नीचे लिपटते पाया। ताऊ ने दूसरे हंसों को बुलाकर कहा, 'देखो, इस बेल को नष्ट कर दो। एक दिन यह बेल हम सबको मौत के मुंह में ले जाएगी।'

एक युवा हंस हंसते हुए बोला, 'ताऊ, यह छोटी-सी बेल हमें कैसे मौत के मुंह में ले जाएगी?'

स्याने हंस ने समझाया, 'आज यह तुम्हें छोटी-सी लग रही हैं। धीरे-धीरे यह पेड़ के सारे तने को लपेटा मारकर ऊपर तक आएगी। फिर बेल का तना मोटा होने लगेगा और पेड से चिपक जाएगा, तब नीचे से ऊपर तक पेड़ पर चढ़ने के लिए सीढ़ी बन जाएगी। कोई भी शिकारी सीढ़ी के सहारे चढ़कर हम तक पहुंच जाएगा और हम मारे जाएंगे।'

दूसरे हंस को यकीन न आया, 'एक छोटी-सी बेल कैसे सीढ़ी बनेगी?'

तीसरा हंस बोला, 'ताऊ, तुम तो एक छोटी-सी बेल को खींचकर ज्यादा ही लंबा कर रहा है।'

एक हंस बड़बड़ाया, 'यह ताऊ अपनी अक्ल का रौब डालने के लिए अंट-शंट कहानी बना रहा हैं।'

इस प्रकार किसी दूसरे हंस ने ताऊ की बात को गंभीरता से नहीं लिया। इतनी दूर तक देख पाने की उनमें अक्ल कहां थी?

समय बीतता रहा। बेल लिपटतेलिपटते ऊपर शाखों तक पहुंच गई। बेल का तना मोटा होना शुरू हुआ और सचमुच ही पेड़ के तने पर सीढ़ी बन गई। जिस पर आसानी से चढ़ा जा सकता था। सबको ताऊ की बात की सच्चाई सामने नजर आने लगी। पर अब कुछ नहीं किया जा सकता था क्योंकि बेल इतनी मजबूत हो गई थी कि उसे नष्ट करना हंसों के बस की बात नहीं थी। एक दिन जब सब हंस दाना चुगने बाहर गए हुए थे तब एक बहेलिआ उधर आ निकला। पेड़ पर बनी सीढ़ी को देखते ही उसने पेड़ पर चढ़कर जाल बिछाया और चला गया। सांझ को सारे हंस लौट आए पेड़ पर उतरे तो बहेलिए के जाल में बुरी तरह फंस गए। जब वे जाल में फंस गए और फड़फड़ाने लगे, तब उन्हें ताऊ की बुद्धिमानी और दूरदर्शिता का पता लगा। सब ताऊ की बात न मानने के लिए लज्जित थे और अपने आपको कोस रहे थे। ताऊ सबसे रुष्ट था और चुप बैठा था।

एक हंस ने हिम्मत करके कहा, 'ताऊ, हम मूर्ख हैं, लेकिन अब हमसे मुंह मत फेरो।'

दूसरा हंस बोला, 'इस संकट से निकालने की तरकीब आप ही हमें बता सकते हैं। आगे से हम आपकी कोई बात नहीं टालेंगे।' सभी हंसों ने हामी भरी तब ताऊ ने उन्हें बताया, 'मेरी बात ध्यान से सुनो। सुबह जब बहेलिया आएगा, तब मुर्दा होने का नाटक करना। बहेलिया तुम्हें मुर्दा समझकर जाल से निकालकर जमीन पर रखता जाएगा। वहां भी मरे समान पड़े रहना। जैसे ही वह अन्तिम हंस को नीचे रखेगा, मैं सीटी बजाऊंगा। मेरी सीटी सुनते ही सब उड़ जाना।'

सुबह बहेलिया आया। हंसो ने वैसा ही किया, जैसा ताऊ ने समझाया था। सचमुच बहेलिया हंसों को मुर्दा समझकर जमीन पर पटकता गया। सीटी की आवाज के साथ ही सारे हंस उड़ गए। बहेलिया अवाक होकर देखता रह गया।

शिक्षा : बुद्धिमानों की सलाह गंभीरता से लेनी चाहिए।

बिंदू मिलाएं .

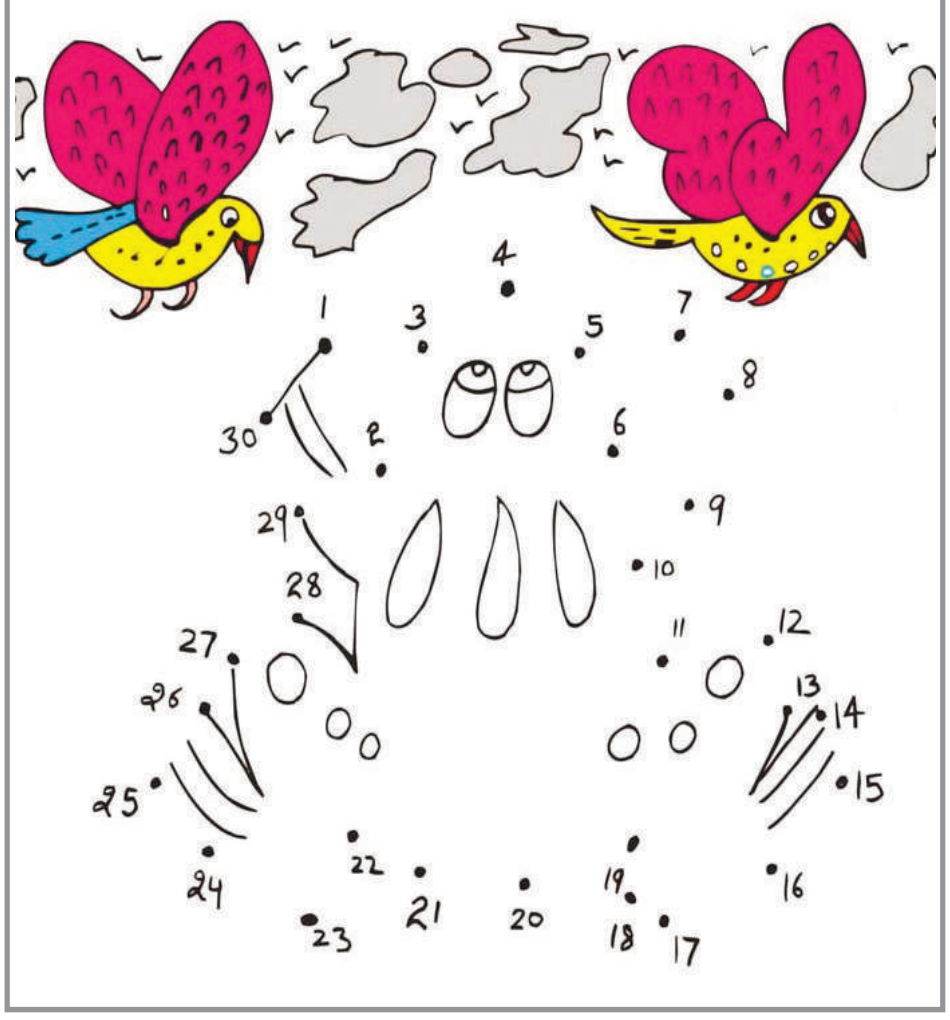

सबसे बड़ा शॉपिंग मॉल

चाइना में 2005 में खुला साउथ चाइना मॉल दुनिया का सबसे बड़ा शॉपिंग मॉल है। यह 70 लाख वर्ग फुट से भी बड़े इलाके में फैला हुआ है। इसके अंदर पवन चक्की और थीम पार्क भी है।

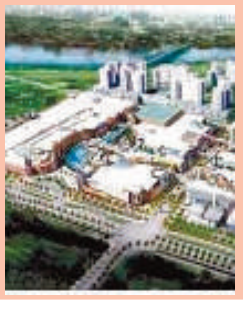

महासागर पार करने वाली महिला

केंसास में 1897 में जन्मी एमेलिया दुनिया की सर्वश्रेष्ठ पायलटों में से एक थीं। एमेलिया ने 1921 में पायलट का लाइसेंस प्राप्त कर लिया। अकेले विमान उड़ाकर अटलांटिक और प्रशांत महासागर पार करने वाली वह पहली महिला थीं।

सबसे ऊंचा पुल

अमेरिका की सबसे बड़ी तकनीकी उपलब्धि के तौर पर मशहूर हूवर बांध के ऊपर बना पुल का वृत्तखंड पश्चिमी गोलार्ध में सबसे बड़ा है। यह पुल माइक ओ कैलेघन-पैट टिलमैन की याद में बनाया गया है।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार रहा सेंसेक्स 74,248 और निफ्टी 22,500 पर बंद

मुंबई,06 अप्रैल (एजेंसियां) ।

वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों और मुनाफावसूली की वजह से बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया। वहीं आरबीआई की मौद्रिक समिति की बैठक में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं करने के फैसले से सेंसेक्स में तेजी दिखाई दी और निफ्टी कमजोर होकर बंद हुआ। बीते पांच कारोबारी दिनों में से शेयर बाजार में तीन दिन तेजी और दो दिन गिरावट रही। भारतीय इक्विटी सूचकांक एशियाई बाजारों में तेजी और अमेरिका में महंगाई के आंकड़ों में मामूली राहत के बाद हरे निशान पर खुले। बीएसई सेंसेक्स 533 अंक बढ़कर 74,189 पर खुला और 363.20 अंकों की बढ़त के साथ 74,014.55 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 178 अंक की बढ़त के साथ 22,506 के स्तर पर खुला और 135.10 अंक मजबूत होकर 22,462.00 के स्तर पर बंद हुआ। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन शेयर बाजार में कमजोर शुरुआत हुई। सेंसेक्स में 57.62 अंकों की मजबूती के साथ 74,043.96 के स्तर पर खुला और 110.64 अंकों की गिरावट के साथ 73,903.91 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 31.71 चढ़कर 22,493.70 पर खुला और 8.71 अंक गिरकर 22,453.30 के स्तर पर बंद हुआ। शेयर बाजार में भी लाल निशान पर कारोबार की शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 146 अंकों की गिरावट के साथ 73758 के स्तर पर खुला और 27.09 अंक टूटकर 73,876.82 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 50 में 67 अंकों की गिरावट के साथ 22385 के स्तर पर खुला और 18.65 अंक गिरकर 22,434.65 पर बंद हुआ। प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी फिर रिकॉर्ड स्तर पर कारोबार करते दिखे। इस दौरान सेंसेक्स 500 अंक उछलकर 74,400 पर खुला और 350.81 अंकों की मजबूती के साथ 74,227.63 के लेवल पर बंद हुआ। निफ्टी भी पहली बार 22,600 के स्तर पर खुला और 80.00 अंक मजबूत होकर नई ऊंचाई 22500 पर बंद हुआ। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शेयर बाजार में एक बार फिर सुस्ती दिख रही है।

न्यूज ब्रीफ

पांच जनवरी की घटना से अभी भी बोइंग के सीईओ सदमे में, 28 लाख डॉलर का बोनस ठुकराया

वॉशिंगटन । अलास्का एयरलाइंस में पांच जनवरी को हुई भयावह घटना हर किसी को याद होगी। जब विमान का विंडो पैनल फ्लाइट टेकऑफ होने के बाद अचानक उड़ गया था। घटना के तुरंत बाद बोइंग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डेव कैलहौन ने अपनी गलती स्वीकार की थी और कहा था कि घटना की पूरी पारदर्शिता के साथ जांच होगी। तीन महीने बीत जाने के बाद भी शायद बोइंग के सीईओ इस हादसे से नहीं उभर पाए हैं क्योंकि उन्होंने 28 लाख डॉलर बोनस लेने से मना कर दिया है। कंपनी का बयान कंपनी के सुरक्षा दस्तावेजों में बताया गया कि कंपनी को साल 2023 में मुआवजे के रूप में 3.3 करोड़ डॉलर मिले। जबकि डेव कैलहौन ने अलास्का एयरलाइंस की घटना के बाद करीब 28 लाख डॉलर बोनस लेने से मना कर दिया। इसके अलावा, कैलहौन को मूल वेतन 14 लाख डॉलर मिला, जबकि तीन करोड़ डॉलर से अधिक स्टॉक पुरस्कारों से प्राप्त हुआ। बताया जा रहा है कि इस साल के अंत तक ही वह काम करेंगे। बोइंग के वार्षिक प्रॉक्सी स्टेटमेंट में यह पूरी जानकारी दी गई है। यह है पांच जनवरी की घटना अलास्का एयरलाइंस द्वारा संचालित बोइंग 737 मैक्स 9 में उस समय बड़ी खराबी आ गई थी जब पोर्टलैंड, ओरेगन से होनोलूलू, हवाई की उड़ान के दौरान एक आपातकालीन दरवाजा खुल गया था। यह दरवाजा 16,000 फीट की ऊंचाई पर खुलकर गिर गया, जिससे विमान के किनारे में एक बड़ा छेद बन गया और यात्रियों को हवा के दबाव में अचानक गिरावट का सामना करना पड़ा। अलास्का एयरलाइंस की उड़ान संख्या 1282 में 171 यात्री और चालक दल के छह सदस्य सवार थे। विमान की सिएटल-टैकोमा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग कराई गई, गनीमत यह रही कि हादसे में किसी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई। संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने सभी बोइंग 737 मैक्स नौ विमानों को उड़ान फिर से शुरू करने से पहले केबिन डोर एग्जिट प्लग, डोर कंपोनेंट्स और फास्टनरों के निरीक्षण का आदेश दिया था। यूनाइटेड एयरलाइंस और अलास्का एयरलाइंस केवल दो अमेरिकी वाहक हैं जो विमान के इस मॉडल का संचालन करते हैं। दोनों एयरलाइनों ने अपने कुछ मैक्स नौ विमानों में ढीले हार्डवेयर मिलने की सूचना दी है।

जुर्माना वसूलने में मध्य रेलवे सबसे आगे, साल में 300 करोड़ राजस्व 46.26 लाख बार टूटे नियम

मुंबई । मध्य रेलवे ने 2023-24 में बिना टिकट और अनियमित यात्रा और बिना बुक किए गए सामान के 46.26 लाख मामलों में कार्रवाई की है। 46.26 लाख मामलों में जुर्माने से मध्य रेलवे ने 300 करोड़ रुपये कमाए हैं, जो रेलवे के सभी क्षेत्रों से अधिक है। एक विज्ञप्ति के अनुसार, मध्य रेलवे ने कहा कि इस साल राजस्व के लक्ष्य 265.97 करोड़ में 12.80 प्रतिशत का इजाफा हुआ है तो वहीं, मामलों के लक्ष्य में 8.38 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। इस डिविजन ने कमाया इतना राजस्व मध्य रेलवे ने दावा किया है कि जुर्मानों और राजस्व के मामलों में उन्होंने सभी जोनों में प्रथम स्थान हासिल किया है। मध्य रेलवे के मुंबई डिविजन ने बिना टिकट और अनियमित यात्रा करने वाले 20.56 लाख मामलों से 115.29 करोड़ रुपये कमाए हैं। भुसावल डिवीजन ने 8.34 लाख मामलों से 66.33 करोड़ रुपये कमाए है। वहीं, नागपुर डिविजन ने 5.70 लाख मामलों से 34.52 करोड़ रुपये, सोलापुर डिविजन ने 5.44 लाख मामलों से 34.57 करोड़ रुपये, पुणे डिविजन ने 3.74 लाख मामलों से 28.15 करोड़ रुपये और इसके मुख्यालय ने 2.47 मामलों से 20.96 करोड़ रुपये कमाए हैं। सुनील नैनानी ने वसूला सबसे अधिक जुर्माना मध्य रेलवे के प्रवक्ता ने बताया कि हमारे पास 22 टिकट चेकिंग स्टाफ है, जिसमें दो महिलाएं परीक्षक भी शामिल हैं। टिकट चेकिंग आय के रूप में व्यक्तिगत रूप से उन्होंने 1 करोड़ रुपये से अधिक का योगदान दिया। व्यक्तिगत योगदान के मामले में टिकट निरीक्षक सुनील नैनानी प्रथम स्थान पर हैं, जिन्होंने 20,117 मामलों में 1.92 करोड़ का राजस्व दिया है। दूसरे स्थान पर टिकट निरीक्षक एमएम शिंदे हैं, जिन्होंने 18,223 मामलों से 1.59 करोड़ रुपये कमाए हैं तो वहीं, तीसरे स्थान पर निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार है, जिन्होंने 17,641 मामलों से 1.52 करोड़ रुपये कमाए हैं। चैन पुलिंग से भी रेलवे को फायदा थोड़े दिन पहले जारी हुई रिपोर्ट में सामने आया था कि उत्तर प्रदेश के आगरा मंडल में ट्रेन में चेन पुलिंग करने वालों के खिलाफ रेलवे ने 2266 यात्रियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 8,35,165 रुपये जुर्माना वसूला है।

2020 के बाद पहली बार संपत्ति के मामले में मस्क से आगे निकले जुकरबर्ग

नई दिल्ली,06 अप्रैल (एजेंसियां) ।

मार्क जुकरबर्ग एलन मस्क को पीछे छोड़ते हुए दुनिया के तीसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए। 2020 के बाद पहली बार जुकरबर्ग में संपत्ति के मामले में मस्क को पीछे कर दिया है। मस्क, जो हाल ही में मार्च महीने की शुरुआत में ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स पर पहले स्थान पर थे, रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के बाद चौथे स्थान पर गिर गए जिसमें कहा गया कि टेस्ला ने कम महंगी कार की योजना रद्द कर दी है, इससे इसके शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि मस्क ने इन खबरों का खंडन किया। इसके बाद सप्ताह की शुरुआत में एक ओश्र खबर आई कि टेस्ला की वाहन डिलीवरी मार्च तक तीन महीनों में गिर गई। कोविड महामारी के शुरुआती दिनों के बाद से वाहनों की डिलिवरी में पहली बार सालाना आधार पर गिरावट दर्ज की गई।

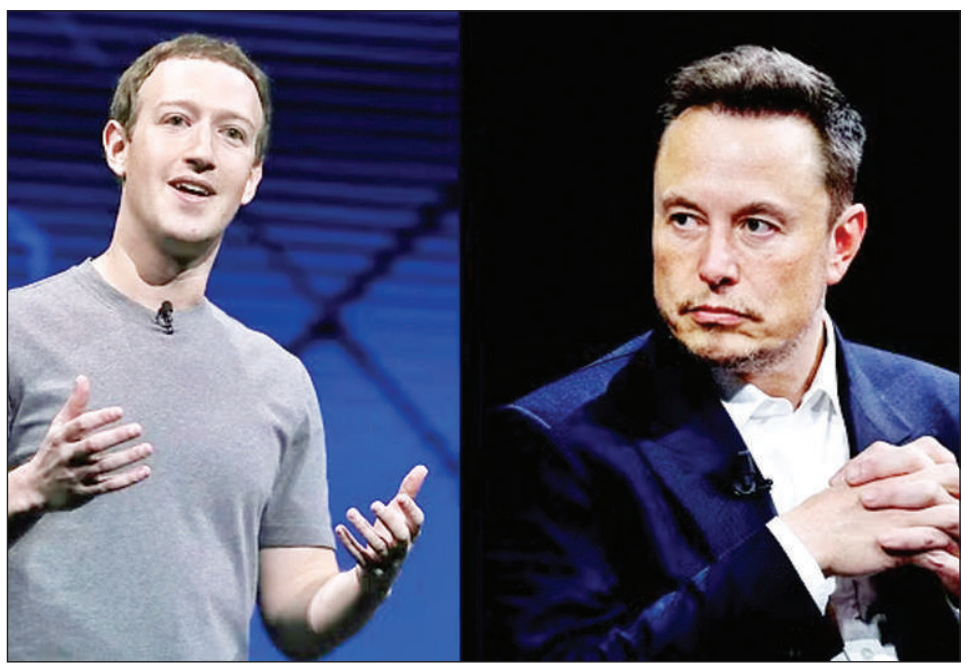

मस्क की संपत्ति इस साल 48.4 बिलियन डॉलर कम हो गई है, जबकि जुकरबर्ग की संपत्ति में 58.9 बिलियन डॉलर जुड़ गए हैं। मेटा के शेयर अपनी नई ऊंचाई पर पहुंच गए। यह पहली बार है जब जुकरबर्ग 16 नवंबर, 2020 के बाद से ब्लूमबर्ग की सबसे अमीर लोगों की रैंकिंग में शीर्ष तीन में शामिल हुए हैं। उस समय उनकी संपत्ति 105.6 बिलियन डॉलर थी वहीं मस्क की संपत्ति 102.1 बिलियन डॉलर थी। समय में मस्क की कुल संपत्ति 180.6 बिलियन डॉलर है जबकि जुकरबर्ग की संपत्ति 186.9 अरब डॉलर है।

मस्क और जुकरबर्ग के बीच संपति का अंतर का नवंबर 2021 में 215 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। यह दर्शाता है कि टेस्ला के स्टॉक जो कभी निवेशकों की बड़ी पसंद थे अब मेटा के शेयरों की तुलना में थोड़े नरम पड़े हैं। इस बदलाव में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी चीजों में निवेश भी एक कारण हो सकता है।

टेस्ला के शेयर इस साल 34 प्रतिशत की गिरावट आई है, जिससे यह 500 इंडेक्स पर सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला शेयर है। यह ईवी की मांग में वैश्विक मंदी, चीन में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और जर्मनी में उत्पादन समस्याओं से प्रभावित हो गया है। इस बीच, मेटा ने मजबूत तिमाही आय और कंपनी की एआई पहल के बाद49 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की है। यह 500 पर पांचवां सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला शेयर है।

दोनों अरबपति संपत्ति के अलावे अन्य मामलों में भी प्रतिद्वंदी रहे हैं। मस्क और जुकरबर्ग एक सार्वजनिक विवाद में शामिल हैं। यह प्रतिद्वंदिता तब और तेज हो गया जब मेटा ने थ्रेड्स लॉन्च किया। यह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म मस्क के एक्स के साथ प्रतिस्पर्धा करता है। एलवीएमएच मोएट हेनेसी लुई वीटॉन के चेयरमैन बर्नार्ड अरनॉल्ट और अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस ब्लूमबर्ग की संपत्ति रैंकिंग में पहले दो स्थान पर हैं।

आरबीआई ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस पर लगाया जुर्माना

मुंबई,06 अप्रैल ।

रिजर्व बैंक ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक पर 1 करोड़ रुपये और एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस पर 49.70 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि इन दोनों वित्तीय संस्थानों ने नियमों की अनदेखी की है।

क्यों लगा जुर्माना

आरबीआई ने एक बयान में कहा कि उसने प्राइवेट सेक्टर के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक पर जुर्माना 2016 और 2017 में एक सरकारी कंपनी को इंफ्रास्ट्रक्चर लोन देने के मामले में लगाया है। पर केंद्रीय बैंक के निर्देशों का पालन नहीं किया गया। आरबीआई ने 31 मार्च, 2022 तक बैंक की वित्तीय स्थिति की जांच की। इसमें पता चला कि बैंक ने दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया है। ऐसे में बैंक को आरबीआई ने नोटिस जारी किया और जवाब से संतुष्ट ना होने के बाद जुर्माना लगाया। वहीं, एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस पर जुर्माना आरबीआई के नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनीज- हाउसिंग फाइनेंस कंपनी (रिजर्व बैंक) गाइडलाइंस, 2021 के कुछ प्रावधानों का पालन नहीं करने की वजह से लगा है।

क्या ग्राहकों पर होगा असर

दोनों ही वित्तीय संस्थानों पर एक्शन नियमों का सही तरीके से पालन नहीं करने की वजह से लिया गया है। ऐसे में इसका ग्राहकों के साथ किसी भी लेनदेन या समझौते पर कोई असर नहीं होगा। अगर जुर्माना लगाने के अलावा भी आरबीआई दोनों संस्थाओं के खिलाफ कोई एक्शन लेता है, तो उसका ग्राहकों के हितों पर कोई असर नहीं होगा।

चार एनबीएफसी पर भी गिरी गाज

आरबीआई ने चार एनबीएफसी- कुंडल्स मोटर फाइनेंस, नित्या फाइनेंस, भाटिया हायर परचेज और जीवनज्योति डिपॉजिट्स एंड एडवांसेज का सर्टिफिकेट ऑफ रजिस्ट्रेशन भी रद्द कर दिया है। ये चारों कंपनियां अब बतौर नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन कोई कारोबार नहीं कर सकतीं। वहीं, पांच अन्य एनबीएफसी ने अपना सरेंडर कर दिया है। ये हैं- ग्रोइंग अपॉर्चुनिटी फाइनेंस (इंडिया), इनवेल कॉमर्शियल, मोहन फाइनेंस, सरस्वती प्रॉपर्टीज और क्रिकर मार्केटिंग।

ओला ने पेश किया इलेक्ट्रिक स्कूटर ओला सोलो, इलेक्ट्रिक स्कूटर खुद को करेगा बैलेंस

नई दिल्ली,06 अप्रैल (एजेंसियां) ।

अपने लेटेस्ट इलेक्ट्रिक स्कूटर 'ओला सोलो' को कंपनी ओला ने पेश किया है। ये इलेक्ट्रिक स्कूटर पूरी तरह से ऑटोनॉमस कैपेबिलिटीज और एंडवांस एआई टेक्नोलॉजी के साथ अर्बन कम्यूटिंग को बदलने का वादा करता है। सोलो को 'भारत का पहला ऑटोनॉमस इलेक्ट्रिक स्कूटर' कहा जा रहा है। अभी इसकी लॉन्चिंग या कीमत को लेकर जानकारी नहीं मिली है। ये एक प्रोटोटाइप है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से इक्विप्ड, सोलो पूरी तरह से ऑटोनॉमस और ट्रैफिक-सैवी स्कूटर है। इनोवेटिव जेयु-गार्ड एडाप्टिव एल्गोरिदम से पावर्ड, ये स्कूटर हर राइड से सीखता है और एक स्मार्ट और ज्यादा एफिशिएंट ट्रैवल एक्सपीरिएंस सुनिश्चित करता है। इसके अलावा इसमें दिया गया इन-हाउस चिप एलएमए 09000 शहर की सड़कों पर सहजता से नेविगेट करने के लिए रियल टाइम ट्रैफ़िक डेटा का उपयोग करता है। ओला इलेक्ट्रिक के को-फाउंडर भाविश अग्रवाल ने सोलो के लॉन्च की

घोषणा सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए की और इसे इलेक्ट्रिक स्कूटर के सेक्टर में एक माइलस्टोन बताया। उन्होंने राइड-हेलिंग और लोकल कॉमर्स में एक आदर्श बदलाव का संकेत देते हुए इसकी ऑटोनॉमी, एआई कैपेबिलिटीज और डेली कम्यूट में सीमलेस इंटीग्रेशन पर जोर दिया। भाविश अग्रवाल ने एक्स पर शेयर किए गए अपने पोस्ट में ये लिखा है कि ये कोई अप्रैल फूल जोक नहीं है। क्योंकि, वीडियो को 1 अप्रैल को जारी किया गया था। उन्होंने लिखा है कि जारी किए गए वीडियो का उद्देश्य लोगों को हंसाना था। लेकिन इसके पीछे की तकनीक कुछ ऐसी है जिस पर हम काम कर रहे हैं और प्रोटोटाइप बनाया है। यह दर्शाता है कि हमारी इंजीनियरिंग टीमें किस प्रकार का इनोवेटिव काम करने में सक्षम हैं।

टेस्ला जल्द भारत में लगाएगी 2 से 3 अरब डॉलर का ईवी संयंत्र

नई दिल्ली,06 अप्रैल (एजेंसियां) ।

भारत में तीन राज्य ऐसे है जो टेस्ला को पसंद आए है। गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में से किसी एक राज्य में 2 से 3 अरब डॉलर की लागत से टेस्ला ईवी संयंत्र लगा सकती है। इसकी आहट उसी वक्त आने लगी थी जब 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैलिफोर्निया के पालो ऑल्टो में टेस्ला सुविधा का दौरा किया था और एलन मस्क उन्हें अपने इलेक्ट्रिक कार प्लांट के दौरे पर ले गए थे और पीएम को आश्वस्त किया था कि इलेक्ट्रिक वाहन बनने जा रहे हैं। लगभग एक दशक बाद टेस्ला भारत में आने और निर्माण करने के लिए तैयार है। टेक अरबपति अंतत: देश में 2-3 अरब डॉलर का ईवी संयंत्र स्थापित करने के लिए संभावित स्थान की तलाश के लिए विशेषज्ञों की एक टीम भेज रहा है। मस्क को टेस्ला गीगाफैक्ट्री स्थापित करने और बाकी दुनिया में ईवी निर्यात करने के लिए भारत को अपने अगले बड़े गंतव्य के रूप में देखने के लिए मनाने में पीएम मोदी के लगातार प्रयासों का श्रेय जाता है। पिछले साल जून में पीएम मोदी ने अमेरिका में मस्क से मुलाकात की थी और विभिन्न क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी को सुलभ और किफायती बनाने के उनके प्रयासों की सराहना की थी। प्रधानमंत्री ने मस्क को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र में निवेश के लिए भारत में अवसर तलाशने के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री से मिलने के बाद मस्क ने भारत में अपनी आपूर्ति श्रृंखला पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने की खोज शुरू कर दी, जिससे सस्ती इलेक्ट्रिक कारें तैयार की जा सकें, जिनकी कीमत 20 लाख रुपये से भी शुरू हो सकती है। मस्क के शब्दों में, वह (पीएम मोदी) वास्तव में भारत की परवाह करते हैं, क्योंकि वह हमें भारत में महत्वपूर्ण निवेश करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, जो कुछ ऐसा है जिसे हम करने का इरादा रखते हैं और हम सिर्फ सही समय का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। अरबपति ने पीएम से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा, पीएम मोदी वास्तव में भारत के लिए सही काम करना चाहते हैं। वह यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि निवेश से होने वाला लाभ भारत को लाभ मिले। उन्होंने कहा, दुनिया के किसी भी बड़े देश की तुलना में भारत के पास अधिक संभावनाएं हैं।पिछले नवंबर में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कैलिफोर्निया में टेस्ला की अत्याधुनिक विनिर्माण संयंत्र का भी दौरा किया था।

मई तक स्थिति सामान्य होने की उम्मीद, पायलट्स की कमी के चलते रद्द हुई उड़ानों पर बोले सीईओ

नई दिल्ली,06 अप्रैल (एजेंसियां) ।

कुछ दिनों से पायलट्स की कमी का असर विस्तारा एयरलाइंस पर खासा दिखाई दे रहा है। बीते कंपनी के पदाधिकारियों और पायलट्स के बीच वर्चुअल बैठक हुई थी। गौरतलब है कि पिछले चार दिनों में विस्तारा एयरलाइंस द्वारा 100 से अधिक उड़ाने रद्द कर दी गई हैं। डीजीसीए ने उड़ाने के रद्द और देरी पर एक दैनिक रिपोर्ट देने के लिए कहा था। इस बीच, विस्तारा एयरलाइंस के सीईओ विनोद कन्नन ने उम्मीद जताई है कि मई महीनें तक परिचालन सामान्य हो जाएगा। उन्होंने कहा कि पायलट्स के बढ़े रोस्टर के कारण उड़ान में बाधा आई।

मई तक स्थिति पूरी तरह सामान्य हो जाएगी- कन्नन - एक साक्षात्कार में विस्तारा एयरलाइंस के सीईओ विनोद कन्नन ने कहा कि हम इस तरह के व्यवधानों के लिए यात्रियों से माफी मांगते हैं। आखिरी मिनट में उड़ान उद्द होने पर चिंता का कोई कारण नहीं है। विस्तारा स्थिति को सामान्य करने पर जोर दे रहा है और ये काफी तेजी से हो रहा है।

विस्तारा के सीईओ विनोद कन्नन का कहना है कि पायलट्स द्वारा उठाई गई चिंताओं की समीक्षा और चर्चा की जा रही है।

इस सप्ताह के बाद उड़ानें रद्द नहीं होगी- विनोद कन्नन - मीडिया एजेंसी को दिए साक्षात्कार में विस्तारा एयरलाइंस के सीईओ विनोद कन्नन ने कहा कि आखिरी समय पर उड़ानें रद्द करने की आवश्यकता इस सप्ताह के बाद नहीं होगी, क्योंकि समस्या को धीरे-धीरे सुलझाया जा रहा है। पायलट्स के लिए बफर स्थिति स्थिर हो रही है। उन्होंने कहा कि जहां तक उड़ानों को लेकर सवाल है कि तो हम सामान्य स्थिति में आ गए हैं।

यात्रियों को हो रही दिक्कत के लिए हमें खेद- विनोद कन्नन -

विनोद कन्नन ने कहा कि सिस्टम में जो भी उड़ानें हैं, वे संचालित होनी चाहिए। उन्होंने यात्रियों को आश्वस्त करना चाहा कि अंतिम समय में उड़ानें रद्द नहीं की जाएंगी। कन्नन ने कहा कि परिचालन में कमी के तहत एयरलाइन ने 20-25 दैनिक उड़ानों में कटौती की है। हम अब मई के शेड्यूल पर काम कर रहे हैं और हम इसे सामान्य प्रकार के परिचालन में लाने के लिए प्रयास करेंगे। सभी 6,500 कर्मचारियों की ओर से, जो कुछ हुआ उसके लिए हमें बहुत खेद है।

पायलट्स की इन बातों को लेकर है शिकायत - बीते विस्तारा एयरलाइंस के पायलट्स ने थकान की शिकायत की थी और इसका सीधा असर सुरक्षा पर पड़ता है। पायलट्स का कहना है कि वह अधिकतम फ्लाइट ड्यूटी की सीमा तक पहुंच गए हैं और थकान की वजह से वे जल्दी जल्दी बीमार हो रहे हैं। विस्तारा एयरलाइंस के कई पायलट बीमार बताए जा रहे हैं। वहीं कई एयर इंडिया के साथ विस्तारा के विलय के बाद लाए जाने वाले सैलरी स्ट्रक्चर से खुश नहीं हैं और इसका विरोध कर रहे हैं। पायलट्स का कहना है कि हर कोई उड़ान से थक गया है। सभी नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियमों से उम्मीद कर रहे थे कि वे कुछ राहत देंगे, लेकिन फिलहाल ऐसा होता नहीं दिख रहा है। पायलट्स ने इस बात की भी शिकायत की है कि एयरलाइंस पायलट्स से ज्यादा सॉफ्टवेयर पर विश्वास कर रही है। पायलट्स थकान की शिकायत कर रहे हैं और कंपनी बोइंग अलर्टनेस मॉडल पर विश्वास कर रही है।

डीजीसीए की घटनाक्रम पर है नजर - डीजीसीए की भी इस पूरे मामले पर नजर है। यही वजह है कि डीजीसीए ने विस्तारा एयरलाइंस से बड़ी संख्या में फ्लाइट्स कैंसिल होने पर जवाब मांगा था। साथ ही डीजीसीए ने पायलट्स के विरोध को देखते हुए नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियमों को लागू करने पर फिलहाल रोक लगा दी है और इन पर और चर्चा करने को कहा है। नए नियम 1 जून से लागू होने थे।

शेफील्ड पर जीत से लिवरपूल फिर शीर्ष पर, जीत पाने के लिए करना पड़ा संघर्ष

लंदन,06 अप्रैल (एजेंसियां) ।

लिवरपूल ने अंतिम स्थान पर चल रहे शेफील्ड यूनाइटेड को 3-1 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर लीग में एक बार फिर शीर्ष स्थान पर जगह बना ली है। स्कोर लाइन जरूर लिवरपूल के पक्ष में 3-1 से रही, लेकिन उसे जीत के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा। 76 मिनट तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर थी। अर्जेंटीना के एलेक्सिस मैकएलिस्टर ने 76वें मिनट में गोल कर लिवरपूल को बढ़त दिलाई। कोडी गाक्पो ने 90वें मिनट में तीसरा गोल किया। इस जीत के साथ लिवरपूल के 30 मैचों में 70 अंक हो गए हैं। 68 अंकों के साथ आर्सेनल दूसरे और 67 अंकों के साथ गत विजेता मैनचेस्टर सिटी तीसरे स्थान पर है।

ब्रैडली ने किया आत्मघाती गोल - खेल के 17वें मिनट में डार्विन नुनेज ने लिवरपूल को बढ़त दिलाई, लेकिन 58वें मिनट में कोनर ब्रैडली ने अपनी ही टीम पर आत्मघाती गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद मुकाबला काफी रोचक हो गया। हालांकि मैकएलिस्टर ने बेहतरीन गोल कर लिवरपूल को बढ़त दिला दी। लिवरपूल के कोच जुर्गेन क्लॉप ने कहा कि हमें काफी गहराई तक जाना पड़ा, लेकिन यह सामान्य बात है। हमारा रवैया अच्छा था, लेकिन हमने कई मौकों पर अच्छी फुटबाल नहीं खेली। लिवरपूल का मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ कठिन मुकाबला होगा।

अंतिम क्षणों में दो गोल खाकर यूनाइटेड हारा - मैनचेस्टर यूनाइटेड को चेल्सी के हाथों 3-4 से अविश्वसनीय हार का सामना करना पड़ा। कोले पामर की हैट्रिक की बदौलत चेल्सी को जीत मिली। पामर ने स्टापेज समय में एक मिनट के अंतराल में दो गोल कर यूनाइटेड के डच मैनेजर एरिक टेन हेग की मुश्किलें बढ़ा दीं। ब्रेंटफोर्ड के खिलाफ पिछले मुकाबले में भी यूनाइटेड ने अंतिम क्षणों में गोल खाया था। यह मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा। टेन हैग ने कहा कि दो मैचों में पांच अंक गंवाना स्वीकार नहीं किया जा सकता है। कोनोर गालेघर (4) और पामर (19) ने पेनाल्टी पर गोलकर चेल्सी को 2-0 की बढ़त दिलाई, लेकिन गारनाचो (34) और ब्रूनो फर्नांडीज (39) ने पहले हाफ में ही यूनाइटेड को बराबरी दिला दी।

न्यूज ब्रीफ

जस्टिन लैंगर ने किया इशारा.....जल्द टूट सकता हैं शोएब अख्तर का रिकॉर्ड

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग में लखनऊ सुपर जाइंट्स के लिए खेल रहे मयंक यादव इन दिनों अपनी तेजतर्रार स्पीड के कारण चर्चा में हैं। सीजन की सबसे तेज गेंद (156.7 किलोमीटर प्रति घंटे) फेंकने का रिकॉर्ड भी उनके नाम हो गया है। उम्मीद है कि वह तेज पिचों पर 100 मील प्रति घंटे की रफ्तार का शोएब अख्तर का रिकॉर्ड तोड़ने में सफल हो सकते है। इसी बीच ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर जस्टिन लैंगर ने शोएब अख्तर या मयंक यादव में कौन तेज है, सवाल पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। बीते दिनों लैंगर ने यादव की प्रशंसा कर पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर को एक हल्का-फुल्का संदेश भी भेजा था। फ्रेंचाइजी द्वारा अपलोड किए गए वीडियो में, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर को अख्तर की पंच लाइन, फेंटा मार दिया कहते हुए देखा जा सकता है। स्पष्ट है कि लैंगर कहना चाह रहे हैं कि अख्तर का रिकॉर्ड आगामी दिनों में टूट सकता है। वहीं, मयंक यादव ने सीजन में अपनी बेहतरीन गेंदबाजी के लिए इशांत शर्मा और नवदीप सैनी से मिली सलाह का जिक्र किया है। मयंक ने कहा कि मैंने दिल्ली में जितने भी गेंदबाजों से बात की, इशांत भाई और सैनी भाई, उन सभी ने मुझसे कहा कि अगर मैं कुछ नया करना चाहता हूं, तब भी मुझे अपनी गति के आसपास खेलना चाहिए। इस बीच ऑस्ट्रेलियाई ऑलराऊंडर ग्लेन मैक्सवेल ने भी मयंक की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि मुझे लगा कि यह वास्तव में प्रभावशाली था, उन्होंने पंजाब के कुछ बल्लेबाजों पर जल्दबाजी की और मैंने निश्चित रूप से उनके खिलाफ आने से पहले थोड़ा होमवर्क किया। उसके पास कुछ वास्तविक अतिरिक्त गति है जो आप इस समय विश्व क्रिकेट में बहुत अधिक नहीं देखते हैं। आप देखते हैं कि लोग 140 किमी प्रति घंटा के आसपास लगातार गेंदबाजी करते हैं।

टी20 वर्ल्ड कप : सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में गेल सबसे ऊपर, टॉप 10 खिलाड़ियों में भारत के सुरेश रैना का नाम भी

मुंबई। टी20 वर्ल्ड कप का नौवां एडिशन एक जून से खेला जाएगा। इस मेगा टूर्नामेंट के मैच वेस्टइंडीज और यूएसए में खेले जाएंगे। भारतीय टीम अपना पहला मैच 5 जून को आयरलैंड के खिलाफ खेलेगी। पिछले 9 एडिशन में कई रिकॉर्ड बने हैं और कई टूटे भी हैं। टी20 वर्ल्ड कप में बने रिकॉर्ड की बात करें तो वेस्टइंडीज के ओपनर क्रिस गेल टी20 विश्व कप में दो शतक जड़ चुके हैं. गेल ने पहली बार 2007 में मेजबान साउथ अफ्रीका के खिलाफ 100 रन जड़े थे। गेल ने 117 रन की पारी खेली थी जबकि दूसरी बार उन्होंने 2016 के विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 100 रन बनाए थे। ओवरऑल टी20 में गेल ने 463 टी20 मैच में 22 शतक जड़े हैं। गेल टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले बल्लेबाज हैं। इंग्लैंड के पूर्व ओपनर एलेक्स हेल्स ने 2014 में श्रीलंका के खिलाफ चटोग्राम में टी20 विश्व कप में नाबाद 116 रन की पारी खेली थी। हेल्स ने उन्होंने 64 गेंदों पर 11 चौके और 6 छक्के जड़े थे। पाकिस्तान के अहमद शहजाद विश्व कप में सबसे बड़ी पारी खेलने के मामले में चौथे नंबर पर हैं। शहजाद ने 2014 में विश्व कप में बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद नाबाद 111 रन बनाए थे। साउथ अफ्रीका के राइली रुसो ने टी20 वर्ल्ड कप में सबसे बड़ी पारी खेलने के मामले में 5वें नंबर पर हैं. रुसो ने 2022 विश्व कप बांग्लादेश के खिलाफ सिडनी में 109 रन बनाए थे।

भारतीय-अमेरिकी भाटिया टेक्सास में आगे, मास्टर्स में जगह बनाने के लिए जीत की जरूरत

सैन एंटोनियो। भारतीय-अमेरिकी अक्षय भाटिया अगले सप्ताह मास्टर्स में पहली शुरुआत से सिर्फ 36 होल दूर हैं। हालांकि, 22 वर्षीय भाटिया को शीर्ष पर बने रहने और वेलेरो टेक्सास ओपन जीतने की जरूरत है, जहां वह दो राउंड बाकी रहते हुए पांच शॉट से मजबूत क्षेत्र में आगे हैं। ऑगस्टा नेशनल में वेलेरो टेक्सास ओपन के विजेता के लिए एक स्थान आरक्षित है। पहले दिन शानदार 63 का शानदार कार्ड खेलने के बाद, उन्होंने दो लेट बर्डीज़ के साथ 2-अंडर 70 का स्कोर जोड़ा, जिससे उनकी बढ़त पांच शॉट तक पहुंच गई। 22 वर्षीय खिलाड़ी ने फ्रंट नौ में दूसरे और आठवें होल पर पार 5 पर बर्डी लगाई और बीच में पार-3 के आठवें होल पर बर्डी लगाई। हवा चलती रही और खिलाड़ी शॉट छोड़ते रहे और भाटिया बढ़त बनाते रहे और उसे बढ़ाते रहे। भाटिया 11-अंडर 133 पर थे। भाटिया ने पिछली गर्मियों में बाराकुडा चैम्पियनशिप जीती थी, लेकिन इसे ओपन चैम्पियनशिप के उसी सप्ताह एक अतिरिक्त कार्यक्रम के रूप में खेला गया था और इससे उन्हें मास्टर्स में प्रवेश नहीं मिला।

राजस्थान ने आरसीबी को छह विकेट से हराया बैंगलुरु की तीसरी हार, बटलर का शतक

जयपुर, 06 अप्रैल (एजेंसियां)।

इंडियन प्रीमियर लीग-2024 (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स ने लगातार चौथी जीत दर्ज की है। टीम ने अब होम ग्राउंड जयपुर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 6 विकेट से हराया। आरसीबी की यह 17वें सीजन में चौथी हार है। सवाई मानसिंह स्टेडियम में आरसीबी ने 20 ओवर में 3 विकेट 183 रन बनाए। आरआर ने 19.1 ओवर में 4 विकेट गंवाकर टारगेट हासिल कर लिया। जोस बटलर ने आखिरी ओवर डालने आए कैमरन ग्रीन की पहली बॉल पर छक्का जमाते हुए टीम को जीत दिलाई और 58 बॉल पर शतक भी पूरा किया। कप्तान संजू सैमसन ने 69 रन बनाए। बटलर-सैमसन ने 148 रन की मैच विनिंग पार्टनरशिप की।

आरसीबी से विराट कोहली ने सीजन की पहली सेंचुरी लगाई, उन्होंने 73 बॉल पर 113 रन बनाए, लेकिन उनकी टीम स्कोर डिफेंड नहीं कर सकी। युजवेंद्र चहल ने 2 विकेट लिए।आरसीबी पर मिली इस जीत के साथ ही राजस्थान की टीम अंक तालिका में चार मैचों में चार जीत के साथ आठ लेकर शीर्ष पर पहुंच गई है, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम छह अंकों के साथ दूसरे स्थान पर मौजूद है। 184 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए हालांकि राजस्थान की

शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और टीम ने पहले ही ओवर में यशस्वी जायसवाल का विकेट गंवा दिया था। यशस्वी खाता खोले बिना आउट हुए थे, लेकिन इसके बाद बटलर और कप्तान संजू सैमसन ने मिलकर पारी को संभाला और दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 148 रनों की साझेदारी कर टीम की जीत की नींव रखी। सैमसन अर्धशतक लगाने के बाद अपना विकेट गंवा बैठे, लेकिन बटलर अंत तक टिके रहे और उन्होंने छक्के के साथ अपना शतक पूरा किया और टीम को छह विकेट से जीत दिलाई। इसी के साथ कोहली का शतक बेकार गया जिन्होंने अपनी टीम के लिए साहसिक पारी खेली थी। 17वें ओवर की चौथी बॉल पर राजस्थान ने चौथा विकेट गंवा दिया है। यहां रीस टॉप्ली ने ध्रुव जुरेल को पवेलियन भेजा। उन्हें विकेटकीपर दिनेश कार्तिक ने कैच किया। जुरेल 2 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इस ओवर के बाद राजस्थान का स्कोर 170/4 रहा। 16वें ओवर में राजस्थान को तीसरा झटका लगा। ओवर की चौथी बॉल पर यश दयाल ने रियान पराग को विराट कोहली के हाथों कैच कराया। रियान 4 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इस ओवर के बाद राजस्थान का स्कोर 160 रन रहा। 15वें ओवर में मोहम्मद सिराज ने राजस्थान को दूसरा झटका दिया। उन्होंने ओवर की चौथी बॉल पर संजू सैमसन को यश दयाल के हाथों कैच कराया। सैमसन 69 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने जोस बटलर के साथ 86 बॉल पर 148 रन की साझेदारी की। इसी ओवर में राजस्थान ने 150 रन का आंकड़ा पार कर लिया। इस ओवर में राजस्थान का स्कोर 152/2 रहा। 11वें ओवर की पहली बॉल पर मयंक डागर ने नॉन स्ट्राइक पर बटलर के रनआउट का मौका गंवाया। इसी ओवर में कप्तान संजू सैमसन ने खझड करियर की 22वीं फिफ्टी जमाई। इतना ही नहीं, इस ओवर में राजस्थान का स्कोर 100 रन पार हो गया। इसी के साथ बटलर और सैमसन ने शतकीय साझेदारी पूरी कर ली है। ओवर के बाद राजस्थान का स्कोर 109/1 रहा। राजस्थान के ओपनर जोस बटलर ने खझड करियर की 20वीं हाफ सेंचुरी पूरी कर ली है। उन्होंने 30 बॉल पर फिफ्टी जमाई। बटलर ने इस सीजन की पहली फिफ्टी जमाई। उन्होंने सिराज के ओवर की 5वीं बॉल पर एक रन लेकर अर्धशतक जमाया। 10 ओवर के बाद राजस्थान का स्कोर 95/1 रहा। 8वें ओवर में संजू सैमसन को जीवनदान मिला। हिमांशु शर्मा के ओवर की चौथी बॉल पर डीप मिडविकेट पर विराट कोहली से उनका कैच छूटा और बॉल रस्सी के बाहर चली गई। इस ओवर के बाद राजस्थान का स्कोर 77/1 रहा।

भगवान शिव की शरण में पहुंचे पंड्या

अहमदाबाद,06 अप्रैल ।

मुम्बई इंडियंस के नये कप्तान हार्दिक पंड्या आजकल अपने करियर के खराब दौर से गुजर रहे हैं। आईपीएल 2024 में उनकी टीम अब तक एक भी मैच नहीं जीत पायी है। ऐसे में निराश पंड्या अब भगवान शिव की शरण में पहुंचे हैं। मुंबई इंडियंस की टीम का मुकाबला रविवार को दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगी। ऐसे में इस मैच से पहले पंड्या भगवान महादेव के मंदिर में पूजा अर्चना के लिए पहुंचे। पंड्या का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया है। इसमें वह सोमनाथ मंदिर में भगवान शिव की अराधना करते हुए दिख रहे हैं। वह शिवलिंग पर जल चढ़ा रहे हैं जबकि उनके साथ बैठे पंडित जी मंत्र पढ़ रहे हैं। पंड्या अकेले ही यहां पूजा के लिए पहुंचे थे। दिल्ली के खिलाफ मैच से पहले मुम्बई के लिए सकारात्मक बात ये है कि उनके आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव फिट होकर टीम में शामिल हो गये हैं। इससे टीम की बल्लेबाजी मजबूत होने की उम्मीद है। सूर्या ने टीम से जुड़ने के बाद नेट सत्र में भी भाग लिया। वह अभ्यास के दौरान काफी बेहतर शॉट लगाते दिखे। सूर्या पिछले साल दिसंबर से क्रिकेट के मैदान से बाहर रहे हैं। पहले उनके टखने में चोट लगी, फिर स्पोटर्स हर्निया के कारण वह परेशान रहे। उनकी वापसी से टीम की बल्लेबाजी बेहतर होगी।

युकी-ओलिवेट्टी की जोड़ी मराकेश ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में, इन्हें दी शिकस्त

मराकेश (मोरक्को)। भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के अलबानो ओलिवेट्टी ने तीसरी वरीयता प्राप्त निकोलस बारियेंटोस और रफेल माटोस को हराकर एटीपी मराकेश ओपन पुरुष युगल सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। युकी और अलबानो की गैर वरीय जोड़ी ने दो घंटे चले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में कोलंबिया के निकोलस और ब्राजील के रफेल को 7-6, 6-7, 10-7 से हराया। अब उनका सामना दूसरी वरीयता के लुकास मिडलन और ऑस्ट्रिया के एलेक्जेंडर एर्लर से होगा। भांबरी और ओलिवेट्टी ने दस एसेज लगाए जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी जोड़ी ने तीन ही लगाए थे।

आईओए में घमासान चरम पर, नौ सदस्यों ने नोटिस चस्पा कर अनधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर लगाई रोक

नई दिल्ली,06 अप्रैल (एजेंसियां) ।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) में सीईओ समेत दो नियुक्तियों को लेकर घमासान चरम पर पहुंच गया है। उपाध्यक्ष राजलक्ष्मी सिंह देव की अगुवाई में आईओए कार्यकारिणी के नौ सदस्यों ने संघ परिसर में नोटिस चस्पा कर अनधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक लगा दी है।

सीईओ की नियुक्ति निरस्त कर चुकी है कार्यकारिणी

कार्यकारिणी सदस्यों का इशारा जनवरी में नियुक्त किए गए सीईओ रघुराम अय्यर और आईओए अध्यक्ष पीटी उषा के कार्यकारी सहायक कैप्टन अजय नारंग को लेकर है। सीईओ की नियुक्ति को लेकर छह जनवरी से ही पीटी उषा और कार्यकारिणी सदस्यों के बीच टकराव हो रहा है। कार्यकारिणी सदस्यों का कहना है कि सीईओ का भारीभरकम वेतन (20 लाख रुपये प्रति माह, कुल सालाना वेतन तीन करोड़ रुपये) काफी ज्यादा है।

हाल ही में 15 सदस्यीय कार्यकारिणी में से 12 सदस्यों ने सीईओ की नियुक्ति को निरस्त कर दिया था। हालांकि सीईओ अपना कार्यभार संभाले रहे। इसके बाद ही कार्यकारिणी सदस्यों ने बैठक कर नोटिस चस्पा कर दिया। नोटिस पर राजलक्ष्मी सिंह देव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजय पटेल, कोषाध्यक्ष सहदेव यादव, उपाध्यक्ष गगन नारंग, सदस्य योगेश्वर दत्त, डोला बनर्जी, भूपेंद्र सिंह

बाजवा, अमिताभ शर्मा और हरपाल सिंह के हस्ताक्षर हैं।

विरोध पर आईओए हो सकता है निलंबितः उषा

पीटी उषा का कहना है कि कार्यकारिणी सदस्यों ने सीईओ के वेतन पर फिर से विचार करने को कहा था। इसके बाद उनके वेतन में 30 प्रतिशत की कटौती कर दी गई। उषा ने कार्यकारिणी सदस्यों को चेतावनी दी कि अगर सदस्य इसी तरह विरोध जारी रखेंगे तो अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए आईओए को निलंबित कर सकती है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में ओलंपिक तैयारियों को पुख्ता करेगा भारत, उम्दा प्रदर्शन की उम्मीद

पर्थ,06 अप्रैल (एजेंसियां) ।

शानदार फॉर्म में चल रही भारतीय पुरुष हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक से पहले अपनी तैयारियों को पुख्ता करने के लिए यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में उम्दा प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। इस सीरीज से भारत को पेरिस ओलंपिक से पहले अपनी ताकत और कमजोरियों को आंकने का मौका मिलेगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया पूल-बी में शामिल भारत और ऑस्ट्रेलिया को पेरिस ओलंपिक के पुरुष हॉकी टूर्नामेंट में पूल बी में रखा गया है। दोनों टीमें दो अगस्त को अपने अंतिम ग्रुप मैच में भिड़ेंगी। पेरिस ओलंपिक की 16 सदस्यीय टीम में जगह बनाने के लिए युवा खिलाड़ियों के लिए यह सीरीज काफी महत्वपूर्ण होगी। मुकाबले छह, सात, दस, 12 और 13 अप्रैल को खेले जाएंगे। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, हमारा फोकस अपनी रणनीति पर प्रभावी अमल करके ऑस्ट्रेलिया की चुनौती का माकूल जवाब देने पर होगा। भारत ने विदेशी धरती पर 10 साल पहले जीती थी सीरीज भारत ने आखिरी बार 2014 में विदेश में टेस्ट सीरीज जीती थी। फरवरी में एफआईएच प्रो लीग में शानदार

प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम आत्मविश्वास से ओतप्रोत है। भारत ने प्रो लीग में भुवनेश्वर में चार में से तीन मैच जीते और राउरकेला में अपराजेय रही। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसे दोनों मैचों में पराजय मिली। दोनों टीमें ओलंपिक में एक ही ग्रुप में है लिहाजा टेस्ट सीरीज के जरिये दोनों को एक-दूसरे को आंकने का मौका मिलेगा। हमें अपनी क्षमता पर भरोसा कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा , हम इस चुनौती के लिए तैयार हैं। हमें पता है कि ऑस्ट्रेलिया कठिन प्रतिद्वंद्वी है लेकिन हमें अपनी क्षमता और तैयारियों पर भरोसा है। हमारा लक्ष्य सिर्फ इस सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करना नहीं बल्कि एक ईकाई के रूप में खुद को निखारना भी है। वहीं, मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिए यह सीरीज बहुत महत्वपूर्ण है। हमें अपनी रणनीतियों को अंतिम रूप देना है और उन पहलुओं का पता करना है जिनमें सुधार की जरूरत है।

शोएब मलिक से अलग होने के बाद मीडिया के सामने आईं सानिया मिर्जा, बेटे इजहान-डब्लूपीएल को लेकर कही यह बात

नई दिल्ली,06 अप्रैल (एजेंसियां) ।

पिछले कुछ समय से भारत की पूर्व टेनिस स्टार सानिया मिर्जा काफी चर्चा में हैं। दरअसल, उनके पूर्व पति शोएब मलिक ने अचानक से तीसरी शादी रचाई थी। इसके बाद खुलासा हुआ था कि सानिया ने काफी समय पहले ही शोएब को तलाक दे दिया था। हालांकि, इसकी भनक लोगों को नहीं लग सकी थी। इसके बाद सानिया ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर भी कई भावुक कर देने वाले मैसेज पोस्ट किए थे। हालांकि, इस पूरे मुद्दे को लेकर उन्होंने मीडिया में कुछ खास बयान नहीं दिया था। अब वह मीडिया के सामने आई हैं। इस दौरान सानिया ने कई पहलुओं पर बातचीत की।

सानिया ने कहा- हमें, एक राष्ट्र के रूप में, एक समाज के रूप में अधिक से अधिक लड़कियों को उनके सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। हमें अधिक से अधिक लड़कियों को वह करने के लिए प्रोत्साहित करना होगा जो उन्हें पसंद है, चाहे वह लीक से हटकर ही क्यों न हो। मुझे लगता है कि धीरे-धीरे ऐसा हो रहा है, लेकिन सुधार की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है।

इसी साल पेरिस में ओलंपिक होना है। भारतीय फैंस अपने एथलीट से कई पदकों की

आस लगाए बैठे हैं। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों और हांगझोऊ एशियाई खेलों में भारतीय एथलीटों की सफलता के बाद फैंस को स्वर्ण पदक की काफी उम्मीद है। 2021 टोक्यो ओलंपिक में नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में भारत को स्वर्ण पदक दिलाया था। हालांकि, सानिया का मानना है कि ओलंपिक सिर्फ एक दिन की मेहनत का नतीजा नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हर बार जब ओलंपिक आते हैं तो आप स्वर्ण पदक की उम्मीद नहीं कर सकते हैं।

तीन बार की ओलंपियन सानिया ने कहा, अगर आपने पिछले चार वर्षों में उनका समर्थन नहीं किया है तो पदक की उम्मीद करने का हक नहीं रख सकते। मुझे लगता है कि सबसे पहली और सबसे महत्वपूर्ण बात यह समझना है कि स्वर्ण पदक रातोंरात नहीं बनते हैं। स्वर्ण पदक वर्षों और वर्षों के आंसू और पसीने से बने होते हैं। एथलीट कई वर्षों तक इसके लिए मेहनत करते हैं। लोग सिर्फ ओलंपिक से पहले दो से तीन महीने तक इस पर ध्यान देते हैं। पिछले साल टेनिस से संन्यास लेने सानिया ने कहा कि भले ही भारत विश्व खेल में एक नई ऊंचाई पर पहुंच गया है, लेकिन सुधार की हमेशा गुंजाइश है और लोगों को कई वर्षों तक एथलीटों का समर्थन करने की आवश्यकता है। भारत ने अपने एशियाई खेलों 2023 के अभियान को 107 पदकों के रिकॉर्ड के साथ समाप्त किया। इनमें 28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य पदक शामिल हैं। वहीं, टोक्यो ओलंपिक में भारत ने सात पदक जीते थे, जो कि सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था।

टेनिस से संन्यास लेने के सवाल पर सानिया ने कहा, मेरी रिटायरमेंट का एक कारण मेरे बेटे के साथ समय बिताना था, जो अब मैं करती हूं और मुझे ऐसा करना पसंद है। मैं अभी भी काम करती हूं। हैदराबाद में मेरी टेनिस अकादमी है, दुबई में भी कुछ हैं और मैं खुद को व्यस्त रखती हूं, लेकिन मैं जानबूझकर खुद को ज्यादा व्यस्त नहीं रखना चाहती, क्योंकि मैं अपने बेटे के साथ कुछ समय बिताना चाहती हूं।

सानिया को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पिछले सीजन महिला प्रीमियर लीग में अपना मेंटर नियुक्त किया था। इस लीग को लेकर सानिया ने कहा- डब्लूपीएल महिला क्रिकेट के लिए बहुत बड़ी चीज है क्योंकि महिला क्रिकेट हमेशा से खेला जाता रहा है। ऐसा नहीं है कि उन्होंने इस तरह का कुछ खेला नहीं है, लेकिन उन्हें वह पहचान नहीं मिल पाई जो पुरुष क्रिकेटरों को मिलती थी। अब इस मंच के साथ, डब्लूपीएल के साथ, मुझे लगता है कि यह उनके लिए वास्तव में बहुत अच्छा हो गया है कि वे अपनी प्रतिभा दिखा सकें और यह भी दिखा सकें कि वे जो करती हैं उसमें वे कितनी अच्छे हैं। जितनी अधिक निगाहें, खेल उतना ही बड़ा हो जाता है।

आईएमएफ ने कहा–भारत की जीडीपी की 8 प्रतिशत वृद्धि दर का अनुमान हमारा नहीं

वाशिंगटन, 06 अप्रैल (एजेंसियां) ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ ने 2047 तक भारतीय अर्थव्यवस्था के 8 फीसदी की दर से बढ़ने के अनुमान पर सफाई देते हुए कहा, यह आंकड़ा हमारा आधिकारिक नही है। बल्कि, आईएमएफ के कार्यकारी निदेशक और भारत के प्रतिनिधि कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यम की निजी राय है। आईएमएफ की प्रवक्ता जूली कोजैक ने कहा, सुब्रमण्यन के विचार आईएमएफ में भारत के प्रतिनिधि के रूप में उनकी भूमिका के तौर पर थे। आईएमएफ के प्रवक्ता ने कहा, सुब्रमण्यम कार्यकारी बोर्ड के सदस्य हैं। यह बोर्ड कार्यकारी निदेशकों से बना है, जो देशों के प्रतिनिधि हैं। ये आईएमएफ कर्मचारी का हिस्सा नहीं हैं। इनका काम आईएमएफ से अलग है। उन्होंने कहा कि भारत की वृद्धि के लिए जनवरी तक हमारा अनुमान 6.5 फीसदी था। कुछ ही हफ्तों में फिर से पूर्वानुमान पेश किए जाएंगे। यह है मामला सुब्रमण्यम ने कहा था कि भारतीय अर्थव्यवस्था 2047 तक 8 फीसदी की दर से बढ़ सकती है। अगर यह रफ्तार कायम रही तो इस अवधि तक भारत 55 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। हालांकि यह तभी संभव है, जब देश पिछले 10 वर्षों में लागू की गई अच्छी नीतियों को दोगुना कर सके और सुधारों में तेजी लाए। सुब्रमण्यम ने कहा कि 8 फीसदी की वृद्धि दर महत्वाकांक्षी है क्योंकि भारत पहले लगातार इस रफ्तार से नहीं बढ़ पाया है, लेकिन इसे हासिल किया जा सकता है। अर्थव्यवस्था की रफ्तार उम्मीद से बेहतर भारतीय अर्थव्यवस्था 2023 के अंतिम तीन महीनों में उम्मीद से बेहतर 8.4 फीसदी की दर से बढ़ी। यह पिछले डेढ़ साल में जीडीपी वृद्धि की सबसे तेज रफ्तार है। अक्तूबर–दिसंबर में वृद्धि दर के दम पर चालू वित्त वर्ष के लिए विकास दर अनुमान को 7.6 फीसदी तक बढ़ा दिया गया है। इन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता आईएमएफ में भारत के कार्यकारी निदेशक ने यह भी कहा कि भूमि, श्रम, पूंजी और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में सुधार की आवश्यकता है। विनिर्माण क्षेत्र में सुधार जरूरी है। इसके साथ ही, हमें विनिर्माण क्षेत्र को कर्ज देने के लिए बैंकिंग क्षेत्र में भी सुधार पर बल देना होगा। रोजगार सृजन पर देना होगा जोर, बढ़ेगी खपत सुब्रमण्यम ने कहा, 1991 के बाद से ऐतिहासिक रूप से भारत की औसत आर्थिक वृद्धि दर 7 फीसदी से थोड़ी अधिक रही है। भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की जरूरत है क्योंकि देश की जीडीपी का लगभग 58 फीसदी घरेलू उपभोग से आता है। इसलिए, आप जानते हैं...हमारे पास क्षमता है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका में भारतीयों को लाभ प्रवासियों के रहने की अवधि बढ़ेगी, 180 दिन की सीमा बढ़ाकर 540 दिन हुए

वॉशिंगटन । अमेरिकी नागरिकता व आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) ने अस्थायी अंतिम नियम

(टीएफआर) की घोषणा की है। इसमें कार्य परमिट के लिए आप्रवासियों की पात्रता का विस्तार किया गया है। इसके तहत कुछ रोजगार प्राधिकरण दस्तावेजों (ईएडी) के लिए स्वचालित 180 दिन की अवधि 540 दिनों तक बढ़ा दी गई है। यानी अमेरिका में रहने की अवधि बढ़ जाएगी, जिसका सर्वाधिक लाभ भारतीयों को मिलना तय है। इस कार्रवाई के तहत गत 12 महीनों में ईएडी प्रसंस्करण अवधि काफी कम कर दी गई है। बृस्पतिवार देर शाम घोषित ये अस्थायी उपाय, पहले से ही कार्य-अधिकृत गैर-नागरिकों को उनके लंबित ईएडी नवीनीकरण आवेदनों पर निर्णय लेने की प्रतीक्षा के वक्त, उनके रोजगार प्राधिकरण और दस्तावेजीकरण में चूक से रोकेंगे। इससे अमेरिकी नियोक्ताओं के लिए संचालन की निरंतरता भी सुव्यवस्थित हो सकेगी। यह बाइडन प्रशासन द्वारा कार्य-अधिकृत व्यक्तियों को कार्यबल में शामिल करने के लिए नवीनतम कदम है। यह ऐतिहासिक घोषणा, विशेष रूप से दक्षिण एशियाई प्रवासियों को लाभ पहुंचाने वाली होगी। यह व्हाइट हाउस एशियन अमेरिकन एंड नेटिव हवाईयन पैसिफिक आइलैंडर (एएएनएचपीआई) आयोग में राष्ट्रपति बाइडन के सलाहकार अजय भुटोरिया द्वारा की गई एक सिफारिश का क्रियान्वयन है। ग्रीन कार्ड बैकलॉग में कमी आएगी इन प्रयासों का लक्ष्य अमेरिका में लगातार आव्रजन सुधार और ग्रीन कार्ड बैकलॉग में कमी लाना है। इससे 10 लाख से अधिक दक्षिण एशियाई लोगों को भरपूर लाभ मिल सकेगा। विशेष रूप से, व्हाइट हाउस एएएनएचपीआई आयोग को उनकी पिछली सिफारिशों के कारण बाइडन प्रशासन ने अमेरिका में एच-1बी वीजा में घरेलू नवीनीकरण स्टैम्पिंग को सक्षम करने के वास्ते एक पायलट कार्यक्रम शुरू किया है। सहयोगात्मक प्रयासों का प्रमाण यूएससीआईएस की घोषणा सामुदायिक वकालत और नीतियों को आकार देने में सहयोगात्मक प्रयासों का एक प्रमाण है। यह आप्रवासी समुदायों को सीधे प्रभावित करती है, जिसका असर नवीकरण तंत्र पर पड़ा। 2022 में कवर सभी श्रेणियों पर लागू यूएससीआईएस के एक प्रवक्ता के अनुसार, यदि नया विनियमन लागू नहीं किया गया तो आठ लाख अप्रवासियों की नौकरी खोने का खतरा था। बाइडन प्रशासन ने दूसरी बार 540 दिनों के विस्तार की घोषणा की है।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ का बड़ा एलान 13 अप्रैल को सरकार के खिलाफ करेगा प्रदर्शन

इस्लामाबाद । पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) सरकार के विरोध में एक बड़ा अभियान

छेड़ने वाली है। इसके लिए पीटीआई ने एलान किया है कि वह 13 अप्रैल को बलूचिस्तान में नवगठित विपक्षी दलों के महागठबंधन के साथ मिलकर एक बड़ी जनसभा करेगी। बड़े स्तर पर जन आंदोलन शुरू करना मकसद पार्टी की ओर से कहा गया कि इस रैली का उद्देश्य मौजूदा सरकार के खिलाफ बड़े स्तर पर जन आंदोलन शुरू करना है। पीटीआई कोर कमेटी की बैठक में बलूचिस्तान के पिशिन जिले में आगामी 13 अप्रैल की रैली पर चर्चा हुई। इस दौरान फैसला लिया गया कि पीटीआई और सहयोगी पार्टियां संयुक्त रूप से महागठबंधन के मंच से एक जन आंदोलन शुरू करेंगी और पहली बड़ी जनसभा 13 अप्रैल को पिशिन में होगी। यह पार्टियां होंगी शामिल बता दें, पीटीआई ने उन पार्टियों के साथ गठबंधन किया है, जिन्होंने आठ फरवरी के चुनाव के नतीजों पर आपत्ति जताई थी। विरोध करने वाली पार्टियां बलूचिस्तान नेशनल पार्टी (बीएएनपी), पश्तूनख्वा मिल्ली आवामी पार्टी (पीएकेएमपी), जमात-ए-इस्लामी (जी), मुत्ताहिदा वहदत-उल-मुस्लिमीन (एमओएम) आदि थीं। अचकजई गठबंधन का नेतृत्व करेंगे रिपोर्ट के अनुसार, पार्टियों ने एक समझौता किया है कि पख्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी (पीकेएमएपी) के प्रमुख महमूद खान अचकजई गठबंधन का नेतृत्व करेंगे। इसके अलावा अचकजई जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई) के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान से संपर्क करने की कोशिश की जाएगी ताकि उन्हें गठबंधन में शामिल होने के लिए राजी किया जा सके। जेयूआई के प्रमुख के साथ बैठक के बाद गठबंधन की औपचारिक घोषणा की जाएगी। महिला कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की निंदा इसके बाद, पीटीआई कोर कमेटी ने पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं विशेष रूप से आलिया हमजा और सनम जावेद को एक अदालत द्वारा जमानत दिए जाने के बाद उनकी फिर से गिरफ्तारी और रिमांड की निंदा की। वहीं, बैठक में इमरान खान और उनकी पत्नी सहित सभी नेताओं की तत्काल रिहाई की भी मांग की गई। समिति ने खैबर-पख्तूनख्वा (के-पी) में सीनेट चुनाव स्थगित करने की भी निंदा की और इसे संविधान का उल्लंघन करार दिया। पीटीआई के बल्ले के चुनाव चिह्न को बहाल करने की मांग बैठक में पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) से पार्टी के भीतर होने वाले चुनावों के बाद पीटीआई के बल्ले के चुनाव चिह्न को बहाल करने की मांग की गई।

इजराइल पर बड़े हमले की तैयारी कर रहा ईरान अमेरिका को दी चेतावनी- बीच में मत आना

वाशिंगटन, 06 अप्रैल (एजेंसियां) ।

ईरान, इजराइल पर बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। साथ ही ईरान ने अमेरिका से कहा है कि वह बीच में न आए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान ने वॉशिंगटन को एक लिखित संदेश भेजा है। इस संदेश में ईरान ने चेतावनी दी है कि अमेरिका को बीच में नहीं आना चाहिए और नेतन्याहू के जाल में नहीं फंसना चाहिए। दरअसल हाल ही में सीरिया में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हमला हुआ था।

ईरान ने इसका आरोप इजराइल पर लगाया है। इसी हमले के जवाब में ईरान, इजराइल के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी कर रहा है।

ईरान ने दी धमकी

ईरानी राष्ट्रपति के राजनीतिक मामलों के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ मोहम्मद जमशीदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया है। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा है कि अमेरिका को बीच में नहीं आना चाहिए ताकि वह हमले की चपेट में न आ जाए। जमशीदी ने कहा कि अमेरिका ने ईरान से कहा है कि वह अमेरिकी ठिकानों को निशाना न बनाए।

हालांकि अमेरिका ने अभी तक ईरान के संदेश पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, ईरान की चेतावनी के बाद अमेरिका भी हाई अलर्ट पर है और इजराइल में अपने ठिकानों की सुरक्षा को लेकर चिंतित है। बीते दिनों सीरिया में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हमला हुआ था। इस हमले में ईरानी सेना के एक वरिष्ठ जनरल समेत 13 लोग मारे गए थे। ईरान इस हमले का आरोप इजराइल पर लगा रहा है, लेकिन इजराइल ने आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

पश्चिम एशिया में लड़ाई बढ़ने की बढ़ी आशंका

इजराइल द्वारा काफी दिनों से सीरिया में ईरान से जुड़े ठिकानों पर हमला किया जा रहा था, लेकिन ताजा हमला अपने आप में पहला है, जिसमें ईरानी दूतावास को निशाना बनाया गया। ईरानी दूतावास पर हमले में हिजबुल्ला के लड़ाके भी मारे गए हैं। अब हिजबुल्ला के नेता हसन नसरल्ला ने कहा कि बेशक ईरान जवाब देगा, लेकिन उन्होंने कहा कि हिजबुल्ला इसमें कोई दखल नहीं देगा। इजराइल हमास युद्ध के बीच ईरान द्वारा इजराइल पर हमले की तैयारी से संघर्ष के पश्चिम एशिया के बड़े इलाके में फैलने का डर भी पैदा हो गया है।

हाई अलर्ट पर इजराइल

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि ईरान के संभावित हमले को देखते हुए इजराइल भी हाई अलर्ट पर है और इजराइल में कई जगहों पर नेविगेशन सिस्टम बंद कर दिया गया है। इजराइल को आशंका है कि ईरान, इजराइल पर हमले के लिए गाइडेड मिसाइल और ड्रोन्स का इस्तेमाल कर सकता है। ऐसे में नेविगेशन बंद होने से ईरान को परेशानी होगी। इजराइल में लोकेशन पर आधारित एप सर्विस भी बंद कर दी है। इजराइली सेना ने अपने सैनिकों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं और उनकी तैनाती के आदेश दिए हैं। कई शहरों में एंटी बॉम्ब शेल्टर शुरू कर दिए गए हैं।

गाजा में सहायताकर्मियों पर हमला करने के मामले में इजराइल सख्त अपने दो अधिकारियों को किया बर्खास्त

यरूशलम, 06 अप्रैल ।

हमास और इजराइल के बीच कई माह से युद्ध जारी है। इसे रुकवाने के लिए हर कोई कोशिश कर रहा है, लेकिन फिर भी जंग थमने का नाम नहीं ले रही है। हालांकि, इस बीच इजराइली सेना ने एक बड़ा कदम उठाया है। उसने गाजा में एक हमले में सात सहायताकर्मियों के मारे जाने वाली घटना पर कार्रवाई की है। सेना ने अपने दो अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया है और तीन अन्य को फटकार लगाई है। उसका कहना है कि अधिकारियों ने महत्वपूर्ण जानकारी को गलत तरीके से संभाला और सेना के नियमों का उल्लंघन किया।

सुनिश्चित करेंगे कि ऐसा दोबारा न हो

इजराइली सेना ने कहा कि एक जांच में सामने आया है कि उनके जवानों ने गलती से यह मान लिया था कि वे जिन्हें निशाना बना रहे हैं, वो हमास के आतंकी हैं। इजराइली सेना के प्रवक्ता डेनियल हागरी ने कहा कि यह एक गंभीर घटना है, जिसके लिए हम जिम्मेदार हैं और ऐसा नहीं होना चाहिए था और यह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसा दोबारा न हो। यह है मामला रिपोर्ट के अनुसार, इजराइली ड्रोन द्वारा तीन हवाई हमलों में एक ऑस्ट्रेलियाई, तीन ब्रिटिश, एक फलस्तीनी, एक उत्तरी अमेरिकी और एक पोल सहित सात सहायताकर्मी मारे गए थे। यह सभी तीन वाहनों के बीच अपनी जान बचाने के लिए भाग रहे थे। अमेरिका स्थित चैरिटी वर्ल्ड सेंट्रल किचन (डब्ल्यूसीके), जिसका काफिला मारा गया था, ने कहा था कि हमारे सहयोगियों की हत्या के लिए इजराइल का सिर्फ माफी मांगना बहुत ही ढीले रवैये को दिखाता है। डब्ल्यूसीके ने हमले की स्वतंत्र जांच की मांग की थी। डब्ल्यूसीके के सीईओ एरिन गोर ने कहा, इजराइल को मानवीय सहायता कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है। हमारा अभियान अभी भी निलंबित है।

सेना का बयान

इजराइली सेना ने कहा कि डब्ल्यूसीके सहायता को उतारने के बाद वाहन गोदाम से बाहर जा रहे थे, तभी जवानों ने देखा की वाहनों के अंदर कुछ बंदूकधारी मौजूद थे, जिन्हें उन लोगों ने हमास आतंकवादी समझा। इसलिए सेना ने सहायता वाहनों पर हमला कर दिया।

अमेरिका के ओहायो में भारतीय छात्र की मौत, भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कहा- जांच जारी है

न्यूयॉर्क, 06 अप्रैल (एजेंसियां) ।

अमेरिका के ओहायो में एक भारतीय छात्र की मौत हो गई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ओहायो के क्लीवलैंड में एक भारतीय छात्र उमा सत्य साईं गड्डे के दुर्भाग्यपूर्ण निधन से गहरा दुख हुआ।

वाणिज्य दूतावास ने कहा कि मौत की पुलिस जांच चल रही है और वह भारत में परिवार के साथ संपर्क में बनी हुई है। मृतक छात्र उमा गड्डे के पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द भारत पहुंचाने सहित हर संभव सहायता दी जा रही है।

बता दें कि 2024 की शुरुआत से अब तक अमेरिका में भारतीय और भारतीय मूल के छात्रों की कम से कम आधा दर्जन मौतें हो चुकी हैं। हमलों की संख्या में चिंताजनक वृद्धि ने समुदाय में चिंता पैदा कर दी है।

हाल के महीनों में अब तक सात भारतीयों की गई है जान

पिछले महीने, भारत के 34 वर्षीय प्रशिक्षित शास्त्रीय नर्तक अमरनाथ घोष की मिसौरी के सेंट लुइस में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके अलावा पर्ड्यू विश्वविद्यालय में 23 वर्षीय भारतीय-अमेरिकी छात्र समीर कामथ 5 फरवरी को इंडियाना में एक संरक्षित क्षेत्र में मृत पाए गए

थे। 2 फरवरी को, 41 वर्षीय भारतीय मूल के आईटी कार्यकारी विवेक तनेजा को वाशिंगटन में एक रेस्तरां के बाहर हमले के दौरान जानलेवा चोटें आईं।

यह अमेरिका में हाल के महीनों में किसी भारतीय या भारतीय-अमेरिकी की सातवीं मौत है। चार्ज डी अफेयर्स राजदूत श्रीप्रिया रंगनाथन के नेतृत्व में हुई बातचीत में लगभग 150 भारतीय छात्र संघ के पदाधिकारियों और 90 अमेरिकी विश्वविद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया। इसमें अटलांटा, शिकागो, ह्यूस्टन, न्यूयॉर्क, सैन फ्रांसिस्को और सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूत भी शामिल हुए।

टूटे पुल को दोबारा बनाने के लिए जमीन आसमान एक कर देंगे, अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन का वादा

बाल्टीमोर, 06 अप्रैल (एजेंसियां) ।

राष्ट्रपति जो बाइडन ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को बाल्टीमोर में फ्रांसिस स्कॉट के टूटे ब्रिज का दौरा किया। उन्होंने कहा कि पुल को दोबारा तैयार करने के लिए हम जमीन और आसमान एक कर देंगे।

बाइडन ने कहा, दोस्तों, हम इस पुल का यथासंभव तेजी से पुनर्निर्माण करने के लिए जमीन-आसमान एक करने जा रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने क्षति को विनाशकारी बताते हुए पुष्टि की और कहा, पुल को दोबारा बनाने के लिए हम हर तरीके की मदद करेंगे। साथ ही मजदूर और निर्माण सामग्री का खर्च भी संघीय सरकार उठाएगी।

मैरीलैंड दौरे पर पहुंचे बाइडन ने टूटे पुल से हुए नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने घटनास्थल का मुआयना करते हुए कहा, मैं यहां आप लोगों के लिए आया हूं। इस मुश्किल घड़ी में पूरा देश आपके साथ है। बाइडन ने पिछले महीने के अंत में पुल ढहने से मारे गए छह लोगों के संदर्भ में कहा, नुकसान विनाशकारी है और हम इससे बहुत आहत हुए हैं।

घटना का आर्थिक प्रभाव क्या हो सकता है

सीधे तौर पर बंदरगाह 15,300 नौकरियां देता है, जबकि क्षेत्र में अन्य 1,40,000 लोग बंदरगाह

गतिविधियों से जुड़े हैं। रिपोर्ट के अनुसार, नौकरियों के जरिए 3.3 बिलियन (करीब 2.74 खरब रुपये) की आय होती है। बाल्टीमोर बंदरगाह ने मंगलवार को कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि जहाज यातायात कब तक निलंबित रहेगा।

बाल्टीमोर में क्या हादसा हुआ था

अमेरिकी राज्य मैरीलैंड के अंतर्गत आने वाले बाल्टीमोर शहर में बड़ा हादसा हो गया। दरअसल, एक बड़ा कंटेनर जहाज डाली शहर के मशहूर फ्रांसिस स्कॉट की ब्रिज से टकरा गया। टक्कर की वजह से वाहन और लोग पटप्सको नदी में गिर गए। जहाज बाल्टीमोर से रवाना हुआ था और श्रीलंका की राजधानी कोलंबो की ओर जा रहा था।

यूएस कोस्ट गार्ड के रियर एडमिरल शैनन गिलरेथ ने कहा कि छह लोग लापता हैं और उन्हें मृत मान लिया गया है। दो अन्य लोगों को पानी से बचा लिया गया। बताया गया कि सभी आठ लोग निर्माण कार्य से जुड़े थे और दुर्घटना के वक्त वे पुल पर गड्ढे भर रहे थे। लापता लोग होंडुरास, मैक्सिको और ग्वाटेमाला से बताए जा रहे हैं।

टॉप-20 में पांच अफ्रीकी शहर

द. अमेरिका के कराकस में सबसे अधिक अपराध सूची में भारत के ये शहर

जोहान्सबर्ग, 06 अप्रैल (एजेंसियां) ।

दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला का कराकस दुनिया का सबसे अधिक अपराध ग्रस्त शहर है। भारतीय शहरों की रैंकिंग में नई दिल्ली में आपराधिक वारदातें सबसे अधिक पाई गईं। यह दावा है नुम्बेओ की नई अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग का। रैंकिंग के अनुसार, दुनिया का दूसरा सबसे अपराध ग्रस्त शहर दक्षिण अफ्रीका की राजधानी प्रिटोरिया है।

रैंकिंग में अफ्रीका के चार और देश हैं, जिस वजह से दक्षिण अफ्रीका एकमात्र ऐसा देश बन गया, जिसके पांच शहर शीर्ष 20 में शामिल हैं। इसके अलावा, डरबन सूची में तीसरे स्थान पर है। जोहान्सबर्ग चौथे स्थान पर है। पोर्ट एलिजाबेथ आठवें तो केप टाउन 18वें स्थान पर रहा। विश्लेषकों के मुताबिक यह आंकड़ा दक्षिण अफ्रीका के पुलिस मंत्री भीकी सेले द्वारा समय-

समय पर जारी किए जाने वाले अपराध आंकड़ों के अनुरूप है।

भारत में दिल्ली में सबसे अधिक क्राइम

सूची में भारत के भी 11 शहर शामिल हैं। सूची में दिल्ली 70वें, नोएडा 87वें और गुड़गांव 95वें स्थान पर है। वहीं, बंगलूरू 102वें, इंदौर 136वें, कोलकाता 159वें, मुंबई 169वें, हैदराबाद 174वें, चंडीगढ़ 177वें और पुणे 184वें स्थान पर हैं।

उकसावे और गलतफहमी के कारण हुईं सबसे अधिक हत्याएं

रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 के आखिरी तिमाही में 7700 हत्याएं हुई हैं। रिपोर्ट में लिंग आधारित हिंसा का भी खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, 7340 हत्याओं में से 1116 हत्याएं तर्क, उकसावे और गलतफहमी के कारण हुई हैं। वहीं, 431 हत्याएं मोब लिंचिंग (भीड़ की हिंसा) के कारण हुई हैं। महिलाओं से जुड़े अपराधों पर विशेषज्ञों ने चिंता जाहिर की है। फिरौती के लिए अपहरण दक्षिण अफ्रीका में संगठित अपराध बन गया है। एसएपीएस (दक्षिण अफ्रीका पुलिस सेवा) अपहरण से जुड़े समूहों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने में जुटी है।

दक्षिण अफ्रीका में अपराध बढ़ने का यह है कारण

एक प्रमुख अपराध विज्ञानी प्रोफेसर खोलोफेलो रकुबू का कहना है कि दक्षिण अफ्रीका में हिंसा या हिंसक अपराध के उच्च स्तर की व्याख्या करने वाला कोई एक कारक नहीं है। दक्षिण अफ्रीका में हिंसक अपराध विभिन्न कारकों का परिणाम है। दक्षिण अफ्रीका में आग्नेयास्त्र से संबंधित अपराध लंबे समय से वहां व्याप्त हैं।

9 अप्रैल से हो रही है हिंदू नव वर्ष की शुरुआत

जानते हैं पूजा का महत्व और शुभ मुहूर्त

हिंदू नव वर्ष अंग्रेजी कैलेंडर और पश्चिमी मान्यताओं के अनुसार हर साल 1 जनवरी से नए साल की शुरुआत होती है। हिंदी कैलेंडर (क्ळपवळ लरश्रशपवरी) के अनुसार चैत्र माह की प्रतिप्रदा से नए साल की शुरुआत मानी जाती है। दरअसल, हिंदी कैलेंडर के मुताबिक, हिंदू नववर्ष की शुरुआत चैत्र प्रतिपदा से मानी जाती है। साल 2024 की शुरुआत विक्रम संवत 2081, 09 अप्रैल मंगलवार के दिन से हो रही है। साथ ही इस दिन से चैत्र नवरात्र भी प्रारंभ हो रहे हैं, जिसमें आदि शक्ति के नौ रूपों की पूजा करने का विधान है।

चैत्र मासि जगत ब्रह्मा संसर्ज प्रथमेऽहनि,
शुक्ल पक्षे समग्रेतु तदा सूर्योदय सति।।

ब्रह्मांण पुराण के इस श्लोक के अनुसार, भगवान विष्णु (तिंळीहर्पी) ने सृष्टि की रचना का कार्य ब्रह्मा जी को सौंपा था। मान्यताओं के अनुसार ब्रह्मा जी ने जब सृष्टि की रचना की थी, उस दिन चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि थी। साथ ही इसी तिथि पर धार्मिक कार्य करने का भी विशेष महत्व है। क्योंकि इसी तिथि से चैत्र नवरात्र की भी शुरुआत होती है, धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस तिथि पर आदि शक्ति प्रकट हुई थी।

पश्चिमी मान्यताओं के अनुसार पूरी दुनिया में 1 जनवरी को नया साल मनाया जाता है। जबकि हिंदी कैलेंडर के मुताबिक चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से हिंदू नव वर्ष की शुरुआत होती है। बता दें कि इस साल हिंदू नव वर्ष 9 वर्ष संवत 2024 को शुरू होगा। हिंदी कैलेंडर के अनुसार 9 अप्रैल 2024 को शुरू होगा।

हिंदू नव वर्ष को नव संवत्सर भी कहा जाता है और इस दिन पूजा-पाठ का विशेष महत्व माना जाता है। सबसे खास बात यह है कि इस नव वर्ष के साथ चैत्र माह के नवरात्र की भी शुरुआत होती है। नए साल के दिन सबसे पहले भगवान गणेश का पूजन किया जाता है और फिर सभी देवी-देवताओं का पूजन होता है। फिर कलश स्थापना के साथ नवरात्र की शुरुआत की जाती है।

बेहद खास होगी चैत्र नवरात्रि, 30 साल के बाद बन रहा है अमृत सिद्धि योग

हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्रि का विशेष महत्व होता है, जो चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से शुरू होती है। इस बार इसकी शुरुआत 9 अप्रैल से होने वाली है जो कि 17 अप्रैल तक चलेगी। इस साल की चैत्र नवरात्रि बहुत शुभ मानी जा रही है क्योंकि 30 साल के बाद अमृत सिद्धि योग होने जा रहा है। कहते हैं अमृत सिद्धि योग में माता रानी की पूजा अर्चना करने से सभी कष्ट और दुखों से मुक्ति मिलती है। तो आइए आपको बताते हैं कि यह अमृत सिद्धि योग कब बन रहा है और आपको किस तरह से घटस्थापना और पूजा करनी चाहिए।

क्या होता है अमृत सिद्धि योग

ज्योतिषों के अनुसार, नक्षत्रों में पहला नक्षत्र अश्विनी नक्षत्र माना जाता है और मंगलवार के दिन अश्विनी नक्षत्र पड़ रहा है। इसे ही अमृत सिद्धि योग कहते हैं। चैत्र नवरात्रि की शुरुआत भी मंगलवार 9 अप्रैल से हो रही है, ऐसे में 30 साल के बाद नवरात्रि के मौके पर यह शुभ संयोग बन रहा है, जिसे काफी अद्भुत और फलदायी माना जा रहा है। इस योग के बारे में बताया जाता है कि अश्विनी नक्षत्र के दौरान माता रानी की पूजा अर्चना करने से सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है। ज्योतिषों के अनुसार, ये अश्विन नक्षत्र 9 अप्रैल को सूर्योदय के 2 घंटे बाद शुरू हो जाएगा।

इस तरह करें माता रानी की पूजा अर्चना

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नवरात्रि की प्रतिपदा पर सबसे पहले ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें और नए कपड़े पहनें। एक चौकी पर सफेद रंग का कपड़ा बिछाकर हल्दी या केसर से रंगते हुए अक्षत से अष्टदल कमल बना लें। उस पर ब्रह्मा जी की मूर्ति या फोटो की स्थापना करें, फिर षोडशोपचार पूजन करें। अन्य देवी देवता, गंधर्व, ऋषि, मुनि, नदी, पर्वत, पशु पक्षी सभी का ध्यान करते हुए पूजा करें। मां दुर्गा की आराधना करें और व्रत का संकल्प लें। इस दिन दुर्गा पूजा की घट स्थापना करने के साथ ही 9 दिनों तक माता रानी की आराधना की जाती है।

इन चीजों का करें सेवन

कहते हैं प्रतिपदा के दिन नवरात्रि शुरू होने पर अगर नीम के कोमल पत्तों को काली मिर्च, नमक, हींग, जीरा, अजवाइन मिलाकर खाया जाए तो इससे इंसान को आरोग्य होने का लाभ मिलता है।

देश के सिद्ध संतों में एक उड़िया बाबा को प्राप्त थीं अन्नत सिद्धियां, अलौकिक था उनका स्वरूप

पूर्णोत्तम दीक्षित। परम पूज्यपाद श्री उड़िया बाबाजी महाराज भारत के सिद्ध संतों में एक थे। उनका अद्भुत जीवन संपूर्ण समाज के लिए एक आदर्श रूप था। उनकी कृपा से असंख्य लोगों में भक्ति और ज्ञान की जागृति हुई। चैत्र कृष्ण चतुर्दशी रविवार, 7 अप्रैल 2024 को उनका 75वां निर्वाण दिवस है। आज भी उनकी परंपरा में परमपूज्य स्वामी श्री अखंडानंद सरस्वती एवं उनके कृपा पात्र जगदगुरु शंकराचार्य ब्रह्मलीन स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती के आशीर्वाद से वर्तमान में श्री उड़िया बाबा आश्रम वृंदावन धाम में सुचारू रूप से चल रहा है।

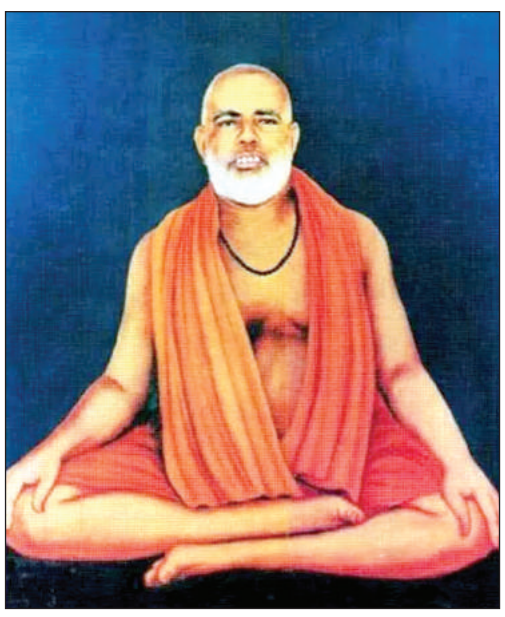

उनके समकालीन संतों में पूज्य स्वामी श्री करपात्री जी महाराज, श्री हरि बाबा जी, श्रीश्री मां आनंदमई, स्वामी श्री गंगेश्वरानंद जी महाराज, स्वामी श्री शरणानंद जी व अन्यान्य महान संत उनके साथ वेदांत सत्संग करते रहे। श्री उड़िया बाबा जी के अनन्य भक्तों में जगदगुरु शंकराचार्य श्री शांतानंद सरस्वती, स्वामी श्री प्रबोधानंद सरस्वती, महर्षि कार्तिकेय जी, श्री पलटू बाबा जी, गोवर्धन के सिद्ध संत पंडित गया प्रसाद जी, स्वामी सिद्धेश्वराश्रम जी व अन्य संतों के नाम उल्लेखनीय हैं।

परम पूज्यपाद श्री उड़िया बाबा जी महाराज को बाल्यकाल से ही अनंत सिद्धियां प्राप्त थीं। मां अन्नपूर्णा उनको सिद्ध थीं। कैसा भी बीहड़ जंगल हो, सभी लोगों के भोजन की व्यवस्था वह अपनी सिद्धि से कर दिया करते थे। जहां कहीं भी वे रहते बराबर भंडारों का तांता लगा रहता था। उन्होंने अनेक भक्तों को प्राण दान दिया। रोग मुक्त किया। आर्थिक संकटों से उवारा एवं अन्य आपत्तियों से रक्षा की। भक्त उनका भगवान शिव के भाव से रुद्राभिषेक करते तो कभी कृष्ण रूप में उनकी झांकियां सजाते। कई उत्सवों पर भक्त इष्ट रूप में उनका पूजन- अर्चन करते थे। वह भक्तों के लिए सबकुछ करते हुए भी इस भाव से रहते थे कि जैसे उन्होंने कुछ नहीं किया।

उड़िया बाबाजी महाराज ने कामाख्या में मां जगदंबा की आराधना की तो मां साक्षात प्रकट हुईं और उनको एकाकार कर लिया। कालांतर में वह नित्य निरंतर समाधि में लीन रहते थे परमपूज्य स्वामी श्री अखंडानंद जी महाराज के कथनानुसार उड़िया बाबाजी का स्वरूप अलौकिक था। बाबा के विचार का उत्कर्ष, चित्त की समाधि, जीवन की प्रेममयता और रहने की सादगी पास रहकर देखने योग्य थी। भक्त लोग उनको सर्वज्ञ एवं सर्वशक्तिमान मानते थे। बहुतों के तो वह महज़ सदुरु ही नहीं बल्कि इष्टदेव भी थे। उन्होंने अपने निजी संस्मरण में एक अद्भुत प्रसंग का उल्लेख किया है।

एक दिन की बात है कि जब वह संन्यासी भी नहीं हुये थे, रात्रि के समय आश्रम की छत पर लेटे हुए थे। पास ही संन्यासी मित्र स्वामी निर्मल दासजी थे। दोनों ने निश्चय किया कि कहीं एकांत में चलकर साथ-साथ रहा जाए। प्रातः काल 4 बजे दोनों वेदांत के सत्संग में श्री उड़िया बाबाजी महाराज के पास गए तो वो बोले, तुम दोनों का एक साथ रहना ठीक नहीं है। उन्होंने (अखंडानंदजी) ने सोचा कि क्या महाराजजी ने मन की बात जान ली है ? यदि यह सही है तो इस समय ही वो मुझे खाने के लिए कोई चीज दें। तब मैं समझूंगा कि वह मेरे मन की बात जान गए हैं। इतने में तुरंत उड़िया बाबाजी ने एक सेवक को पुकार कर कहा, भइया इनको इस समय भूख लगी है। कुछ लाओ तो। सेवक कुछ खाद्य सामग्री ले आया और प्रसाद में बहुत से केले और पेड़े दिये। स्वामीजी कहते हैं कि वह लज्जा और संकोच से दब गये। श्री महाराज जी के विषय में ऐसी एक नहीं, अनेक घटनाएं जीवन में देखने में आयीं।

साधन काल में बाबा कभी लेट कर नहीं सोते थे। 10 वर्ष तक वो लेटे नहीं थे। बैठे रहते थे या चलते थे। कभी उनको दो-तीन घंटे से अधिक सोते हुए किसी ने नहीं देखा। जीवन पर्यंत उन्होंने कठोर साधना की। उनकी रहनी आश्चर्यमय थी।

श्री उड़िया बाबाजी महाराज भक्तों और जिज्ञासुओं के साथ परमार्थ चर्चा करते थे। उनके श्रीमुख से जो वचानामृत निकलते थे, उनसे सभी को बहुत शांति का अनुभव होता था। उनके जीवन काल में ही गीता प्रेस गोरखपुर से उनके उपदेशों का एक संग्रह प्रकाशित हुआ था। बाद में उनके आश्रम से श्री उड़िया बाबाजी के उपदेश प्रकाशित हुए।

श्री उड़िया बाबा जी महाराज बोलते थे कि दुर्गा पाठ में अलौकिक व असीम शक्ति है। दुर्गा पाठ से असंभव भी संभव हो जाता है। श्री दुर्गा सप्तशती के अर्गला, कीलक और कवच पाठ से सारे कार्य सिद्ध हो जाते हैं। नाम जप पर उनका बहुत जोर रहता था। बाबा ने बताया था कि जप सबसे कठिन चीज है। ज्ञान और ध्यान से जप को वह कठिन समझते थे। वह कहते थे कि सब प्रकार की बातें छोड़कर निरंतर एक ही मंत्र का जप करते रहना साधारण बात नहीं है ।

जप में विलक्षण शक्ति होती है। मंत्र से भी बड़ा नाम होता है क्योंकि मंत्र जप में विधि का बंधन है जबकि नाम जप में विधि विधान की कोई आवश्यकता नहीं है। जिनकी राम नाम में निष्ठा हो गई उसके लिए संसार में क्या काम बाकी रहा ? जब कृष्ण का नाम लो तो स्वयं को गोलोक में समझो। नाम जप से नित्य-निरंतर चमत्कार होते रहते हैं।

वृंदावन में श्री उड़िया बाबाजी महाराज के श्रीकृष्ण आश्रम की बड़ी ख्याति थी। भक्तों, साधकों, संतों का वहां तांता लगा रहता था। जीवन में शुद्धि, वैराग्य और अभ्यास पर बाबा का बहुत जोर रहता था। उत्सवों में जब भीड़ होती थी तब बाबा को इस बात की बड़ी चिंता रहती थी कि कोई भूखा न रह जाए। वह कहते थे खाने का आनंद जीव का है और खिलाने का आनंद ईश्वर का है। ध्यान का मर्म बताते हुए बाबा कहते थे कि ध्यान के समय मुख्य रूप से अपने इष्ट के स्वरूप का ही चिंतन करना चाहिए। यदि स्वरूप में चित्त स्थिर न हो तो ईश्वर की लीलाओं का गायन करना चाहिए। रोना हो तो इष्ट देव की किसी लीला का चिंतन करते हुए रोया करें। हंसना हो तो भी उसकी लीला का ही आश्रय लेकर हंसें। इस तरह ईष्टदेव का चिंतन करना ही ध्यान है।

परम पूज्य श्री उड़िया जी महाराज के निर्वाण के बाद उनके श्रीकृष्ण आश्रम में भक्तों ने उनका भव्य मंदिर बनाया। उसमें उनके अर्चा विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा हुई। उनकी प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा होने पर लोगों ने तरह-तरह की अनुभव महसूस किये। किसी को उनके नेत्र हिलते दिखाई दिए तो किसी को उनके हृदय में धड़कन का अहसास हुआ। इससे भक्तों को ऐसा लगा कि बाबाजी जो हमें छोड़कर चले गए थे, वह वापस आ गए हैं। आज भी मंदिर में उनके दर्शन कर असीम कृपा की अनुभूति होती है। उनकी समाधि पर रोमांच का वातावरण रहता है और भक्तों को विलक्षण अनुभव होते हैं। श्री उड़िया बाबा के आश्रम के सामने उनके अभिन्न रूप स्वामी अखंडानंदजी महाराज के आश्रम में भी नित्य कृपा बरसती रहती है और नित्य वेदांत, सत्संग, कथा, संतों की सेवा से भक्तों को परमाश्रय प्राप्त होता है।

ऐसे परम पूज्यपाद श्री उड़िया बाबाजी महाराज के चरणों में कोटि-कोटि नमन। उनके 75वें निर्वाण महोत्सव पर असीम श्रद्धांजलि।

जानें किस ग्रह की कितनी बार लगानी चाहिए परिक्रमा

हिंदू धर्म में जिस प्रकार देवी-देवताओं की परिक्रमा का विधान है उसी प्रकार नवग्रहों की भी परिक्रमा करना शुभ माना जाता है। जीवन की विभिन्न समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए नवग्रहों की भी पूजा की जाती है। ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि किस ग्रह की कितनी बार परिक्रमा करनी चाहिए ताकि व्यक्ति को इसका शुभ परिणाम प्राप्त हो सके।ज्योतिष शास्त्र में नवग्रहों का विशेष महत्व बताया है। प्रत्येक ग्रह किसी-न-किसी वस्तु का कारक माना गया है। कुंडली में ग्रहों की अलग-अलग की स्थिति व्यक्ति के जीवन पर भी प्रभाव डालती है। ऐसे में आइए जानते हैं कि किस ग्रह की कितनी बार परिक्रमा करनी चाहिए।

सूर्यदेव की परिक्रमा

सूर्यदेव को ग्रहों का राजा कहा माना जाता है। माना गया है कि सूर्य देव की पूजा करते समय उन्हें ब्रह्म मुहूर्त में जल अर्पित करना चाहिए। इसके साथ ही सूर्य देव की 11 बार परिक्रमा करना शुभ माना गया है। इससे जातक को जीवन में कई लाभ देखने को मिलते हैं।

चंद्रदेव की लगाएं 5 परिक्रमा

यदि आप चंद्रदेव की आराधना कर रहे हैं तो ऐसे में चंद्रमा की 5 बार परिक्रमा करना बेहतर माना गया है। ऐसा करने से व्यक्ति को चंद्र दोष से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही इससे जीवन में चल रही परेशानियां भी दूर हो जाती हैं।

मंगल की परिक्रमा

अगर किसी जातक की कुंडली में मंगल ग्रह की स्थिति कमजोर है, तो इस स्थिति में उसे मंगल देव की पूजा कर 12 बार परिक्रमा करनी चाहिए। ऐसा करने से मंगल की स्थिति में सुधार होता है।

बुध देव की पूजा

बुध देव को व्यापार का देवता भी कहा जाता है। ऐसे में यदि किसी जातक को व्यापार से संबंधित कार्यों में परेशानी आ रही है, तो उन्हें बुध देव की पूजा करनी चाहिए। साथ ही बुध देव की 06 बार परिक्रमा करें।

बृहस्पति की इतनी बार करें परिक्रमा

बृहस्पति की 04 बार परिक्रमा करना शुभ माना गया है। ऐसा करने से आपके शुभ कार्य में किसी भी प्रकार की बाधा नहीं आती और वह कार्य सही ढंग से पूर्ण होता है।

शुक्र की कितनी करें परिक्रमा

शुक्रदेव की पूजा के दौरान 03 परिक्रमा करना अच्छा माना जाता है। इससे शुक्र देव प्रसन्न होकर व्यक्ति पर अपनी कृपा दृष्टि बनाए रखते हैं। जिससे व्यक्ति उम्र लंबी होती है और सुखों-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

शनि देव की परिक्रमा

शनि देव को न्याय का देवता माना गया है। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति 11 परिक्रमा शनि जी की परिक्रमा करता है, तो उसे इससे मानसिक शांति की प्राप्ति हो सकती है।

राहु-केतु की परिक्रमा

यदि कोई व्यक्ति राहु दोष से पीड़ित है, तो इसके निवारण के लिए राहु की परिक्रमा 4 बार लगानी चाहिए। इससे आपको राहत मिल सकती है। वहीं, केतु को स्वास्थ्य, धन, भाग्य और घरेलू सुखों का कारक माना जाता है। ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार, केतु की 02 बार परिक्रमा करना लाभकारी माना गया है।

अब तक धरती पर मौजूद हैं रामायण के ये संकेत भारत से लेकर श्रीलंका तक में मिलते हैं सबूत

रामायण, सनातन धर्म के सबसे लोकप्रिय और महत्वपूर्ण महाकाव्यों में से एक है। रामायण में वर्णित राम जी को भगवान विष्णु जी का ही स्वरूप माना गया है। आज भी रामायण कालीन ऐसे कई संकेत इस धरती पर मौजूद हैं, जो वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण को एक प्रामाणिक ग्रंथ साबित करते हैं। तो चलिए जानते हैं उन सबूतों के विषय में।

भारत और श्रीलंका के बीच बना पत्थरों का पुल, रामायण से सच होने के सबसे बड़ा सबूत माना जाता है। हालांकि पानी के नीचे चले जाने के कारण अब यह पुल स्पष्ट रूप से नहीं दिखाई देता। यह पुल राम जी की सेना ने पत्थरों से तैयार किया था, ताकि वह समुद्र को पार कर सकें।

रामेश्वरम-तमिलनाडु में रामेश्वरम मंदिर में स्थापित शिवलिंग, जिसे लेकर यह मान्यता प्रचलित है कि स्वयं भगवान राम ने इस शिवलिंग की स्थापना की थी। मान्यताओं के अनुसार, भगवान राम ने लंका विजय की कामना हेतु शिवलिंग की स्थापना की और पूजा अर्चना की थी। भगवान राम के नाम से ही इस जगह का नाम रामेश्वरम द्वीप और मंदिर का नाम रामेश्वरम पड़ा।

अशोक वाटिका- रावण ने सीता जी का हरण के बाद उन्हें अशोक वाटिका में रखा था। यह वाटिका आज भी श्रीलंका में मौजूद है, जिसे आज सीता एल्या के नाम से जाना जाता है। श्रीलंका की एक रिसर्च कमेटी ने इसपर शोध किया और यह पाया कि यह वहीं अशोक वाटिका है, जिसका वर्णन रामायण में मिलता है। यहां-यहां मिलते हैं पद चिह्न- रामायण के अनुसार, भगवान राम को चौदह साल के वनवास मिला था, जिसमें से वह 11 साल चित्रकूट में रहे। चित्रकूट में आज भी भगवान राम और सीता के कई पद चिन्ह मौजूद हैं। वहीं, जब हनुमान जी माता सीता की खोज में निकले तो उन्होंने भव्य रूप धारण कर किया हुआ था। श्रीलंका पहुंचे के बाद वह एक चट्टान पर तेजी से उतरे, जिस कारण उनके पैरों के विशाल चिह्न आज भी इस चट्टान पर मौजूद हैं।

पुष्पा: द रूल से रश्मिका मंदाना की पहली झलक आई सामने

श्रीवल्ली का इस बार होगा दमदार अंदाज

रश्मिका मंदाना साउथ के साथ बॉलीवुड में भी धमाल मचा रही हैं। बॉलीवुड में भी वो मेकर्स की पहली पसंद बनती जा रही हैं। रश्मिका को बॉलीवुड में कदम रखे ज्यादा समय नहीं हुआ है फिर भी उन्हें हर कोई पसंद कर रहा है। पुष्पा के बाद से रश्मिका हर जगह छा गई हैं। अब रश्मिका की पुष्पा 2 का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। आज रश्मिका अपना 28वां जन्मदिन मना रही हैं। रश्मिका के जन्मदिन को पुष्पा 2 के मेकर्स ने और स्पेशल बना दिया है। आज पुष्पा 2 से श्रीवल्ली का लुक शेयर कर दिया गया है। जिसमें रश्मिका का दमदार लुक है। पोस्टर में रश्मिका साड़ी पहने हुए नजर आ रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने काफी हैवी ज्वैलरी पहनी हुई है। इस पोस्टर में लोगों का ध्यान रश्मिका के माथे पर लगे सिंदूर पर जा रहा है। रश्मिका के एक्सप्रेशन एकदम गुस्से वाले लग रहे हैं। पोस्टर पर हैप्पी बर्थडे श्रीवल्ली भी लिखा है।मेकर्स ने रश्मिका के बर्थडे पर लुक पोस्टर शेयर करके फैंस को गिफ्ट दे दिया है। उन्होंने पोस्टर शेयर करते हुए लिखा- लोगों का दिल चुराने वाली श्रीवल्ला उर्फ रश्मिका मंदाना को जन्मदिन की ढेर सारी बधाई।रश्मिका के लुक की फैंस तारीफ करते हुए नहीं थक रहे हैं। एक फैन ने लिखा- श्रीवल्ली और फायर इमोजी पोस्ट की। वहीं कई फैंस हार्ट और फायर इमोजी पोस्ट कर रहे हैं। कुछ ही देर में लाखों लोग इस पोस्ट को लाइक कर चुके हैं।पुष्पा 2 द रुल का टीजर रिलीज होने के लिए तैयार है। 8 अप्रैल को फिल्म का टीजर रिलीज होगा। मेकर्स ने श्रीवल्ली के लुक के साथ इसकी जानकारी दे दी है। जिसके बाद से फैंस काफी एक्साइटेड हो गए हैं।पुष्पा 2 की बात करें तो इसमें अल्लू अर्जन, फहाद फासिल, रश्मिका मंदाना लीड रोल में नजर आने वाले हैं। फिल्म को सुकुमार ने डायरेक्ट किया है। ये फिल्म 15 अगस्त को वर्ल्डवाइड रिलीज होने वाली है।

फिल्म 'पुष्पा 2' का नया पोस्टर हो रहा वायरल

'पुष्पा 2: द रूल' साल 2024 की मच-अवटेड फिल्म है। मेकर्स ने शुक्रवार को पहले फिल्म 'पुष्पा 2' की श्रीवल्ली यानी रश्मिका मंदाना के जन्मदिन पर उनका पोस्टर शेयर किया है। इसके बाद मेकर्स ने अल्लू अर्जुन का एक पोस्टर शेयर किया है। इस पोस्टर में अल्लू अर्जुन के चेहरे की झलक दिखाई दे रही है। वह त्रिशुल और शंख के साथ नजर आ रहे हैं और उनका नया अवतार देख फैंस एक्साइटेड हो गए हैं। गौरतलब है कि अल्लू अर्जुन के जन्मदिन पर यानी 8 अप्रैल को फिल्म 'पुष्पा 2' का टीजर रिलीज किया जाएगा। अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना के फैंस टीजर को देखने के लिए बेसब्र हो रहे हैं।

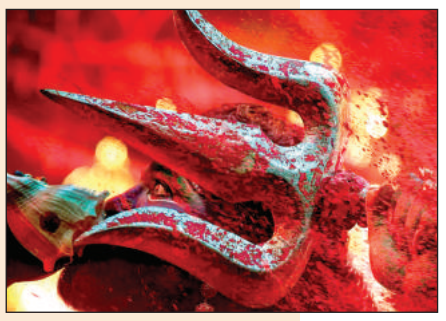

ये थी धर्मेंद्र की लकी शर्ट, तीन फिल्मों के गानों में पहनी

तीनों हुए सुपर डुपर हिट

फिल्मी सितारों के उनके कपड़ों को लेकर नखरों के बारे में आपने अक्सर ही सुना होगा। फिल्म अगर मल्टी स्टारर हो तो हर एक्टर या एक्ट्रेस एक दूसरे से ज्यादा सुंदर और स्टाइलिश नजर आने की होड़ में भागते दिखाई देते हैं और अगर बड़ा स्टार हो तो हर बात में मीन मेख निकालने की खबरें आती हैं। लेकिन धर्मेंद्र ऐसे सितारों की भीड़ से कुछ अलग थलग नजर आते हैं, जिन्होंने कभी कपड़े रिपीट करने में आनाकानी नहीं की। बल्कि तीन फिल्में तो ऐसी हैं जिसमें धर्मेंद्र एक ही शर्ट में नजर आए। दिलचस्प बात ये है कि ये तीनों फिल्में अलग अलग साल में रिलीज हुईं और तीनों ही जबरदस्त तरीके से हिट हुईं।

पीली शर्ट में धर्मेंद्र

पीली रंग की स्ट्राइप्ड शर्ट में धर्मेंद्र तीन अलग अलग फिल्मों के गानों में नजर आए हैं। एक गाने में वो ये शर्ट पहन कर शर्मिला टैगोर के साथ नजर आ रहे हैं। गाना है चलो सजना जहां तक घटा चले। दूसरा गाने में वो उस दौर की हिट एक्ट्रेस आशा पारेख के साथ हैं और गाने के बोल हैं साथिया नहीं जाना कि जी ना लगे। और तीसरा गाना है राखी के साथ। इस गाने में भी वो पीली शर्ट में ही और गाने के बोल हैं झिलमिल सितारों का आंगन होगा। इन तीनों ही गानों में धर्मेंद्र का रोमांटिक अंदाज लाजवाब रहा है। गाने जितने हिट हैं फिल्म भी उतनी ही हिट रही। ऐसे में अगर इस शर्ट को धर्मेंद्र की लकी शर्ट कहें भी तो क्या गलत होगा।

अलग-अलग सालों में रिलीज हुई फिल्में

पहले स्टार्स अलग अलग शिफ्ट में काम किया करते थे। उन दिनों वैनिटी वैन जैसी कोई व्यवस्था नहीं हुआ करती थी, जिस वजह से स्टार्स के लिए कपड़े बदलना मुश्किल होता जाता था। बहुत से सितारे जुगाड़ से ये काम किया करते थे। लेकिन धर्मेंद्र ने ये शर्ट एक ही दिन अलग अलग शिफ्ट में नहीं पहनी है। बल्कि ये फिल्में अलग अलग साल में रिलीज हुईं। जिसके मुताबिक ये अंदाजा लगाया जा सकता है कि इनकी शूटिंग भी एक ही दिन नहीं हुई होगी। शर्मिला टेगौर के साथ उनकी फिल्म मेरे हमदम मेरे दोस्त आई थी साल 1968 में। आशा पारेख के साथ आया सावन झूम के रिलीज हुई 1969 में और राखी के साथ जीवन मृत्यु रिलीज हुई थी साल 1970 में।

रिवीलिंग टॉप पहन नुसरत भरूचा ने शेयर की बोल्ड तस्वीर

अपनी फिल्मों से ज्यादा लुक्स को लेकर चर्चाओं में रहने वाली एक्ट्रेस नुसरत भरूचा आए दिन अपने हॉट लुक्स फैंस के बीच शेयर कर अक्सर लोगों के बीच लाइमलाइट लूट लेती हैं। उनका हर अंदाज इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता हाल ही में एक्ट्रेस ने अपना लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट करवाया है, जिसमें वो काफी स्टनिंग और हॉट नजर आ रही हैं।एक्ट्रेस नुसरत भरूचा बॉलीवुड इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्रियों में से एक हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर शेयर होते ही तबाही मचाने लगता है।हाल ही में एक्ट्रेस भरूचा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।नुसरत भरूचा अपनी इन लेटेस्ट तस्वीरों में काफी स्टाइलिश और बोल्ड नजर आ रही हैं। साथ ही फैंस उनके हर एक लुक पर दिलखोलकर लाइक्स कॉमेंट्स के जरिए प्यार लूटा रहे हैं।बता दें कि एक्ट्रेस हर बार अपने स्टाइलिश अंदाज से फैंस को बेताब किए रहती हैं। उनका हर एक लुक इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही वायरल भी होने लगता है।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने व्हाइट कलर का टॉप और साथ ही डेनिम जींस पहनी हुई है, जिसमें वो काफी गॉर्जियस लग रही हैं।न्यूड मेकअप, खुले बाल और लाइट आई मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने इस लुक को और भी ज्यादा खूबसूरती से निखारा है।एक्ट्रेस नुसरत भरूचा सोशल मीडिया सेंसेशन हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग भी काफी तगड़ी है।

कृतिका भारद्वाज ने योद्धा में अपनी भूमिका के लिए एरोप्लेन सिमुलेशन गेम का लिया सहारा

हाल ही में रिलीज हुई सिद्धार्थ मल्होत्रा अभिनीत फिल्म योद्धा में प्रशिक्षु पायलट तान्या शर्मा की भूमिका में नजर आने वाली एक्ट्रेस कृतिका भारद्वाज ने बताया कि उन्होंने अपने किरदार को अच्छे से के लिए एरोप्लेन सिमुलेशन गेम का सहारा लिया।एक्ट्रेस हिट स्ट्रीमिंग शो मिसमैच्ड का हिस्सा रही हैं, और मिसमैच्ड 2 के शूटिंग शेड्यूल के अंत में उन्हें योद्धा में भूमिका मिली।एक्ट्रेस ने कहा कि मिसमैच्ड 2 में सिमरन का किरदार निभाकर महत्वाकांक्षी पायलट तान्या का किरदार निभाना वाकई दिलचस्प था।एक्ट्रेस कहा, मैंने उन सभी तकनीकी शब्दों को गहराई से सीखने के लिए एरोप्- लेन सिमुलेशन गेम का सहारा लिया। योद्धा के अंत में कॉकपिट दृश्यों की चरणबद्ध तरीके से शूटिंग स्वाभाविक रूप से कहानी के साथ प्रवाहित होती है। योद्धा में मेरा पहला दृश्य जहां मैं सिद्धार्थ के किरदार से हूं, ऐसा लगा कि यह वास्तविक जीवन में मुठभेड़ जैसा है। इसने हर चीज को वास्तविक और सहज बना दिया।उन्हें फिल्म में यह भूमिका कैसे मिली, इस पर एक्ट्रेस ने कहा, जून 2021 में मैंने एक प्रोजेक्ट के लिए ऑडिशन दिया, बिना यह जाने कि यह योद्धा के लिए अक्टूबर में मिसमैच्ड सीजन 2 की शूटिंग के दौरान मुझे पंचमी की टीम से फोन आया और मुझे लुक टेस्ट के लिए निर्देशकों के साथ बैठक के लिए आमंत्रित किया गया। इसके बाद इस भूमिका के लिए मेरी पुष्टि हो गई। मैंने 24 नवंबर को मिसमैच्ड सीजन 2 की पूरी की और 27 नवंबर तक मैं योद्धा के सेट पर थी।सिद्धार्थ के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा , सिद्धार्थ के साथ काम करना एक सुखद अनुभव था, वह अविश्वसनीय रूप से गर्मजोशी से भरा था। मेरे सभी सीन उनके थे, इससे यह अनुभव और भी बेहतर हो गया। इंडस्ट्री में नया होने के बावजूद मुझे उनके आसपास कभी भी नौसिखिया जैसा महसूस नहीं हुआ।एक्ट्रेस ने कहा, एक्शन सीक्वेंस निश्चित रूप से चुनौतीपूर्ण थे लेकिन वे उत्साहवर्धक और अनुभव देने वाले थे। मुझे याद है कि सिड ने कहा कि उन्होंने अपनी यात्रा 26 साल की उम्र में शुरू की थी, जो संयोग से वही उम्र है जो मेरी योद्धा की शूटिंग के दौरान थी। ऐसा लगा जैसे हमने अपने करियर में एक जैसी यात्रा साझा की है।

साइलेंस 2 से प्राची देसाई की पहली झलक आई सामने

मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म साइलेंस 2 को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 2021 में आई फिल्म साइलेंस की दूसरी किस्त है।इस फिल्म में प्राची देसाई, अर्जुन माथुर और बरखा सिंह कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।हाल ही में साइलेंस 2 का ट्रेलर जारी किया गया, जिसे काफी पसंद किया गया।अब साइलेंस 2 से प्राची की पहली झलक सामने आ चुकी है। फिल्म में उनके किरदार का नाम इंस्पेक्टर संजना हैं।ज़ी स्टूडियो ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्टर करते हुए लिखा, यहां तक कि एक महान पुलिसकर्मी को भी मामले को सुलझाने के लिए एक शानदार टीम की आवश्यकता होती है। पेश है एसीपी अविनाश की सबसे भरोसेमंद सहयोगी - इंस्पेक्टर संजना।साइलेंस 2 का प्रीमियर 16 अप्रैल से ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर होगा। फिल्म के पहले भाग भी आप जी5 पर देख सकते हैं।साइलेंस 2 का निर्देशन अबन भरूचा देवहंस कर रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे। दूसरों को प्रभावित करने के लिए ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। ज़ाहिर तौर पर रोमांस के लिए पर्याप्त मौक़े हैं– लेकिन ऐसा बहुत कम समय के लिए है। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। आज सोच–समझकर क़दम बढ़ाने की ज़रूरत है– जहाँ दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। लंबे अरसे के बाद जीवनसाथी के साथ काफ़ी वक़्त गुज़ारने का मौक़ा मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

क़िस्मत के भरोसे न बैठें और अपनी सेहत सुधारने के लिए ख़ुद मेहनत करें, क्योंकि हाथ पर हाथ रखे रहने से कुछ नहीं होने वाला। अब वक़्त आ गया है कि आप अपना वज़न क़ाबू में करें और स्वस्थ रहने के लिए नियमित व्यायाम का सहारा लें। ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और चालाकी–भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। बहन की शादी की ख़बर आपके लिए ख़ुशी का सबब लेकर आएगी। हालाँकि उससे दूर होने का ख़याल आपको उदास भी कर सकता है। लेकिन आपको भविष्य के बारे में सोचना छोड़ वर्तमान का पूरा आनंद लेना चाहिए। ग़लतफ़हमी या कोई ग़लत संदेश आपका गर्मजोशी भरा दिन ठण्डा कर सकता है। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपनी क्षमताओं को पहचानें, क्योंकि आपके अन्दर ताक़त की नहीं बल्कि इच्छा–शक्ति की कमी है। यह बात भली भांति समझ लें कि दुख की घड़ी में आपका संचित धन ही आपके काम आएगा इसलिए आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवनसाथी की मासूमियत आपके दिन को ख़ास बना सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। लोगों के साथ ठीक तरह से पेश आएँ, ख़ास तौर पर उनके साथ जो आपसे प्यार करते हैं और आपका ख़याल रखते हैं। आज अचानक किसी से रोमांटिक मुलाक़ात हो सकती है। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैवाहिक जीवन में सब कुछ अच्छा महसूस होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

बहुत ज़्यादा रोमांच और दीवानगी की ऊँचाई आपके तंत्रिका–तंत्र को नुक़सान पहुँचा सकती है। इन दिक़्क़तों से बचने के लिए अपने जज़्बात क़ाबू में रखें। आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफ़ी वक़्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे। ग़लत बातों को ग़लत वक़्त पर कहने से बचें। जिन्हें आप चाहते हैं, उनका दिल दुखाने से बचें। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते रोमांस को दरकिनार होना पड़ सकता है। आपका वर्चस्ववादी स्वभाव आलोचना की वजह बन सकता है। ख़ाली वक़्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। अपने जीवनसाथी की वजह से आपको मानसिक अशान्ति का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। दिन बहुत लाभदायक नहीं है– इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आप आज प्रेमपूर्ण मनोभाव में होंगे, इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। यह उन कुछ दिनों में से एक है, जब आपकी रचनात्मकता अपने चरम पर होगी। चिट्ठी–पत्री में सावधानी बरतने की ज़रूरत है। आपके आस–पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। उन्हें महसूस होने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ और शिकायत करने का मौक़ा न दें। रोमांटिक मुलाक़ात आपकी ख़ुशी में तड़के का काम करेगी। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी–मज़ाक़, थोड़ी छेड़–छाड़ आपको किशोरावस्था के दिनों की याद दिला देंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अनचाहे ख़यालों को दिमाग़ पर कब्ज़ा न करने दें। शांत और तनाव–रहित रहने की कोशिश करें, इससे आपकी मानसिक दृढ़ता बढ़ेगी। जल्दबाज़ी में निवेश न करें– अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। अपनी जीवन में एक संगीत पैदा करें । आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। आज के इस ख़ूबसूरत दिन प्रेम–संबंध में आपकी सभी शिकायतें ग़ायब हो जाएंगी। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमज़ोर होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। जीवनसाथी ज़िंदगी में बदलाव लाने में मदद करेगा। ख़ुद को एक ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा इंसान बनाएँ, जो ज़िंदगी की राह अपनी मेहनत और काम से बनता है। साथ ही इस राह में आने वाले गड्ढों और दिक़्क़तों से दिल छोटा न करें। अपने प्रिय की छोटी–मोटी भूल को अनदेखा करें। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। अगर आप छात्र हैं और विदेशों में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर की आर्थिक तंगी आज आपके माथे पर शिकन ला सकती है। मुमकिन है कि आप अपने घर में या उसके आस–पास आज कुछ बड़े बदलाव करें। आज आपकी कोई बुरी आदत आपके प्रेमी को बुरी लग सकती है और वो आपसे नाराज हो सकते हैं। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। अगर आपका धन से जुड़ा कोई मामला कोर्ट–कचहरी में अटका था तो आज उसमें आपको विजय मिल सकती है और आपको धन लाभ हो सकता है। पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और अपनी योजनाओं के लिए आप पूरे सहयोग की उम्मीद कर सकते हैं। अपने लक्ष्यों का पीछा करने के लिए उम्दा दिन है। अपनी शारीरिक–ऊर्जा का स्तर ऊँचा बनाए रखें, ताकि आप जी–तोड़ मेहनत कर जल्द–से–जल्द उन्हें हासिल कर सकें। इस मामले में आप अपने दोस्तों की मदद भी ले सकते हैं। इससे आपका उत्साह बढ़ेगा और उद्देश्य को पाने में सहायता मिलेगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। मुश्किल दौर में आपकी जिन रिश्तेदारों ने मदद की है, उनके लिए अपनी कृतज्ञता को व्यक्त करें। आपका यह छोटा–सा काम उनके उत्साह को बढ़ाएगा। कृतज्ञता जीवन की सुगंध को फैलाती है और अहसान–फ़रामोशी इसे तार–तार कर देती है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना–जुलना होगा। वैवाहिक जीवन के मोर्चे पर यह दिन वाक़ई बहुत बढ़िया है।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 07 अप्रैल 2024 , रविवार
विक्रम संवत : 2080
मास : चैत्र , कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी प्रात: 06:56 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपद दोपहर 12:59 तक
योग : ब्रह्म रात्रि 10:16 तक
करण : वणिज प्रात: 06:56 तक
चन्द्रराशि : कुंभ प्रात: 07:40 तक
सूर्योदय : 06:05, सूर्यास्त 06:30 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:12 , सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:21 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : चतुर्दशी तिथि का क्षय, खरमास चालू हैं

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

नेताओं की नाराजगी पर हिसार में बोले पूर्व सीएम मनोहरलाल

घर में शादी हो तो भी कुछ लोग रुठते हैं

हिसार, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व सीएम मनोहरलाल ने हिसार लोकसभा सीट पर नेताओं–कार्यकर्ताओं की नाराजगी के सवाल पर कहा कि घर में शादी हो तो भी कुछ लोग रुठते हैं। जब रूठते हैं तो मनाया भी जाता है। अगर इतने बड़े सिस्टम में कुछ लोग रुठे होंगे भी तो हमारे ध्यान में हैं। अधिकांश कार्यकर्ता फील्ड मे उतर चुके हैं। अभी बहुत समय है करीब 50 दिन बाकी हैं। कुलदीप बिश्नोई की नाराजगी पर उन्होंने कहा कि वे अपने साथ हैं। चिंता की कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं डैमेज कंट्रोल के नहीं आया हूं। मुझे प्रदेश की सभी 10 लोकसभा में भी समय देना है। इसी के तहत एक–एक दिन वहां जा रहा हूं। भाजपा– जजपा नेताओं के विरोध पर पूर्व सीएम मनोहरलाल ने कहा कि लोकतंत्र में यह करना शोभनीय है। चुनाव आयोग में यह स्पष्ट है कि हर किसी को अपनी बात कहने का पूरा हक़ है। किसी को रोकना उचित नहीं है। किसी की बात न सुनना, उसका विरोध करना उचित नहीं है।

शनिवार को भाजपा कार्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए पूर्व सीएम मनोहरलाल ने कहा कि कांग्रेस के प्रत्याशी मैदान में नहीं आ रहे तो यह उनकी कमजोरी है। कांग्रेस ओछी बात उछाल रही है कि भाजपा के तीन चार उम्मीदवार बदले जाएंगे। भाजपा के किसी प्रत्याशी को बदलने का कोई कारण नहीं है। यह भ्रामक प्रचार है, कांग्रेस को इसका लाभ होने की बजाए नुकसान होगा। रणदीप सुरजेवाला के एक विवादित बयान पर पूर्व सीएम ने कहा कि जनता जरूर सबक सिखाएगी। हमने साढ़े 9 साल में जो काम किए उसका फायदा लोकसभा चुनाव में भी मिलेगा। किसान आंदोलन को लेकर पूछे सवाल पर पूर्व सीएम ने कहा कि हमने किसानों के लिए सबसे अधिक काम किए हैं। कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनका वाक्य होता है मैं ना मानूं। ऐसे लोगों का कोई इलाज नहीं है।

एक सवाल के जवाब उन्होंने कहा कि पार्टी स्तर पर जजपा का हमारा पार्टी का अभी गठबंधन नहीं रहा। सरकार में वह हमारे साथ थे, हमने साढ़े चार अच्छी सरकार चलाई। गेंहू की कटाई का सीजन होने के कारण 25 अप्रैल तक ग्रामीण एरिया में रैलियां नहीं करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने कार्यकर्ताओं को भाजपा के स्थापना दिवस की बधाई दी।

कांग्रेस सरकार बनने पर मनरेगा मजदूरों को दी जाएगी 600 रुपए की दिहाड़ी : दीपेंद्र

रोहतक, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि भाजपा तमाम वर्गों को सम्मान व अधिकार देने वाले संविधान को बदलना चाहती है, डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के दिए इस संविधान से म्हारी आस्था व भावनाएं जुड़ी हैं। क्योंकि मेरे दादा चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा के भी संविधान पर हस्ताक्षर हैं। इसलिए कांग्रेस संविधान को एक इंच भी टस से मस नहीं होने देगी। हुड्डा शनिवार को पुरानी आईटीआई मैदान में मनरेगा श्रमिकों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। हुड्डा ने मनरेगा कर्मियों की मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार बनने पर 600 रुपये दिहाड़ी के साथ मजदूरों को डेढ़ सौ दिन के काम की गारंटी दी जाएगी। साथ ही मनरेगा का विस्तार ग्रामीण क्षेत्र के बाद शहरी इलाकों में भी होगा। 100–100 गज के मुफ्त प्लॉट आवंटन की स्कीम को फिर से शुरू किया जाएगा। इस बार कांग्रेस सरकार प्लॉट में दो कमरे का मकान बनाने के लिए साढे तीन लाख रुपये अलग से देगी। वहीं, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सूरजभान ने कहा कि अगर सीवरेज साफ करते हुए किसी सफाईकर्मी की मौत होती है तो उसके परिवार को 30 लाख रुपये मुआवजा दिया जाएगा। साथ ही राजस्थान की कांग्रेस सरकार की ओर से शुरू की गई चिरंजीवी योजना को पूरे देश में लागू करके 25 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज की योजना लागू की जाएगी।

सड़क पर दौड़ती कार बनी आग का गोला चालक ने छलांग लगाकर बचाई जान

फतेहाबाद, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। सिरसा– चंडीगढ़ स्टेट हाईवे 2 पर भूना शहर से करीब ढाई किलोमीटर दूर खासा पठाना गांव के नजदीक टोयोटा प्राडो कार शनिवार की दोपहर बाद अचानक आग का गोला बन गई। कार अचानक धू–धू कर कार जल उठी तो स्टेट हाईवे पर अफरा–तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने आगजनी की घटना को लेकर तुरंत मार्केट कमेटी भूना की फायर बिग्रेड की गाड़ी को तुरंत मौके पर पहुंचने के लिए मोबाइल फोन पर सूचना दी। सूचना मिलते ही मुख्य अग्निशमन रमेश कुमार वर्मा, फायर ऑपरेटर पवन कुमार व राममेहर सिंह और डाइवर नरेंद्र कुमार आदि कुछ ही मिनट के बाद मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आगजनी की घटना में कार पूरी तरह से जलकर नष्ट हो गई है। जानकारी के अनुसार शनिवार की दोपहर बाद जिला हिसार के गांव घिराय निवासी राकेश शर्मा अपने बहनोई हिसार के

सेक्टर 9/11 निवासी राजू शर्मा की टोयोटा प्राडो कार नंबर पीबी 23 जे 4343 को चला कर भूना से उकलाना जा रहा था।

लेकिन जैसे ही वह शहर से ढाई किलोमीटर दूर पहुंचा तो खासा पठाना गांव के नजदीक चलती कार में वायरिंग शॉर्ट होने के कारण अचानक आग लग गई। कार चालक राकेश शर्मा ने रफ्तार को काबू करके तुरंत छलांग लगा दी। इसलिए आगजनी की घटना में वह बाल– बाल बच गया। सूचना पर पहुंची फायर बिग्रेड की टीम व स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया।लेकिन कार पूरी तरह से खाक हो गई है। कार के मालिक राजू शर्मा ने बताया कि टोयोटा प्राडो कार पंजाब से 40 लाख में कुछ दिनों पहले ही खरीदकर लाए थे। आग के कारण कार पूरी तरह से नष्ट हो गई है। मगर जनहानि होने से बच गई। इस संबंध में एसएचओ संदीप कुमार ने बताया कि पुलिस ने रपट दर्ज करके स्टेट हाईवे से जल चुकी कार को क्रेन की मदद से उठा लिया गया है।

अलग–अलग मामलों में दो लोगों ने की आत्महत्या

झज्जर, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले में अलग–अलग मामलों में दो लोगों ने आत्महत्या कर ली। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। जानकारी के अनुसार अमादलपुर निवासी 51 वर्षीय अजीत कई दिनों से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। शनिवार सुबह 5 बजे उसने अपने भाई के घर जाकर वहां पर फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर सिविल अस्पताल पहुंचाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक के बेटे यशवीर ने बताया कि उसका पिता दिहाड़ी–मजदूरी का काम करता था और कई दिनों से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। शनिवार सुबह उसने चाचा के घर जाकर फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वहीं धौड़ गांव में संदिग्ध परिस्थितियों के चलते एक व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली। उसका शव प्लाट में पेड़ से लटका मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। जानकारी अनुसार धौड़ गांव निवासी 41 वर्षीय धर्मेंद्र अविवाहित था और खेती बाड़ी का काम करता था। उसकी चार बहनें और एक भाई है। वह परिवार में इकलौता कमाने वाला था। उसने अपने प्लाट में लगे पेड़ से फंदा

लगाकर आत्महत्या कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जांच अधिकारी एएसआई संजय ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि धौड़ गांव में धर्मेंद्र नामक एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। वह मानसिक रूप से परेशान था। पुलिस ने मृतक के भाई के बयान पर इत्फाकिया कार्रवाई कर शव पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों के सौंप दिया।

रैली की अनुमति के बजाय मिले अपशब्द, साइबर पुलिस ने दर्ज किया केस

कैथल, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। एक राजनैतिक पार्टी के कार्यकर्ता द्वारा चुनावी रैली की अनुमति के लिए आयोग के पोर्टल पर आवेदन करने के बाद जवाब में मिले अपशब्द मामले में एसडीएम की शिकायत पर साइबर पुलिस ने एक अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इस मामले में एआरओ कम एसडीएम ब्रह्म प्रकाश ने पांच कर्मचारियों को निलंबित भी कर दिया था। इसमें चार कंप्यूटर ऑपरेटर व एक जूनियर प्रोग्रामर को निलंबित किया था। इस मामले में डीसी प्रशांत पंवार ने भी संज्ञान लिया और एक्स पर पोस्ट कर मामले में केस दर्ज करवाने को लेकर पूरी जानकारी दी गई। वहीं, इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी व आप के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता ने इस मामले में मिलीभगत का आरोप लगाया है।

साइबर थाना में दी गई शिकायत में एआरओ कम एसडीओ ब्रह्म प्रकाश ने बताया कि तीन अप्रैल को शुभम राणा ने ऑनलाइन प्रार्थना पत्र के माध्यम से जनसभा की अनुमति के लिए दो आवेदन प्राप्त हुए थे। इस पर किसी अज्ञात व्यक्ति ने एआरओ

यूजरस का दुरुपयोग करते हुए दोनों आवेदन पत्रों को रद्द कर दिया गया है। यही नहीं, इस पर कुछ आपत्ति जनक टिप्पणी व फोटो अपलोड कर दी है। इसलिए अनुरोध है कि उपरोक्त दोनों आवेदन पत्रों पर जिस भी अज्ञात व्यक्ति ने इस पोर्टल का दुरूपयोग किया है। उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए। साइबर थाना के जांच अधिकारी इंद्र सिंह ने बताया कि इस मामले में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। अभी आईपी एड्रेस की जानकारी ली जा रही है। अन्य पहलूओं पर भी जांच की जा रही है। इस मामले में जल्द ही शॉर्ट आउट कर लिया लाएगा।

जिला सूचना अधिकारी दीपक खुराना ने अपने रिपोर्ट में कहा है कि दोनों ही रद्द प्रार्थना पत्रों की रिपोर्ट पर कोई डेट और टाइम नहीं है। उन्होंने संभावना जताई है कि तीन अप्रैल को होने निर्वाचन विभाग की ओर से आयोजित ट्रेनिंग मेंएआरओ व कार्यालय में नियुक्त आईटी टीम के कर्मचारियों ने भाग लिया था। जिस आवेदन पर टिप्पणी की गई है। उसी को डेमो के रूप में प्रयोग करते हुए पोर्टल के बारे में समझाया गया था। शायद इस समय किसी ने यूजर आईडी और पासवर्ड चुरा लिया हो। पुलिस भी अब इसी एंगल को ध्यान में रखते हुए काम कर रही है। साइबर सेल के प्रभारी शिव कुमार शर्मा ने बताया कि पुलिस पहले आरो कार्यालय का सभी रिकॉर्ड अपने कब्जे में लेगी। सभी ऑपरेटर के बयान भी दर्ज किए जाएंगे। उसके बाद किसने यूजर आईडी का दुरुपयोग किया है। इस बात का पता पुलिस लगाएगी। मामले में एक राजनैतिक पार्टी के कार्यकर्ता ने चुनावी रैली की अनुमति के लिए आयोग के पोर्टल पर आवेदन किया था। इस पर उसे जवाब में अनुमति की बजाय अपशब्द मिले। इसमें इस पोर्टल को न केवल रद्द कर दिया, बल्कि उस पर हरियाणवी भाषा में गलत टिप्पणी की। यह आवेदन अनुमति लेने के लिए निर्वाचन आयोग की ओर से जारी एनकोर पोर्टल पर किया था।

कार सवार पिता–पुत्र पर ताबड़तोड़ फायरिंग, पिता गंभीर रूप से घायल

बीकानेर, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले के कोलायत थाना क्षेत्र में एक चलती कार पर कुछ बाइक सवार युवकों ने फायरिंग कर दी। इस फायरिंग में एक व्यक्ति को गोली लगी है, जिसे गंभीर स्थिति में पुलिस ने पीबीएम अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवाया है। घायल हनुमानगढ़ जिले के धोलीपाल निवासी रामरतन पुत्र लेखराम बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार मामला प्रेम–प्रसंग से जुड़ा है। घायल के पुत्र की एक लड़की से लव मैरिज करने की बात सामने आ रही है। कार में सवार दोनों पिता–पुत्र लड़की के बयान दर्ज करवाने के लिए बज्जू पुलिस थाने जा रहे थे। इस बीच रास्ते में इन पर फायरिंग हो गई।

फायरिंग में पिता को गोली लगी है। खून से लथपथ अवस्था में घायल को पुलिस ने ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवाया है। हालांकि अभी यह पता नहीं चल पाया है कि फायरिंग करने वाले लोग कौन थे? पुलिस अब इस मामले में गहनता से पड़ताल कर रही है।

उधार के पैसों के विवाद में व्यवसायी की हत्या तीन आरोपी गिरफ्तार

ब्यावर, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। बीती एक अप्रैल को ब्यावर में एक नामचीन व्यवसायी की नृशंस हत्या के आरोप में साकेत नगर थाना पुलिस ने हत्याकांड के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि रुपयों के लेनदेन को लेकर विवाद के चलते इस घटना को अंजाम दिया गया। शहर के नामी व्यवसायी मनजीत सिंह दुआ की नृशंस हत्या के मामले में साकेत नगर थाना पुलिस को पांच दिन बाद कामयाबी मिली है। पुलिस ने इस हत्याकांड के मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने रुपयों के लेनदेन को लेकर चल रहे विवाद के कारण साजिश रचकर इस हत्याकांड को अंजाम दिया।

एएसपी हिमांशु जांगिड़ ने बताया कि गत 1 अप्रैल को साकेत नगर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि सेदड़ा रोड पर सूर्यमहल होटल के सामने एक खंडहर में एक व्यक्ति की हत्या हुई है, जिस पर साकेत नगर थाना पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर घटना स्थल का मुआयना करते हुए आसपास के लोगों से पूछताछ की। पूछताछ में मृतक के बारे में जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मामले में जिला पुलिस स्पेशल टीम व साकेत नगर थाना पुलिस की टीम ने संयुक्त रूप से महत्वपूर्ण जानकारियों का संकलन किया, जिसके आधार पर कुछ संदिग्धों को चिन्हित करके उनकी निगरानी शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस को मुखबिर के जरिये सूचना मिली कि आरोपी जिले के बाहर छुपे हुए हैं। सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जिले के बाहर कई स्थानों पर दबिश दी एवं हत्या के तीनों आरोपियों मोहन सिंह, श्याम सिंह व महेंद्र सिंह को डिटेन कर लिया। एएसपी जांगिड़ ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि मोहन सिंह का मृतक मनजीत सिंह से रुपयों का लेनदेन था। मृतक द्वारा मोहन सिंह से उधार के रुपये मांगने पर दोनों में कहासुनी हो गई। इस बात को लेकर मोहन सिंह मृतक से रंजिश रखने लगा और बदला लेने की नीयत से उसने श्याम सिंह तथा महेंद्र सिंह को साथ लेकर षड्यंत्र रचकर गत एक अप्रैल को सेंदड़ा रोड पर एक होटल के सामने स्थित खंडहर में मंजीत सिंह के सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी। एएसपी जांगिड़ ने बताया कि पुलिस वारदात में प्रयुक्त हथियार तथा वाहन के बारे में भी आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

▪ पटना में चिराग के सवाल पर पशुपति बोले

शिकवा-शिकायत सब खत्म, एनडीए में ही हूं

किसके पास कौन सीट.. नहीं जानता, 40 सीटों पर मेरा समर्थन

पटना (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस ने कहा कि हमारी पार्टी एनडीए का हिस्सा था और अब भी एनडीए के साथ ही हैं। शिकवा शिकायत खत्म हो गया है। हम एनडीए के सभी प्रत्याशियों को जीताने के लिए समर्थन करेंगे

शनिवार को पटना में पशुपति कुमार पारस प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे। मीडिया ने पूछा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा क्यों दिए, जिसपर उन्होंने कहा कि पुराना बातों को मत पूछिए। फिर पूछा गया कि क्या आप चिराग पासवान का समर्थन करेंगे? इस सवाल पर पशुपति ने पहले तो माइक नीचे रख दिया, लेकिन थोड़ी देर बाद कहा कि किसके पास कौन सीट है, मैं नहीं जानता। हमारी पार्टी सभी 40 सीटों पर एनडीए प्रत्याशी को समर्थन करेगी।

पूर्व सांसद सूरज भान सिंह ने कहा कि हम लोग हमेशा से एनडीए में थे। पूरे देश में एक ही उम्मीद है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। चिराग पासवान को लेकर कहा कि भगवान करे, वे दिन दोगुना तरक्की करें। हम शुरू से चाह रहे थे कि चिराग और पारस एक हो जाए। अब एक हो ही गए हैं, अलग थोड़े हैं।

बता दें कि एनडीए में सीट बंटवारे से नाराज होकर पशुपति पारस ने बीजेपी पर धोखा देने का आरोप लगाया था। 19 मार्च को उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दिया था। उसी दिन दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर लोकसभा चुनाव को लेकर बिहार में उनकी पार्टी को एक भी सीट नहीं दिए जाने पर कड़ी नाराजगी जाहिर की थी। लेकिन कुछ दिन बाद ही उनके सुर बदल गए थे।

2 अप्रैल को पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने अपने भतीजे प्रिंस राज के साथ दिल्ली में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की थी। नड्डा ने मुलाकात की तस्वीर सोशल मीडिया एक्स पर शेयर की थी। जेपी नड्डा ने लिखा था- आने वाले चुनाव में हमारा गठबंधन मजबूती से बना रहेगा और पशुपति जी की पार्टी बिहार में एनडीए के सभी 40 उम्मीदवारों का पूर्ण समर्थन करेगी। साथ ही उनकी जीत सुनिश्चित करने में हर संभव सहयोग देगी।

लोकसभा चुनाव में टिकट कटने के बाद इस बात के कयास लगाये जा रहे थे कि पशुपति कुमार पारस एनडीए से अलग होकर चुनाव मैदान में उतरेंगे। लेकिन इन सब के बीच पारस ने 30 मार्च को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर सभी अटकलों पर ब्रेक लगा दिया था।

उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर प्रधानमंत्री मोदी के साथ फोटो पोस्ट की थी। पोस्ट में उन्होंने लिखा- 'हमारी पार्टी रालोजपा एनडीए का अभिन्न अंग है। प्रधानमंत्री मोदी हमारे भी नेता हैं और उनका निर्णय हमारे लिए सर्वोपरि है। उनके नेतृत्व में एनडीए पूरे देश में 400+ सीट जीतकर तीसरी बार रिकॉर्ड तोड़ बहुमत से सरकार बनाएगी। साथ ही बिहार की 40 लोकसभा सीटों पर विजय प्राप्त करने में हमारी पार्टी का पूर्ण समर्थन है और रहेगा।

भाजपा प्रत्याशी के लिए वोट मांगने पहुंचे नीतीश सरकार के मंत्री को घेरा, मुर्दाबाद सुन लौटे

मुंगेर (एजेंसियां)। छोटे मुद्दों पर पैरवी करना कई बार बड़े लोगों के लिए मुसीबत बन जाती है। चुनाव में ऐसी मुसीबत सामने आ जाती है। इस बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी के साथ उनके इलाके में यही हो गया। वह पहुंचे थे नवादा संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी विवेक ठाकुर के पक्ष में प्रचार करने, लेकिन एक गांव में प्रवेश के साथ उनका ऐसा संगठित विरोध हुआ कि मुर्दाबाद के नारे सुनते ही उन्हें वापस लौटना पड़ गया।

बिहार सरकार के मंत्री डॉ अशोक चौधरी को शनिवार को बरबीघा के सामस बुजुर्ग गांव में भारी विरोध का सामना करना पड़ा। आक्रोशित लोगों ने मंत्री के विरोध में मुर्दाबाद के नारे भी लगाये।

विरोध कर रहे ग्रामीणों का कहना है कि मंत्री अशोक चौधरी बेवजह गांव के उप मुखिया और उसके भाइयों की बातों में आकर सामाजिक कार्यों में हस्तक्षेप करते रहते हैं।ग्रामीणों ने बताया कि 6 दिन पहले गांव वालों ने बैठक करके सामस विष्णु धाम मंदिर के बगल में स्थित बड़े तालाब से रेलवे को मिट्टी देने के लिए सामाजिक स्तर पर निर्णय लिया था। मिट्टी के बदले रेलवे से मिलने वाला लाखों रुपया मंदिर के निर्माण कार्य में खर्च किया जाना था। शनिवार को रेलवे के ठेकेदार मिट्टी निकालने के लिए गांव पहुंचे। इस दौरान गांव के मुखिया तथा उनके भाई ने इसका विरोध कर दिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए कहा कि जब गांव वालों ने उप मुखिया की बात नहीं मानी तब उन्होंने मंत्री अशोक चौधरी के जरिए जिलाधिकारी को फोन करवाके काम रुकवा दिया। काम रुकने की वजह से मंदिर को लाखों का नुकसान हुआ है।

संयोग से शनिवार को ही एनडीए प्रत्याशी के लिए मंत्री अशोक चौधरी गांव-गांव जनसंपर्क अभियान चला रहे थे। इस दौरान जब वह गांव पहुंचे तो सैकड़ो की संख्या में लोगों ने उनका कड़ा विरोध किया। कहा जा रहा है कि लोगों के विरोध के बाद मंत्री जी को चंद मिनट में ही गांव से वापस लौटना पड़ गया।

ग्रामीणों का कहना है कि अशोक चौधरी के गांव आने की सूचना दिन में ही लग गई थी, जिसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल दिन में भी उनके गांव में आने का विरोध किया था। फिर शाम में जब वह गांव में आये तब फिर लोगों ने उनका विरोध किया। हालांकि लोगों के विरोध को दबाने के लिए पुलिस ने गांव वालों को खदेड़ा भी लेकिन विरोध इतना हो गया था कि अशोक चौधरी को जनसंपर्क अभियान को स्थगित कर वापस लौटना पड़ गया।

मुकेश सहनी बोले- हमारी पार्टी को खत्म करने की कोशिश की गई

इस देश में हिटलरशाही चल रही

पटना (एजेंसियां)। विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी ने मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला है। पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले कई साल से हमलोग अपने समाज और अतिपिछड़ों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। पूरे उत्साह और मजबूती के साथ वीआईपी मजबूती से काम कर रही है। पिछले 10 साल पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार है। वह किसी की नहीं सुनते हैं। आप दिल पर हाथ रखकर सोचिए कि इस देश में लोकतंत्र है या राजतंत्र है।

वीआईपी प्रमुख ने कहा कि इस देश में हिटलरशाही चल रही है। दो-दो मुख्यमंत्री को जेल में डाल दिया है। युवा को रोजगार नहीं मिल रहा है। अग्निवीर योजना के तहत चार साल में सेवानिवृति दी जा रही है। क्या केवल पांच किलो अनाज से देश का विकास हो जाएगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि हम आएंगे हर साल दो करोड़ लोगों को रोजगार देंगे। लेकिन दो करोड़ क्या अगर दो लाख लोगों को आरक्षण देते तो आज 10 साल में 20 लाख लोगों को रोजगार मिलता। आप केवल नफरत की राजनीति करते हैं। धर्म की राजनीति करते हैं।

मुकेश सहनी ने कहा कि हमलोग कभी कल्पना नहीं कर सकते हैं कि सत्ता का ऐसा भी दुरुपयोग वह कह सकते हैं। आप चंदा के नाम पर हजारों करोड़ों रुपया ले रहे हैं। हमलोगों की पार्टी की कोर कमेटि की बैठक है। इसमें हमलोगों टिकट बंटवारे पर तय करेंगे। मुकेश सहनी ने आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी जी ने हमारी पार्टी को खत्म करने की कोशिश की। हमलोगों की पार्टी का सिंबल दूसरी पार्टी को दे दिया गया। हमलोगों को पर्स छाप दिया गया है। सहनी ने दावा किया कि इस बार महागठबंधन एनडीए को हराने का काम करेगी।

मुकेश सहनी के पुराने विश्वासी ने किया तंज

केवट ने राम की नैया पार लगाई थी, हम मोदी की लगाएंगे

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। महागठबंधन में मुकेश सहनी की पार्टी (वीआईपी) के शामिल होने के बाद बिहार में सियासत तेज हो गई है। मुजफ्फरपुर लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी और मुकेश सहनी के पुरानी विश्वासी राजभूषण निषाद ने वीआईपी प्रमुख पर हमला बोला है।

उन्होंने कहा कि विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी ने कहा कि वह कभी मल्लाहों के सच्चे हितैषी नहीं हो सकते। इंडी गठबंधन में शामिल होकर खुद को कमजोर और बेबस होने की परिपाटी को पूरा कर दिखाया है। खुद को मल्लाहों का नेता और सच्चे अर्थों में हिताइसी कहने की बात कुछ और नहीं बल्कि बेइमानी है।

वीआईपी पार्टी छोड़ भाजपा में शामिल हुए राजभूषण निषाद ने कहा कि जो लोग खुद को मल्लाह का नेता मानते हैं वो पहले खुद सच्चे अर्थों में मल्लाह के कार्य और कर्तव्य को समझ ले। सच्चा मल्लाह वही है जो अपनी वाणी और कर्तव्य पथ से भटके नहीं। निषाद किसी का जागीर नहीं बल्कि निषाद समाज केवट के वंशज हैं यानी प्रभु श्रीराम की नैया को पार लगाने वाला क्योंकि उन्होंने धर्म के लिए काम किया था और हम भी उसी रास्ते पर चल रहे हैं। किसी के कहने और करने से मल्लाह कभी भटकता नहीं और कोई भटका नहीं सकता है। मल्लाहों का विश्वास सिर्फ केवट में बसता है और सही समय पर सबको पता चल जायेगा निषाद का समाज किसके साथ।

भाजपा प्रत्याशी राजभूषण निषाद ने कहा मल्लाहों का कोई नेता नहीं होता वह प्रभु श्रीराम और केवट में विश्वास रखने वाले समाज रखने वाले लोग होते हैं। कुछ लोग खुद को भले नेता बता दें। देश में पीएम मोदी की लहर दौड़ पड़ी है और अब सभी समाज के लोग मोदी मोदी का गुणगान कर रहे हैं। और यही कारण है कि देश और दुनिया मोदी को लेकर बात करती है।

पावर हाउस कैंपस में लगी भीषण आग, लाखों के नुकसान का अनुमान

मुंगेर (एजेंसियां)। बिहार के बेगूसराय में पावर हाउस कैंपस में अचानक से भीषण आग लग गई। इस घटना में लाखों रुपये मूल्य का सामान जलकर राख हो गया है। वहीं, आग की तेज लपटों के बीच मौके पर घंटों अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। लोग अपने-अपने घरों से निकल कर आग पर काबू पाने की कोशिश करते रहे, पर आग इतनी तेज थी कि सारे प्रयास विफल साबित हुए। बाद में स्थानीय लोगों द्वारा घटना की सूचना दमकल कर्मियों को दी गईं। उसके बाद दमकल की चार गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जानकारी के मुताबिक इस पूरी घटना से आसपास के घरों में रहने वाले लोग काफी डरे सहमे थे, क्योंकि आग की लपटें इतनी तेज थीं कि वह आसपास के घरों को भी प्रभावित कर सकती थी। लेकिन एक बड़ी अनहोनी होने से बच गई। आग कैसे लगी, इसकी किसी को कोई जानकारी नहीं है। पर माना जा रहा है कि बिजली की चिंगारी से यह आगलगी की घटना घटी है।

वहीं, घटना को लेकर मौके पर मौजूद होमगार्ड के जवान शशि कांत चौधरी ने बताया कि वह यहां रात्रि ड्यूटी में तैनात है। घर से जब खाना खाकर लौटा तो देखा कि पावर हाउस कैंपस में आग लगी हुई है। उसके बाद उन्होंने मुख्य गेट का ताला खोला और इसकी सूचना स्थानीय लोगों को दी। उन्होंने बताया कि कैंपस में 60 से 70 बंडल तार रखा हुआ है। इस तार के बंडल में भीषण आग लग गई। अगर समय पर दमकल टीम नहीं पहुंचती तो पूरा पावर हाउस जलकर खाक हो जाता। साथ ही आग आसपास के घरों को भी अपनी चपेट में ले लेती। आग कैसे लगी उन्हें पता नहीं है।

स्थानीय मणिकांत ठाकुर ने बताया कि उन लोगों को जानकारी मिली कि पावर हाउस में भीषण आग लग गई। उसके बाद वह लोग मौके पर पहुंचे तो पाया कि पॉवर हाउस में भीषण आग लग गई है। इस वजह से कैंपस में रखा सारा केबल तार जलकर राख हो गया है। उन्होंने आशंका जाहिर की कि बिजली की चिंगारी से यह हादसा हुआ होगा। वहीं, घटना को लेकर स्थानीय मुकंद कुमार सिंह ने बताया कि वह सब्जी लेने के लिए पावर हाउस चौक आए थे। जहां उन्हें पता चला कि पावर हाउस में भीषण आग लग गई है। उसके बाद वह यहां पहुंचे तो देखा कि भीषण आग लगी हुई है। उसके बाद उन्होंने फायर बिग्रेड को इसकी सूचना दी। इधर, फायर ब्रिगेड के आधुनिक रंजन कुमार ने बताया कि कंट्रोल रूम से यह सूचना मिली थी कि पावर हाउस में भीषण आग लगी है। उसके बाद मौका ए वारदात पर चार गाड़ियों के साथ पहुंचे और आग पर काबू पा लिया गया। फिलहाल इस घटना में कितना का सामान जलकर राख हुआ है, इसका आकलन नहीं हो पाया है।

वहीं, बिजली विभाग पदाधिकारी उमाशंकर ने बताया कि पता चला कि पावर हाउस के स्टोर रूम में भीषण आग लग गई है। जैसे सूचना मिली वैसे ही मौके पर पहुंचे तो पता चला कि स्थानीय लोगों और दमकल कर्मी की टीम के द्वारा आग पर काबू पा लिया गया है।

बेगूसराय में पुलिस टीम पर हमला

शराब माफियाओं को गिरफ्तार करने गए थे पुलिसकर्मी

पटना (एजेंसियां)। बेगूसराय में शराब माफियाओं ने एक बार फिर उत्पाद विभाग की टीम पर हमला कर दिया है। इस हमले में एक हवलदार गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं छापेमारी करने गए पुलिसकर्मी जान बचाकर उस जगह से भागने में सफल रहे। इधर, घटना के बाद काफी देर तक अफरातफरी का माहौल बना रहा। और, पुलिसकर्मी इधर-उधर अपना जान बचाकर भागते रहे। वहीं घायल हवलदार का इलाज बेगूसराय के सदर अस्पताल में चल रहा है।

मामला नगर थाना क्षेत्र के माल गोदाम स्थित झोपड़पट्टी का है। घायल हवलदार की पहचान उत्पाद विभाग में पदस्थापित राजनंदन कुमार के रूप में की गई है। घायल हवलदार राजनंदन कुमार ने बताया है कि शराब बेचने की गुप्त सूचना मिली थी।इसी सूचना के आधार पर पुलिस टीम माल गोदाम स्थित झोपड़पट्टी में छापेमारी करने के लिए गई थी। जैसे ही छापेमारी अभियान पुलिस द्वारा चलाया उसे ही शराब माफियाओ ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया।

घायल हवलदार ने बताया है कि पथराव देखकर सभी पुलिसकर्मी मौके से भाग गया। जबकि हमको चारों तरफ से शराब माफिया द्वारा घेर लिया और लाठी डांटे ईंट-पत्थर से पीट-पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। तकरीबन 80 से अधिक बदमाश संख्या में शराब माफिया पुलिस टीम पर ईंट-पत्थर और लाठी-डंडे से हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि घायल अवस्था में किसी तरह उसे जगह से भागकर अपना जान बचाए। फिलहाल उत्पाद पुलिस की टीम पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है। वहीं लोगों का कहना है कि जिस तरीके से शराब माफियाओं द्वारा पुलिस टीम पर हमला किया गया, उससे साफ जाहिर हो रहा है कि पुलिस का खौफ शराब माफियाओं के बीच अब खत्म हो चुका है। पुलिस से अपील है कि इस मामले को गंभीरता से ले और शराब माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई करे।

ईद की खरीदारी करने गए मासूम बच्चे को बस ने रौंदा, मौके पर मौत

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में अनियंत्रित सरकारी बस ने एक चार वर्षीय मासूम को रौंद दिया, जिससे बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। इस दौरान बस लेकर मौके से भाग रहे चालक को आक्रोशित लोगों ने पकड़ लिया। फिर उसे बस से खींचकर बाहर निकाला और जमकर पिटाई कर दी। गुस्साए लोगों ने बस में तोड़फोड़ भी की। बस के अंदर बैठे यात्रियों को उतार दिया गया, जिसके बाद मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। मामला ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र के मेंहदी हसन चौक का है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

जानकारी के मुताबिक, कुढ़नी प्रखंड क्षेत्र के मनियारी थाना क्षेत्र सोनवर्षा गांव के कुर्बान अली ईद की खरीदारी करने बाजार गए थे। अली बाइक पर अपने चार साल के बेटे को भी साथ ले गए थे। इसी दौरान बैरिया से इमली चट्टी बस स्टैंड की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार बस ने टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर बैठा हुआ बच्चा अबू बकर गिर गया और बस के नीचे आ गया। इस घटना के बाद बस चालक मौके पर से फरार हो गया।

वहीं, घटना के बाद स्थानीय लोगों ने बवाल शुरू कर दिया। उन्होंने बस को करीब दो सौ मीटर तक खदेड़कर महामाया स्थान के पास पकड़ा और चालक की जमकर पिटाई कर दी। इस दौरान हंगामा और बवाल की स्थिति बनी हुई रही। लोगों ने बस में लाठी-डंडे और लोहे की रॉड से तोड़-फोड़ कर दी।

सूचना मिलने के बाद ब्रह्मपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। फिर गुस्साए लोगों को समझाने का प्रयास किया। लेकिन वे लोग समझने को तैयार नहीं हुए और पुलिस से जमकर नोकझोंक करने लगे। उसके बाद लोग मुआवजे की मांग पर अड़ गए। हालात बेकाबू होते देख मौके पर एएसपी नगर भानु प्रताप सिंह और डीएसपी टाउन 2 विनिता सिन्हा भी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों को किसी तरह समझाकर शांत कराया और उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद लोग शांत हुए।

डीएसपी टाउन 2 विनिता सिन्हा ने बताया कि मनियारी थाना क्षेत्र के सोनवर्षा गांव के निवासी कुर्बान अली अपनी बाइक से शहर आए थे। इसी दौरान घटना हुई। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की करवाई में जुटी हुई है। घटना में बस में तोड़फोड़ की गई है। लोग आक्रोशित हो गए थे और आरोपी चालक की पिटाई कर दी थी। मामले में कार्रवाई की जा रही है। आरोपी चालक को हिरासत में लिया गया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराए जाने के लिए मेडिकल कॉलेज में भेजा गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com